संस्करण ▸ नई दिल्ली ▸ पानीपत (हरियाणा) ▸ चण्डीगढ़ ▸ लखनऊ (उत्तर प्रदेश) ▸ भोपाल (मध्य प्रदेश) ▸ हल्द्वानी नैनीताल ▸ देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

वर्ष : 36
अंक : 178
पृष्ठ : 12
नई दिल्ली,
शनिवार
17 मई 2025,
मूल्य : 3 रूपये

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें...

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia @publicasialive RNI No. :- 49329/89

मुख्य अपडेट 9-10 मई के पाकिस्तानी हमले को आकाशतीर ने नाकाम किया, स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम है, तीनों सेनाओं के पास मौजूद... ❯ ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करेंगे भारतीय सांसद, अमेरिका, UK, दक्षिण अफ्रीका, कतर और UAE जाएंगे... ❯ हरियाणा सरकार पुंडरी में 53 एकड़ सरकारी भूमि पर प्राकृतिक खेती के पायलट प्रोजेक्ट की करेगी शुरुआत...

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं, यह सिर्फ ट्रेलर : राजनाथ

▸▸ समय आने पर दुनिया को दिखाएंगे पूरी पिक्चर; भुज में जवानों का बढ़ाया हौसला

(एजेंसी)।

अहमदाबाद। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, ये तो बस ट्रेलर है, समय आएगा तो पूरी पिक्चर दुनिया को दिखाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे।

जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान सीजफायर में हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है, बिहेवियर में गड़बड़ी आई तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा- ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया, एक कहावत मशहूर है- दिन में तारे दिखना। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया।

इससे पहले गुरुवार को राजनाथ जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरबेस पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जवानों से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया था।

भुज ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी का साक्षी...

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- आपका अभिनंदन करने आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में आपने करिश्माई काम किया है। भारत का मस्तक आपने ऊंचा किया है। हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। आप सबके बीच आकर मुझे गौरव की अनुभूति हो रही है।

भुज 65 और 71 की जंग में हमारी जीत का साक्षी रहा है और आज भी यह ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी का साक्षी है।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के माथे पर खतरे की लाल लकीर...

राजनाथ ने कहा- आपके पराक्रम ने दिखा दिया है कि यह वो सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं शौर्य का प्रतीक है। यह वह सिंदूर है जो सौंदर्य नहीं, संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। इस लड़ाई में सरकार और सभी नागरिक एकजुट थे। भारत का हर नागरिक इसमें सिपाही की तरह भागीदार रहा।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, अब नेशनल डिफेंस का हिस्सा..

राजनाथ ने कहा- अब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई सिर्फ सुरक्षा का मसला नहीं, बल्कि ये नेशनल डिफेंस का हिस्सा बन चुकी है। हम इसे जड़ से खत्म करेंगे। अब भारत पहले का भारत नहीं है, नए भारत का जन्म हो चुका है।

भारतीय सेना के लिए 23 मिनट काफी थे...

राजनाथ ने कहा- इस ऑपरेशन में आपने जो किया है, सभी हिंदुस्तानी उससे गौरवान्वित हैं। भारतीय सेना के लिए 23 मिनट काफी थे पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंकवाद के अजगर को कुचलने के लिए। जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी करते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों को निपटा दिया।

पाकिस्तान में गिरी मिसाइलों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी...

राजनाथ ने कहा- आपने पाकिस्तान के भीतर मिसाइलें गिराई हैं, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी। वह गूंज आपके शौर्य की, जवानों के पराक्रम की। भारतीय वायुसेना ने प्रभावी भूमिका निभाई, जिसकी सराहना दुनिया के दूसरे देशों में भी हो रही है।

ऑपरेशन सिंदूर पर अब एमपी के डिप्टी-सीएम का विवादित बयान

बोले-सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक, कांग्रेस ने कहा- ये सेना के शौर्य का अपमान

(एजेंसी)।

जबलपुर। मध्यप्रदेश में मंत्री विजय शाह के बाद अब डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित बयान दिया है। देवड़ा ने शुक्रवार को जबलपुर में कहा, प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे...और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक...उनके चरणों में नतमस्तक है।

वे यहां सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उनके बयान को कांग्रेस ने सेना के शौर्य का अपमान बताया। वहीं, बीजेपी ने कहा है कि कांग्रेस देवड़ा के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है।

विवाद बढ़ने के बाद डिप्टी सीएम ने सफाई दी। कहा, 'मेरे बयान को गलत ढंग से पेश किया जा रहा है।' इससे पहले मंत्री शाह ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान दिया था। एमपी हाईकोर्ट ने पुलिस को स्न्ढ्ढक्र दर्ज का आदेश दिया। मंत्री इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। इस पर सुनवाई सोमवार को होगी।

डिप्टी सीएम देवड़ा का पूरा बयान पढ़ लीजिए...

डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा, 'मन में बहुत क्रोध था। लोग पर्यटक के रूप में घूमने गए थे। वहां धर्म पूछ-पूछकर और महिलाओं को एक तरफ खड़ा करके उनके सामने पति को गोली मारी। बच्चों के सामने गोली मारी। उस दिन से दिमाग में बहुत तनाव था।

जब तक इसका बदला नहीं लिया जाएगा और जिन माताओं के सिंदूर को मिटाने का काम जिन आतंकवादियों ने किया और आतंकवादियों को जिन्होंने पाला, जो पाल रहे हैं उनको नेस्तनाबूद नहीं कर देंगे, तब तक चैन की सांस नहीं लेंगे।

प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे।...और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक...उनके चरणों में नतमस्तक है। उनके चरणों में पूरा देश नतमस्तक है। उन्होंने जो जवाब दिया है, उसकी जितनी सराहना की जाए, जितना कहा जाए, एक बार उनके लिए जोरदार तालियां बजाकर स्वागत करिए।

सफाई- मेरा बयान तोड़ मरोड़ कर पेश कर रहे...

जगदीश देवड़ा ने सफाई देते हुए कहा कि कांग्रेस मेरे बयान को बिल्कुल गलत तरीके से प्रस्तुत कर रही है। मीडिया में मेरा बयान तोड़ मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। मैंने ये कहा कि देश की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में जो काम किया है, उसकी जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। देश की जनता भारत की सेना के चरणों में नतमस्तक है। उनका प्रणाम करते हैं, उनका सम्मान करते हैं। जितना कहा जाए उतना कम है सेना के बारे में। ये शब्द मैंने कहे हैं। उसे तोड़ मरोड़ कर गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं। जो लोग ऐसा षड़यंत्र कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रियंका ने कहा, ये सेना का अपमान...

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है, 'भाजपा के नेताओं की ओर से लगातार हमारी सेना का अपमान अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। पहले मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने महिला सैनिकों पर अभद्र टिप्पणी की और अब उनके उपमुख्यमंत्री ने सेना का घोर अपमान किया है।'

सरकार ने तुर्किये की कंपनी की सुरक्षा मंजूरी कैंसिल की, सेलेबी ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई

(एजेंसी)।

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद 'बायकॉट तुर्किये' की मांग के बीच भारत सरकार ने सेलेबी (Celebi) एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है।

ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) के आदेश के मुताबिक यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। तुर्किये की यह कंपनी अब भारतीय एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग के काम नहीं कर पाएगी। हालांकि फैसले के खिलाफ सेलेबी ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया, तुर्किये की सेलेबी ग्रुप का हिस्सा है। यह मुंबई, दिल्ली, कोच्चि, कन्नूर,

बेंगलुरु, हैदराबाद, गोवा, अहमदाबाद व चेन्नई जैसे 9 प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों पर सेवाएं देती थी।

इधर, अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने चीनी कंपनी ड्रैगनपास के साथ करार समाप्त कर दिया है। इस प्लेटफॉर्म पर एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस सेवाएं दी जाती थीं।

कंपनी के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि ड्रैगनपास के ग्राहकों को अब अडाणी की ओर से प्रबंधित एयरपोर्ट पर लाउंज तक पहुंच नहीं मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करने को लेकर भारत में इस समय अजरबैजान, चीन और तुर्किये की कंपनी ओर सामानों का विरोध हो रहा है।

Celebi ने कहा- हम भारत में 10 हजार लोगों को रोजगार देते हैं...

Celebi भारत में 15 साल से भी ज्यादा समय से एक्टिव है। कंपनी का कहना है कि वे प्राइवेट ग्राउंड हैंडलिंग क्षेत्र में टॉप लीडर हैं। हम 10,000 से अधिक भारतीयों को सीधे तौर पर रोजगार देते हैं। हमने 220 मिलियन अमेरीकी डॉलर से ज्यादा निवेश किया है। सेलेबी की स्थापना 1958 में हुई थी। ये कंपनी विमानन सेवाओं में टॉप लीडर है। जो ग्राउंड हैंडलिंग, कार्गो और वेयरहाउस मैनेज करती है।

डिजिटल और वित्तीय रूप से सशक्त होंगी बेटियां, योगी सरकार बनाएगी आत्मनिर्भर

बेटियों को डिजिटल युग के अनुरूप तैयार करेगी योगी सरकार

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)।

लखनऊ। योगी सरकार ने एक बार फिर बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की 80 हजार छात्राओं को अब वित्तीय साक्षरता और डिजिटल कुशलता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण यूनिसेफ के सहयोग से ऑनलाइन 'पासपोर्ट टू अर्निंग (P2E) प्लेटफॉर्म पर निःशुल्क उपलब्ध होगा, जहाँ छात्राएं प्रमाण-पत्र अर्जित कर सकेंगी।

नई शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप यह पहल न केवल बेटियों को व्यवहारिक शिक्षा से जोड़ेगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाएगी। बेटियां अब 21वीं सदी के अनिवार्य कौशल जैसे डिजिटल साक्षरता और वित्तीय निर्णय क्षमता में दक्ष होंगी।

प्रशिक्षण से बेटियां होंगी इन क्षेत्रों में दक्ष...

वित्तीय निर्णय लेना, बचत और निवेश की समझ

ऋण प्रबंधन व वित्तीय अनियमितताओं की पहचान

एक्सेल व पावरपॉइंट जैसे डिजिटल उपकरणों का प्रयोग

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रमाण-पत्र अर्जन की प्रक्रिया

746 केजीबीवी में चरणबद्ध रूप से होगा कार्यक्रम लागू...

इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को चरणबद्ध ढंग से लागू किया जाएगा। सर्वप्रथम 20 मई तक प्रत्येक विद्यालय से एक नोडल शिक्षक/शिक्षिका का चयन किया जाएगा, जिसके बाद 24-25 मई के मध्य उनका ऑनलाइन उन्मुखीकरण आयोजित किया जाएगा। 25 जून तक नोडल शिक्षक स्वयं प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण पूरा करेंगे और 25 जुलाई तक सभी बालिकाओं का लॉगिन तैयार किया जाएगा। इसके उपरांत छात्राएँ 10 सितम्बर तक वित्तीय साक्षरता कोर्स पूर्ण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करेंगी और 15 सितम्बर तक उसकी समेकित रिपोर्ट तैयार की जाएगी। फिर 30 अक्टूबर तक डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण पूर्ण किया जाएगा तथा 10 नवम्बर 2025 तक इसकी समेकित रिपोर्ट तैयार कर समीक्षा की जाएगी। प्रत्येक चरण में यूनिसेफ एवं समग्र शिक्षा की तकनीकी सहायता प्राप्त होगी और जिला समन्वयक तथा वार्डेन कार्यक्रम की नियमित निगरानी करेंगे।

रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ बढ़ाने का प्रस्ताव, आधुनिक हथियारों और तकनीक पर होगा फोकस

▸▸ पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद बड़ा कदम

(एजेंसी)।

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपए बढ़ा सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस फंड से नए हथियार, गोला-बारूद और तकनीक खरीदी जाएंगी। साथ ही सेना की दूसरी जरूरतें, रिसर्च और डेवलमेंट पर भी

खर्च किया जाएगा।

बढ़ोतरी के बाद रक्षा मंत्रालय का ओवरऑल बजट 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपए का बजट दिया था।

इस साल रक्षा बजट पिछले साल की तुलना में करीब 9.5% ज्यादा है। केंद्र ने 2024-25 में सशस्त्र बलों के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपए दिए थे। PM मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के पहले बजट 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपए दिए गए थे।

बॉर्डर पार किए बिना भारत ने पाकिस्तान में 9 आतंकी कैंप्स नष्ट किए जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। इस बीच रक्षा बजट में बढ़ोतरी को लेकर रक्षा मंत्रालय के प्रस्ताव को अहम माना जा रहा है। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) में हमला किया था।

इस दौरान भारत ने अपने एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम की बदौलत बॉर्डर पार किए बिना पाकिस्तान के भीतर जाकर नौ आतंकवादी कैंपों को नष्ट कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी हमला किया, लेकिन भारत की मल्टी लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने लगभग हर पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन को बेअसर कर दिया।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस की एस-400, बराक-8 मीडियम रेंज SAM सिस्टम और स्वदेशी आकाशतीर सिस्टम को तैनात किया था। इसके अलावा पिकोरा, OSA-AK और LLAD गन (लो-लेवल एयर डिफेंस गन) के जरिए भी पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमले नाकाम किए। भारत का सैन्य खर्च पाकिस्तान से 9 गुना ज्यादा स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया के पांचवे सबसे बड़े देश भारत का सैन्य खर्च 1.6% बढ़कर 86.1 बिलियन डॉलर (7.19 लाख करोड़) हो गया है। वहीं, पहलगाम हमले के बाद से न्यूक्लियर मिसाइल दागने की धमकी दे रहे पाकिस्तान का सैन्य खर्च 10.2 बिलियन डॉलर यानी करीब 85,170 करोड़ रहा।

विजय शाह केस-सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 19 मई को, प्रियंका गांधी बोलीं- अपने नेताओं को बचा रही बीजेपी

भोपाल/दिल्ली। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 19 मई तक स्थगित कर दी है। शाह ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया गया था।

वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने ङ्ग पर लिखा- पहले मध्यप्रदेश के एक मंत्री ने महिला सैनिकों पर अभद्र टिप्पणी की और अब उनके उपमुख्यमंत्री ने सेना का घोर अपमान किया है। बीजेपी अपने इन नेताओं पर कार्रवाई करने की जगह उन्हें बचाने में पूरा जोर लगा रही है। वह ऐसा करके हमारी सेना और देशवासियों को क्या संदेश देना चाहती है?

उधर, मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को राज्यपाल से मिला। ज्ञापन सौंपकर मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करने की मांग की। इसके बाद कांग्रेसी विधायक काले कपड़ों में राजभवन के बाहर धरने पर बैठ गए। बाद में उन्हें पुलिस ने जबरन उठाया और गिरफ्तार करके ले गई। हालांकि, थोड़ी देर बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

अफगानिस्तान के साथ भारत के नए कूटनीतिक संबंधों का आगाज

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)।

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बातचीत की। इस दौरान जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने के लिए अफगानिस्तान के प्रति आभार व्यक्त किया। वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-अफगानिस्तान के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार साझा किए।

अफगानिस्तान ने हाल ही में पाकिस्तान के उन आरोपों को

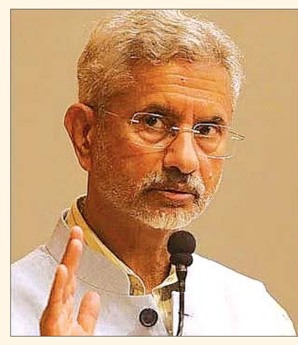

खारिज कर दिया था, जिनमें कहा गया था कि भारतीय मिसाइलों ने अफगानिस्तान को टारगेट किया। जयशंकर ने इस बात के लिए भी अफगान सरकार का शुक्रिया किया।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कार्यवाहक अफगान विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ अच्छी बातचीत हुई। पहलगाम आतंकी हमले की उनकी निंदा की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं। झूठी और निराधार रिपोर्टों के ज़रिए भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के हाल के प्रयासों को उनकी दृढ़ अस्वीकृति का स्वागत किया। अफगान लोगों के साथ हमारी पारंपरिक मित्रता और उनकी विकास आवश्यकताओं के लिए निरंतर समर्थन को रेखांकित किया। सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की।

भारत ने पहली बार तालिबान सरकार से मंत्री स्तर पर संपर्क किया है, जिसे अफगानिस्तान के साथ भारत के नए कूटनीतिक संबंधों के आगाज के तौर पर देखा जा रहा है। तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने के बाद भारत और तालिबान सरकार के बीच बातचीत की शुरुआत जनवरी 2025 में हुई थी, जब विदेश सचिव विक्रम मिसरी और मुत्ताकी के बीच दुबई में बैठक हुई थी। तब अफगान विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान के लोगों से जुड़ने और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय नेतृत्व की सराहना की थी।

इसके बाद विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश ने 28 अप्रैल को तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने एवं व्यापार और पारगमन सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। तब भारतीय राजनयिक ने अफगानिस्तान को विभिन्न क्षेत्रों में सहायता जारी रखने की भारत की मंशा दोहराई और पहले से रुकी हुई पहलों को फिर से शुरू करने समेत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने में भारत की रुचि से अवगत कराया था।

संपादकीय

भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर अफगानिस्तान का रुख

भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव और संघर्षों ने न केवल दक्षिण एशिया की स्थिरता को प्रभावित किया है, बल्कि पड़ोसी देशों की विदेश नीति और कूटनीतिक रणनीतियों पर भी गहरा प्रभाव डाला है। अफगानिस्तान, जो कि भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंध रखता है, इस संघर्ष में एक दिलचस्प और संतुलित रुख अपनाने की कोशिश करता रहा है।

अफगानिस्तान का ऐतिहासिक दृष्टिकोण

अफगानिस्तान का भारत के साथ ऐतिहासिक संबंध सकारात्मक और सहयोगात्मक रहे हैं। भारत ने अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में बड़ा योगदान दिया है, विशेषकर 2001 के बाद। शिक्षा, अवसंरचना, स्वास्थ्य और प्रशासनिक विकास में भारत की सहायता ने अफगान जनता के बीच भारत के प्रति एक सकारात्मक छवि बनाई है।वहीं पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान के संबंध ऐतिहासिक रूप से जटिल और तनावपूर्ण रहे हैं। विशेष रूप से, अफगानिस्तान ने डुरंड रेखा को कभी आधिकारिक सीमा के रूप में स्वीकार नहीं किया है, जो पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। इसके अलावा, अफगान नेतृत्व अकसर पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाता रहा है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर अफगान रुख

तटस्थता और संतुलन : अफगानिस्तान आम तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी संघर्ष में तटस्थता बनाए रखने की कोशिश करता है। अफगान सरकार यह स्पष्ट करती रही है कि वह किसी भी क्षेत्रीय तनाव का हिस्सा नहीं बनना चाहती, लेकिन क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के पक्ष में है।

आतंकवाद का विरोध : अफगानिस्तान हमेशा आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाता रहा है। जब भी भारत में आतंकी हमले होते हैं, जिनके पीछे पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी समूहों का नाम आता है, तो अफगान नेताओं ने अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद के स्रोतों की निंदा की है, जिससे भारत को नैतिक समर्थन मिलता है।

भारत-अफगान सहयोग : भारत और अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध गहरे हैं, खासकर आर्थिक और सुरक्षा सहयोग के क्षेत्र में। इससे यह साफ होता है कि अफगानिस्तान भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता देता है, विशेषकर तब जब उसे अपने पुनर्निर्माण और स्थायित्व के लिए बाहरी सहयोग की जरूरत होती है।

तालिबान शासन के बाद परिवर्तन : अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान की विदेश नीति में कुछ हद तक बदलाव देखा गया है। तालिबान ने भारत के साथ संबंध सुधारने की कोशिश की है, लेकिन वह पाकिस्तान के प्रभाव से पूरी तरह अलग नहीं हो पाया है। फिर भी, तालिबान ने सार्वजनिक रूप से भारत के खिलाफ कोई कठोर बयानबाज़ी नहीं की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वे भारत-पाक संघर्ष से दूर रहना चाहते हैं।

भारत-अफगानिस्तान के व्यापारिक रिश्ते

भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापारिक संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक आधारों पर आधारित हैं। दोनों देशों के रिश्ते न केवल सरकारों के बीच हैं, बल्कि जनता से जनता तक गहरी मित्रता और सहयोग की भावना भी इनमें शामिल है। अफगानिस्तान भारत के लिए मध्य एशिया और ईरान के बीच एक महत्त्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है, जबकि भारत अफगानिस्तान के लिए एक विश्वसनीय साझेदार और निवेशक रहा है।भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है, जब सिल्क रूट (रेशम मार्ग) के माध्यम से वस्त्र, मसाले, सूखे मेवे और अन्य सामानों का आदान-प्रदान होता था। आधुनिक समय में, विशेष रूप से 2001 के बाद तालिबान शासन के पतन के बाद, भारत ने अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास में बड़ी भूमिका निभाई है। भारत और अफगानिस्तान के व्यापारिक रिश्ते केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय आधारों पर टिके हुए हैं। यह संबंध भविष्य में और अधिक प्रगाढ़ हो सकते हैं, बशर्ते क्षेत्रीय स्थिरता और कूटनीतिक सहयोग को प्राथमिकता दी जाए।

व्यापारिक चुनौतियाँ

1. **भौगोलिक अवरोध**

भारत और अफगानिस्तान की सीमाएँ सीधे नहीं जुड़ी हैं, क्योंकि पाकिस्तान बीच में है। पाकिस्तान के कारण व्यापार मार्गों में बाधा आती है, जिससे अफगान वस्तुएँ भारत तक सुगमता से नहीं पहुँच पातीं।

2. **चाबहार पोर्ट का विकल्प**

पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध करने की स्थिति में भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह का विकास किया है, जो अफगानिस्तान तक पहुँचने का वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है।

3. **राजनीतिक अस्थिरता** : तालिबान शासन के बाद भारत-अफगान व्यापार में अनिश्चितता आई है। हालांकि भारत ने हाल ही में मानवीय सहायता फिर से शुरू की है, लेकिन व्यापारिक स्तर पर पुराना विश्वास और ढाँचा फिर से बनना अभी बाकी है।

दिल्ली को तालिबान को क्यों साधना पड़ा?

अफगानिस्तान में भारत की 3 अरब डॉलर से ज़्यादा की परियोजनाओं को सुरक्षित रखना।

सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए - जैसे अफगानिस्तान से संचालित हो सकने वाले आतंकी समूहों का खतरा।

क्षेत्र में अपनी रणनीतिक उपस्थिति बनाए रखना, विशेषकर चीन और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव के बीच।

अफगान जनता के साथ अपने ऐतिहासिक संबंध बनाए रखना।

वर्तमान स्थिति और भविष्य

तालिबान के सत्ता में आने के बाद भारत और अफगानिस्तान के व्यापारिक संबंधों में अस्थायी ठहराव आया, लेकिन मानवीय सहायता और सीमित व्यापारिक आदान-प्रदान जारी है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर अफगानिस्तान का रुख ऐतिहासिक अनुभवों, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्धारित होता है। अफगानिस्तान यह समझता है कि क्षेत्रीय शांति उसके विकास और स्थिरता के लिए आवश्यक है, इसलिए वह किसी भी संघर्ष से दूरी बनाकर, शांति और सहयोग की नीति अपनाने की कोशिश करता है।वहीं दिल्ली ने तालिबान को सीधे मान्यता दिए बिना, संवाद और मानवीय सहायता के माध्यम से एक संतुलित और व्यावहारिक नीति अपनाई है। भारत ने यह समझदारी दिखाई कि बदलते भू-राजनीतिक हालात में संवाद और कूटनीति से ही दीर्घकालीन हित साधे जा सकते हैं। तालिबान को साधना आसान नहीं था, लेकिन दिल्ली ने अपनी 'स्मार्ट डिप्लोमेसी' से यह दिखा दिया कि वह हर परिस्थिति में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

अहसान फरामोश तुर्की का हर भारतीय करेगा बायकाट!

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत और तुर्की के बीच वर्षों से चल रहे व्यापारिक और रणनीतिक संबंध अब खात्मे की ओर चल पड़े हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद केंद्र सरकार ने तुर्की की कंपनियों से जुड़े सभी समझौते और परियोजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। भारत में निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, एविएशन, मेट्रो रेल और आईटी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय तुर्की की कंपनियों की भूमिका को दोबारा परखा जा रहा है। यह कदम तुर्की के कश्मीर मुद्दे पर बार-बार टिप्पणी और पाकिस्तान के साथ उसकी बढ़ती निकटता के मद्देनजर उठाया गया है।

हाल ही में भारत सरकार के आपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और तुर्की ने किस तरह पाकिस्तान का साथ दिया, इससे समूचा भारतीय समाज उद्वेलित हुआ है क्योंकि 14 वीं शताब्दी से भारत और तुर्की के बीच दोस्ताना ताल्लुकात रहे हैं तुर्की में भूकंप की आपदा के समय भारत ने सबसे आगे बढ़ कर तुर्की की सहायता की लेकिन तुर्की हद दर्जे का बेईमान और अहसान फरामोश निकला। आपरेशन सिंदूर के जबाव में तुर्की और चीन निर्मित ड्रोनों का भरपूर इस्तेमाल पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए किया लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उन सभी ड्रोनों और मिसाइलों की हवा निकाल दी। अभी भी पाकिस्तान द्वारा दागी गईं चीनी और तुर्की के मिसाइलों और ड्रोनों के नष्ट टुकड़े भारत में मौजूद हैं।दावा यह भी है कि तुर्की के प्रशिक्षित लोगों ने पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए भारत पर हमला किया और दो तुर्की भारत की कार्रवाई मे मारे भी गए। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया है लेकिन चीन और तुर्की के अलावा एक और देश अजरबैजान का चेहरा बेनकाब हो गया है, जिसने मजहबी भाईजान बनकर पाकिस्तान का समर्थन किया था।इन देशों की अर्थव्यवस्था में भारत का बड़ा योगदान है। चीन जहां भारत में अपने सस्ते माल बेचकर बड़ी कमाई करता है, वहीं तुर्की और अजरबैजान भारतीय पर्यटकों से गाढ़ी कमाई करता है। यानी ये देश कमाई भारत से करते हैं लेकिन उसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ कर रहे हैं। ऐसे में भारतीयों ने अब इनका विरोध करना शुरू कर दिया है।

व्यापारियों के संगठन, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स(कैट) ने भी भारतीय व्यापारियों और नागरिकों से मौजूदा शत्रुता के बीच पाकिस्तान का खुला समर्थन करने के जवाब में तुर्की और अजरबैजान की यात्रा का पूरी तरह से बहिष्कार करने का आह्वान किया है। पाकिस्तान का साथ देना तुर्की को भारी पड़ता नजर आ रहा है. भारत में बायकॉट तुर्किए की मुहिम तेज हो गई है और इसका असर भी दिखने लगा है. एक ओर जहां व्यापारियों ने तुर्की सेव का बहिष्कार शुरू किया है, तो ट्रैवल प्लेटफॉर्मों ने तुर्की, अजरबैजान की यात्रा न करने की अपील की है.वहीं भारत की प्रतिष्ठित जेएनयू विवि ने भी तुर्की के साथ शैक्षिक सहयोग बंद करने का फैसला किया है।

2024 में 300000 पर्यटक अकेले भारत से 2024 तुर्की में करीब 62.2 मिलियन विदेशी पर्यटक आए, जिनमें से करीब 300,000 पर्यटक अकेले भारत से आए। यह 2023 की तुलना में भारतीय पर्यटकों में 20.7 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। व्यापारिक निकाय ने कहा कि तुर्की का कुल पर्यटन राजस्व 61.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें प्रत्येक भारतीय पर्यटक औसतन 972 अमेरिकी डॉलर खर्च करता है, जो कुल अनुमानित भारतीय व्यय 291.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।

अगर भारतीय पर्यटक तुर्की का बहिष्कार करते हैं, तो देश को लगभग 291.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, भारतीय शादियों, कॉर्पोरेट कार्यक्रमों और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के रद्द होने से अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक नुकसान और भी अधिक होगा। तुर्की ने भारत के खिलाफ अपना रंग तब दिखाया है, जब दो साल पहले ही वहां विनाशकारी भूकंप के दौरान भारत ने दिल खोलकर उसकी मदद की थी। तुर्की की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 12 फीसदी है।

अज़रबैजान के बारे में भी आंकड़े बता रहे हैं कि 2024 में देश में लगभग 2.6 मिलियन विदेशी पर्यटक आए, जिनमें से लगभग 250,000 भारतीय थे। एक भारतीय पर्यटक द्वारा औसत खर्च लगभग 1,276 अमेरिकी डॉलर है, जिससे कुल भारतीय योगदान लगभग 308.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। उन्होंने कहा कि इसलिए भारतीय पर्यटकों द्वारा बहिष्कार से इस परिमाण का सीधा नुकसान हो सकता है।चूंकि भारतीय यात्री मुख्य रूप से छुट्टियों, शादियों, मनोरंजन और साहसिक गतिविधियों के लिए अज़रबैजान जाते हैं, इसलिए बड़े पैमाने पर गिरावट इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय आर्थिक मंदी का कारण बन सकती है। यह आर्थिक दबाव तुर्की और अज़रबैजान दोनों को भारत के प्रति अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप सांस्कृतिक आदान-प्रदान में कमी आएगी और दोनों देशों में स्थानीय व्यवसायों जैसे होटल, रेस्तरां, टूर ऑपरेटर और अन्य पर्यटन-संबंधी सेवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अज़रबैजान की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 10 फीसदी है।

भारत में जबरदस्त गुस्सा देखने को मिल रहा है और बायकॉट तुर्किए मुहिम तेज हो गई है. इसका असर भी दिखा है, जहां व्यापारियों ने तुर्की से सेब खरीदना बंद कर दिया है, तो काफी हद तक पर्यटन पर निर्भर तुर्की के लिए कई ट्रैवल एजेंसियों ने भी ट्रैवल पैकेज रद्द कर दिए हैं. ट्रैवल प्लेटफॉर्म ईजमायट्रिप ने देश पहले व्यापार बाद में का नारा बुलंद किया है और यात्रियों को पाकिस्तान का समर्थन करने वाले देशों की यात्रा न करने की सलाह दी है।

आपको बता दें कि भारतीय मार्केट में मौजूद तुर्किए के बड़े-बड़े ब्रांड्स की लिस्ट लंबी है. फर्नीचर से लेकर पर्सनल केयर तक, होम अप्लायंस से लेकर सेब तक बेचे जा रहे हैं. तुर्की कालीन, तुर्किए फर्नीचर, टर्किश चीनी मिट्टी की चीजें, बुना हुआ कपड़ा, सिरेमिक टाइल्स, चेरी, ड्राय फ्रूट्स, ऑलिव ऑयल के लिए भारत एक बड़ा बाजार है। जिस पर बेहद बुरा असर पड़ने की उम्मीद है। भारत और तुर्की के बीच वर्षों से चल रहे व्यापारिक और रणनीतिक संबंध अब खात्मे की ओर चल पड़े हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद केंद्र सरकार ने तुर्की की कंपनियों से जुड़े सभी समझौते और परियोजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। भारत में निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, एविएशन, मेट्रो रेल और आईटी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय तुर्की की कंपनियों की भूमिका को दोबारा परखा जा रहा है। यह कदम तुर्की के कश्मीर मुद्दे पर बार-बार टिप्पणी और पाकिस्तान के साथ उसकी बढ़ती निकटता के मद्देनजर उठाया गया है। जाहिर है आगामी दिनों मे तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार से उन्हें बेहद आर्थिक नुकसान होगा और यही एक अहसान फरामोश मुल्क को सजा देने की शुरुआत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राष्ट्र के सम्मान को आहत करता विजय शाह का बयान

नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग मंत्री विजय शाह का बयान देश की राष्ट्रीय अस्मिता को कलंकित करने वाला है, राष्ट्र के सम्मान को आहत करने वाला है, जिस भारतीय सेना की कर्नल सौफ़िया कुरैशी ने आपरेशन सिंदूर के दौरान राष्ट्र का मस्तक ऊँचा उठाया हो, ऐसे सैन्य अधिकारी के खिलाफ सार्वजनिक मंच से अपने बयान मे उन्हें आंतकवादियों की बहन बताने का जो घृणित पाप किया है, वह पुरे देश को आहत कर गया। जब राष्ट्र आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान मे जाकर आंतकवादियों की पनाहगाहों को नेस्तनाबूत करने का जश्न मना रहा था, राष्ट्र की बेटी कर्नल सौफ़िया कुरैशी ने जब दुनियाँ को भारत के सधे क़दमों से आंतकवाद के खिलाफ सैन्य कार्यवाही से अवगत कराया तब सारे भारत का मस्तक गर्व से ऊँचा उठ गया था, सौफ़िया व्योमिका की जुगलबंदी आपरेशन सिंदूर के घटनाक्रमों से देश दुनियाँ को अवगत करा रहे थे, भारत इस दौरान अपनी राष्ट्रीय एकता के दर्शन से भी दुनियाँ को वाकिफ करा रहा था। भारत की इस बेटी कर्नल सौफ़िया के विरुद्ध एमपी सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री, 8 बार के विधायक विजय शाह का बयान शर्मसार करने वाला है, इस मंत्री ने अपने भाषण मे कर्नल सौफ़िया कुरैशी पर जो टिप्पणी की है वह देश को नागवार गुजरी सोशल मिडिया पर मंत्री के इस बयान की कढ़ी आलोचना देखने को मिली। एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इस पर अपनी सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा विजय शाह की मंत्री पद से बर्खास्तगी एवं एफआईआर तुरंत होना चाहिए क्योंकि उन्होंने पुरे देश को लज्जित किया है। प्रदेश मे कांग्रेस संगठन ने भी मुखर विरोध दर्ज कराया तथा एफआईआर और बर्खास्तगी की मांग करते हुए शाह के बयान को राष्ट्र विरोधी बताया।

मप्र हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर मंत्री विजय शाह के विरुद्ध सख्त टिप्पणी करते हुए एफआईआर दर्ज कराने को लेकर डीजीपी को निर्देशित किया, बुधवार रात एमपी के मानपुर थाने मे विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गयी। एफआईआर के बाद प्रदेश ही नहीं सम्पूर्ण देश से एक स्वर मे मंत्री विजय शाह की बर्खास्तगी की मांग की जा रही है,

बदजुबान मंत्री सुप्रीम कोर्ट की कठोर टिप्पणीयों के उपरांत भी मंत्री अपने पद पर बने हुए है। प्रदेश सरकार भी सख्त रुख नहीं अपना पा रही है।

अपनी बदजुबानी के लिये कुख्यात मंत्री विजय शाह ने सावजनिक मंच से जो कहा वह एक संवैधानिक पद पर बैठे प्रदेश के मंत्री को शोभा नहीं देता। उनकी टिप्पणी सेना और राष्ट्र के मनोबल को कमजोर करने वाली है, ऐसे समय ज़ब भारत देश आंतकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ रहा हो तब प्रदेश के किसी मंत्री का उक्त बयान असहनीय, पीड़ादायी और राष्ट्रविरोधी माना जाना चाहिए। होना तो यह चाहिए था की मंत्री के बयान के तुरंत बाद प्रदेश की सरकार के मुखिया ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराना चाहिए थी, उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए था। किंतु प्रदेश की सरकार ने रिपोर्ट दर्ज कराने का साहस नहीं दिखाकर जनभावना का अपमान किया है। जनभावना को समझकर राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक प्रावधानों की रक्षार्थ मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने स्वतः सज्ञान लेकर प्रदेश के डीजीपी को तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराने का सख्त निर्देश दिया। देश के सुप्रीम कोर्ट ने भी एमपी के उच्च न्यायालय के आदेश को उचित मानते हुए मंत्री को फटकार लगाई। मप्र उच्च न्यायालय के निर्देश के पालन मे मानपुर थाने मे एफआईआर दर्ज की गयी। एमपी हाई कोर्ट का उक्त आदेश सम्पूर्ण भारतवासियों के मन मे न्यायपालिका के प्रति विश्वास बढ़ाने वाला प्रतीत हो रहा है। आपरेशन सिंदूर के दौरान मध्यप्रदेश के नागरिक इसलिए भी गौरव से भरे हुए थे, जब उन्हें यह सूचना मिली की आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा आंतकवादियों की शरणस्थली पाकिस्तान मे जाकर आंतक के ठिकानों को बर्बाद कर दिया गया है। भारत की सैन्य कार्यवाहीयों को दुनियाँ के समक्ष रखने की जवाबदेही निभाने वाली कर्नल सौफ़िया की प्रारम्भिक शिक्षा एमपी के छतरपुर के नौगाँव मे अपने चाचा के यहां हुई है। प्रदेश की जनता की इस गौरव पूर्ण अनुभूति को जमीन पर आने से पूर्व विजय शाह के राष्ट्र विरोधी और असंवैधानिक बयान ने जैसे काफूर कर दिया हो, राष्ट्रीय स्तर पर विजय शाह ने एमपी को बदनाम कर दिया है। उनका यह कृत्य कतई माफ़ी योग्य नहीं है, उन्होंने मंत्री पद पर बने रहने का अधिकार भी खो दिया है, राज्य की मोहन सरकार को चाहिए ऐसे बदजुबान मंत्री को अपने पद से तत्काल बर्खास्त करें। इस संबंध मे देरी करना जनभावनाओं का अनादार होगा।

देश के नेताओं, आमजनों को यह याद रखना चाहिए की देश की सेना जब आंतकवाद के खिलाफ निर्यायक लड़ाई लड़ रही हो, तब राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने वाले बयानों से बचना चाहिए। संवैधानिक पदों पर काबिज नेताओं की जवाबदेही ऐसे समय अधिक बढ़ जाती है, कर्नल सौफ़िया कुरैशी आपरेशन सिंदूर के दरमियान राष्ट्रीय चेहरा बनकर राष्ट्र का गौरव बन गयी, देश की जनता के मन मे भारत की सेना, राष्ट्रीय प्रतिक और राष्ट्रीय गौरव के लिये सम्मान है, अपनी अनर्गल टिप्पणीयों से इसे आहत करने का अधिकार किसी को भी नहीं है। मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री विजय शाह ने अपने बयान से मध्य प्रदेश को लज्जित किया है, जिससे जनभावनाओं आहत हुई है। राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर राजनीति नहीं होना चाहिए। देश के बाहरी दुश्मन से निपटने मे तो देश की सेना समक्ष है। भारत की मजबूती और महाशक्ति बनने के लिये आंतरिक मजबूती की बहुत आवश्यकता है। भारत की महानता उसकी राष्ट्रीय एकता है। आपरेशन सिंदूर के समय भारत की राष्ट्रीय एकता को विश्व ने देखा। एमपी के मंत्री विजय शाह की टिप्पणी हमारी राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने वाली है। राष्ट्र की राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने का हक़ किसी को भी नहीं है।

आईएएस-आईपीएस अधिकारी और सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

प्रियंका सौरभ

आज के डिजिटल युग में आईएएस और आईपीएस अधिकारी सिर्फ सरकारी दफ्तरों तक सीमित नहीं रह गए हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर उनकी उपस्थिति न केवल लोकप्रियता का एक नया पैमाना बन गई है, बल्कि जनता से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम भी बन गई है। दीपक रावत, अभिषेक पल्लव, सृष्टि देशमुख, टीना डाबी और सोनल गोयल जैसे अधिकारी इस बदलते परिदृश्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये अधिकारी न केवल अपने प्रशासनिक कार्यों के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि लाखों की संख्या में फॉलोअर्स से भी जुड़े हुए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह लोकप्रियता उनकी सरकारी जिम्मेदारियों के साथ तालमेल बैठा पाती है?

> डिजिटल युग में सरकारी अधिकारी सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यह मंच जनता से सीधे जुड़ने, नीतियों की जानकारी देने और जागरूकता फैलाने का सशक्त माध्यम है। हालांकि, व्यक्तिगत ब्रांडिंग और निजता के उल्लंघन की चुनौती भी है। वर्तमान में स्पष्ट दिशा-निर्देशों की कमी से पारदर्शिता और जिम्मेदारी का संतुलन प्रभावित हो रहा है। जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार और स्पष्ट गाइडलाइंस की जरूरत है, ताकि अधिकारियों की पहचान व्यक्तिगत लोकप्रियता से अधिक उनके प्रशासनिक कर्तव्यों से बनी रहे।

सोशल मीडिया की शक्ति और जोखिम

सोशल मीडिया का प्रमुख आकर्षण उसकी व्यापक पहुंच और त्वरित संवाद क्षमता है। अधिकारियों के लिए यह जनता तक सीधे पहुँचने, नीतियों की जानकारी देने और जागरूकता फैलाने का एक सशक्त माध्यम हो सकता है। उदाहरण के लिए, दीपक रावत अपने छापामार अभियानों और निरीक्षणों के वीडियो के जरिए जनता में प्रशासनिक पारदर्शिता का संदेश देते हैं। उनका यूट्यूब चैनल 'दीपक रावत आईएएस' पर लाखों फॉलोअर्स हैं, जहाँ वे स्कूल बस चेकिंग, पॉलिथीन गोदामों पर छापेमारी और सफाई निरीक्षण जैसे अभियानों की वीडियो साझा करते हैं। इससे जनता में प्रशासन की छवि मजबूत होती है, लेकिन इससे जुड़े कई नैतिक और कानूनी प्रश्न भी हैं।

लोकप्रियता के चक्कर में निजता का हनन : अक्सर देखा जाता है कि इन अभियानों के वीडियो में आम नागरिकों की पहचान और निजी जानकारी भी अनजाने में सार्वजनिक हो जाती है। उदाहरण के तौर पर, अभिषेक पल्लव जैसे अधिकारी जब सड़क पर किसी वाहन चालक को फटकार लगाते हैं, तो उस व्यक्ति की निजता का हनन हो सकता है। यह सिर्फ नैतिक सवाल नहीं है, बल्कि कानूनी चुनौतियाँ भी खड़ी कर सकता है। यह मुद्दा और गंभीर हो जाता है जब आम नागरिकों के निजी क्षण कैमरे में कैद होकर लाखों लोगों तक पहुँचते हैं। क्या यह अधिकारियों की जिम्मेदारी नहीं है कि वे इस तरह के वीडियो पोस्ट करने से पहले सावधानी बरतें?

ब्यूरोक्रेसी का मूल सिद्धांत और सोशल मीडिया : दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर विजेंद्र चौहान के अनुसार, 'ब्यूरोक्रेसी का सबसे प्रमुख सिद्धांत एनोनिमिटी यानी गुमनामी है। अधिकारी पद से जुड़े होते हैं, न कि व्यक्तिगत ब्रांड से।' इस सिद्धांत के अनुसार, सरकारी अधिकारी का काम व्यक्तिगत प्रचार से अधिक उसके पद की जिम्मेदारियों को निभाना है। लेकिन सोशल मीडिया पर बढ़ती उनकी सक्रियता इसे चुनौती देती है। हाल के वर्षों में, खासकर कोरोना काल के बाद, अधिकारियों की लोकप्रियता बढ़ी है। एक ओर जहाँ वे जनता के साथ सीधे संवाद कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके व्यक्तिगत ब्रांड का निर्माण भी हो रहा है।

नियमों की कमी और विवाद : फिलहाल, भारत में सरकारी अधिकारियों के सोशल मीडिया उपयोग के लिए कोई स्पष्ट और कठोर दिशा-निर्देश नहीं हैं। केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली इसे सामान्य रूप से नियंत्रित करती है, लेकिन इसका अनुपालन अक्सर कमजोर रहता है। हाल ही में, मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ने प्रशिक्षु अधिकारियों के सोशल मीडिया उपयोग पर दिशा-निर्देश जारी किए, लेकिन ये केवल प्रशिक्षण अवधि तक सीमित हैं। इसी तरह, उत्तर प्रदेश पुलिस ने भी अपने कर्मियों के लिए सोशल मीडिया गाइडलाइंस जारी की हैं, जिनमें वर्दी पहनकर वीडियो न बनाने और ड्यूटी के समय सोशल मीडिया का उपयोग न करने की सख्त हिदायतें दी गई हैं।

सकारात्मक उपयोग की संभावनाएँ : आईएएस अधिकारी इरा सिंघल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से सामाजिक संदेश देने, महिलाओं को प्रेरित करने और छात्रों की काउंसलिंग के लिए किया है। वे कहती हैं, 'अगर आप सोशल मीडिया को अच्छे काम के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।' वे अपने फॉलोअर्स के साथ परीक्षा तैयारी, करियर मार्गदर्शन और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा करती हैं। यह दिखाता है कि सोशल मीडिया केवल व्यक्तिगत लोकप्रियता का साधन नहीं है, बल्कि एक सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम भी हो सकता है। सोशल मीडिया का प्रभाव निस्संदेह बढ़ता जा रहा है, लेकिन इसके उपयोग में संतुलन और संयम भी आवश्यक है। सरकारी अधिकारियों को अपनी पहचान व्यक्तिगत लोकप्रियता से अधिक उनके प्रशासनिक कर्तव्यों से बनानी चाहिए। वरना, यह डिजिटल चमक कई बार वास्तविक कर्तव्यों की छाया में दबकर रह सकती है। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि जनता का विश्वास और सम्मान केवल लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उनकी पारदर्शिता, निष्ठा और निष्पक्षता से जुड़ा होता है। यदि इस शक्ति का जिम्मेदारी से उपयोग किया जाए, तो यह न केवल उनकी प्रशासनिक क्षमता को मजबूत करेगा, बल्कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव का भी मार्ग प्रशस्त करेगा। कुल मिलाकर, डिजिटल युग में, यह संतुलन ही उनकी सच्ची पहचान और जिम्मेदारी का प्रमाण बनेगा।

आगे का रास्ता

अधिकारियों को यह समझने की जरूरत है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल एक साधन है, न कि स्वयं एक लक्ष्य। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी डिजिटल गतिविधियाँ उनकी सरकारी जिम्मेदारियों और आचार संहिता के अनुरूप हों। इसके लिए, सरकार को भी स्पष्ट दिशा-निर्देश तैयार करने चाहिए ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। सोशल मीडिया का प्रभाव निस्संदेह बढ़ता जा रहा है, लेकिन इसके उपयोग में संतुलन और संयम भी आवश्यक है। सरकारी अधिकारियों को अपनी पहचान व्यक्तिगत लोकप्रियता से अधिक उनके प्रशासनिक कर्तव्यों से बनानी चाहिए। वरना, यह डिजिटल चमक कई बार वास्तविक कर्तव्यों की छाया में दबकर रह सकती है। कुल मिलाकर, सोशल मीडिया पर सक्रियता के इस नए युग में, सरकारी अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत छवि के बीच एक संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि वे न केवल लोकप्रिय हों, बल्कि प्रभावी और जिम्मेदार प्रशासक भी बने रहें।

पब्लिक एशिया : पत्र पंजीकरण संख्या : 49329/1989, स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश वत्स ने पब्लिक एशिया E-33, सेक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित कराया व 302, ||| फ्लोर नेशनल आर्केट बिल्डिंग एल.एस.सी. गाजीपुर दिल्ली 96 से प्रकाशित किया है। संपादकीय कार्यालय : 302 ||| फ्लोर नेशनल आर्केट बिल्डिंग एल.एस.सी. गाजीपुर दिल्ली-96 | मुख्य कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस 686 जी, न्याय खंड-2, इन्द्रापुरम, गाजियाबाद (उ.प्र.), Mob. 9891945513, Web-www.publicasia.in, E-mail ID: publicasia1989@gmail.com

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

योगी सरकार की न्यू हेल्थ पॉलिसी से डेवलप होगा वर्ल्ड क्लास हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में निजी निवेश को बताया स्वास्थ्य सेवा सुधार का नया मॉडल

- अगले पांच वर्षों के लिए लागू होगी नई स्वास्थ्य नीति, निजी निवेशकों को मिलेगी कई सुविधाएं
- योगी सरकार निवेशकों को स्टांप में छूट, रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध कराने समेत देगी अन्य सुविधाएं
- तीन मॉडल ए, बी और सी पर आधारित होगी नई स्वास्थ्य पॉलिसी
- नगर निगम और 57 जिला मुख्यालय में स्थापित किये जाएंगे 200-200 बेड के सुपर-स्पेशियलिटी हास्पिटल
- प्रदेश के सभी 75 जिलों के ग्रामीण इलाकों और पिछड़ों क्षेत्रों में स्थापित किए जाएंगे 100-100 बेड के अस्पताल

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)।

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए नई स्वास्थ्य नीति तैयार कर रही है। इसके जरिये यूपी में स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेशकों को आकर्षित कर शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण इलाकों में उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के ढ़ाचे को विकसित करना है तााकि ग्रामीण और छोटे शहरों के मरीजों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। यह नीति अगले पांच वर्षों के लिए लागू होगी। योगी सरकार जल्द ही नई स्वास्थ्य नीति पर कैबिनेट में मोहर लगा सकती है।

नई नीति से सुपर स्पेशियलिटी, न्यूरोसर्जरी, कार्डियोलॉजी समेत अन्य सुविधाओं का होगा विस्तार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में सीएम योगी ने प्रदेश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को वर्ल्ड क्लास बनाने के निर्देश दिये थे। इस पर अधिकारियों ने बताया था कि वह नई हेल्थ पॉलिसी पर विचार कर रहे हैं। सीएम योगी ने अधिकारियों को प्रदेश के शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए नई हेल्थ पॉलिसी तैयार करने पर मुहर लगा दी ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेशकों को आकर्षित किया जा सके। सीएम योगी ने बैठक में कहा था कि हमारा उद्देश्य केवल इलाज नहीं बल्कि बेहतर जीवन देना है। हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवा मिले, यह सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए हम निजी क्षेत्र को भागीदार बना रहे हैं, ताकि स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार, निवेश और समावेशन को बढ़ावा दिया जा सके।

योगी सरकार नई स्वास्थ्य नीति के माध्यम से प्रदेश में सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाओं, न्यूरोसर्जरी, कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी जैसी उच्चस्तरीय उपचार हर जिले में उपलब्ध कराएगी। इसके साथ ही निजी अस्पतालों को सरकारी योजनाओं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत डिजिटल आदि से जोड़ा जाएगा।

निवेशकों को स्टांप ड्यूटी और जमीन खरीद में छूट समेत अन्य सुविधाएं दी जाएंगी

नई नीति में निवेशकों को निजी क्षेत्र को भूमि खरीद में स्टाम्प ड्यूटी में 100 प्रतिशत तक की छूट, बिजली कनेक्शन में प्राथमिकता, अस्पतालों को जल्द अनुमोदन (एनओसी) की सुविधा दी जाएगी। वहीं अस्पतालों की स्थापना के लिए भूमि विकास प्राधिकरण या सरकारी एजेंसियों द्वारा रियायती दर पर दी जाएगी। नीति के तहत नए अस्पतालों में नर्सिंग, पैरामेडिकल और डॉक्टरों की नियुक्ति में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। योगी सरकार का यह कदम न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार लाएगा बल्कि युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराएगा। मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों से निकले छात्रों को इन संस्थानों से जोड़ने की व्यवस्था की जाएगी। सीएम योगी ने बैठक में कहा कि नई स्वास्थ्य नीति को जल्द से जल्द तैयार करके उपलब्ध कराएं ताकि कैबिनेट में प्रस्ताव रखकर इस पर मुहर लगायी जा सके। उन्होंने निर्देश दिये कि नई नीति की स्वीकृति मिलते ही अगले तीन माह में कम से कम 20 जिलों में अस्पतालों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगा।

मॉडल ए, बी और सी पर आधारित होगी नई नीति...

नई स्वास्थ्य नीति तीन मॉडल क्रमशः ए, बी और सी मॉडल पर आधारित होगी। इसमें ए मॉडल में 17 नगर निगम क्षेत्र शामिल होंगे, जिसमें नोएडा और ग्रेटर नोएडा भी होगा। इन क्षेत्रों में कम से कम 200 बेड वाले कम से कम तीन सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों की स्थापना के लिए निजी निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। यहां पर कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, रेडिएशन संबंधित सुविधाओं के साथ आंकोलॉजी और प्रसूति एवं स्त्री रोग समेत अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। वहीं मॉडल बी के तहत 57 जिला मुख्यालय में 200 बेड के अस्पतालों की स्थापना की जाएगा। यहां पर भी मॉडल ए की सभी सुविधाएं मरीजों को मिलेंगी। इसके अलावा मॉडल सी के तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में 100 बेड वाले अस्पतालों की स्थापना की जाएगी। यहां पर मरीजों को सामान्य चिकित्सा, सामान्य शल्य चिकित्सा और प्रसूति एवं स्त्री रोग आदि की सुविधा मिलेगी।

प्रदेश में समावेशी शिक्षा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही योगी सरकार

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)।

लखनऊ। शारीरिक रूप से अक्षम व आंशिक मंदबुद्धि बच्चों को शिक्षा आमतौर पर अलग विद्यालय व अलग पद्धति से दी जाती है। अभिभावक अपने ऐसे बच्चे को प्रतिष्ठित स्कूल में सामान्य बच्चों के साथ पढ़ाने का सपना नहीं देख सकते। मगर, अब वे सपना ही नहीं देख सकते, बल्कि उसे पूरा भी कर सकते हैं। योगी सरकार की यही कोशिश है, समावेशी शिक्षा, जिसमें बच्चे पूर्णतः स्वस्थ हों या शारीरिक अथवा मानसिक विकलांगता से पीड़ित, एक ही छत के नीचे उन्हें एक साथ शिक्षा देना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के दिव्यांग छात्रों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें समान अवसर प्रदान करने के लिए समावेशी शिक्षा प्रणाली को नए आयाम दे रही है।

योगी सरकार प्रदेश में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के सात जनपदों—औरैया, लखनऊ, कन्नौज, प्रयागराज, आजमगढ़, बलिया और महराजगंज में समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय संचालित कर रही है। जहां दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, अस्थिबाधित और सामान्य छात्र एक ही परिसर में समान रूप से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन विद्यालयों में कुल 325 विद्यार्थियों का पंजीकरण हो चुका है और ये सभी छात्र एक समावेशी, प्रेरणादायी और संवेदनशील शैक्षणिक वातावरण में पढ़ाई कर रहे हैं। योगी सरकार का स्पष्ट मानना है कि केवल अलग से स्कूल खोलने से नहीं, बल्कि समान मंच पर शिक्षा देकर ही दिव्यांग छात्रों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है।

आधुनिक सुविधाओं से लैश किए जा रहे समेतिक विद्यालय...

इन विद्यालयों में विशेष शिक्षक, स्पेशल एजुकेशन उपकरण, ब्रेल लिपि की सामग्री, श्रवण यंत्र, रैम्प, व्हीलचेयर और अन्य सहायक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही सामान्य छात्रों के साथ संवाद, सहयोग और साझा गतिविधियों के माध्यम से यह प्रयास किया जा रहा है कि बच्चों के बीच भेदभाव की दीवार पूरी तरह समाप्त हो। योगी सरकार का यह प्रयास केवल संचालन तक सीमित नहीं है।

गाजियाबाद में एक नया समेकित विशेष विद्यालय प्रक्रियाधीन है, जबकि मीरजापुर, एटा, प्रतापगढ़, वाराणसी और बुलन्दशहर में निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इसका उद्देश्य है कि प्रदेश के हर क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए गुणवत्तापूर्ण माध्यमिक शिक्षा सुलभ हो और वे अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि सम्मान और समान अवसर देना है। समेकित विद्यालयों के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी बच्चा पीछे न छूटे।

यूपी को जल्द ही 152 जीआई टैग उत्पादों वाला राज्य बनाएगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ज्योग्राफिकल इंडीकेशंस (जीआई) टैग उत्पादों की वृद्धि के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। देश में 77 जीआई टैग वाले उत्पादों के साथ उत्तर प्रदेश अव्वल है, मगर अब यूपी अपनी इस बढ़त को नए आयाम पर पहुंचाने जा रहा है। दरअसल, सीएम योगी के निर्देश पर एक कार्ययोजना को तैयार किया गया है जिसके जरिए प्रदेश में जीआई टैग वाले उत्पादों की संख्या में रिकॉर्ड स्तर के इजाफे की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। कार्ययोजना के अनुसार वर्ष 2025-26 में 75 अतिरिक्त जीआई उत्पादों को घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से 25 उत्पादों का आवेदन जीआई रजिस्ट्री (चेन्नई) में फाइल किया जा रहा है जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इस प्रकार, उत्तर प्रदेश जल्द ही देश में 152 जीआई टैग प्राप्त उत्पादों वाला पहला राज्य बन जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश के जीआई उत्पादों को लोकप्रिय बनाने, जागरूकता फैलाने तथा इसके यूजरबेस को बढ़ाने के लिए कई बड़े कदम उठाए जाएंगे।

प्रदेश में जीआई ऑथोराइज्ड यूजर बेस बढ़ाने पर फोकस ...

एमएसएमई विभाग द्वारा तैयार की जा रही कार्ययोजना में जीआई टैग वाले उत्पादों की संख्या बढ़ाने के साथ उनकी लोकप्रियता, जागरूकता और ऑथोराइज्ड यूजर बेस बनाने के लिए एक विस्तृत फ्रेमवर्क पर काम चल रहा है।

इसके अंतर्गत प्रदेश में जीआई टैग उत्पादों का ऑथोराइज्ड यूजर बेस बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक उद्यमियों को जोड़ने की तैयारी है। इन्हें बाकायदा ऑथोराइज्ड यूजर्स के तौर पर पहचान दी जाएगी। ये जीआई उत्पादों के उत्पादन के साथ ही उनको लोकप्रिय बनाने और अन्य उद्यमियों में जागरूकता प्रसार करने का माध्यम बनेंग। उल्लेखनीय है कि देश में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक जीआई टैग प्राप्त उत्पादों वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और महाराष्ट्र सबसे ज्यादा जीआई उत्पादों वाले राज्यों में शामिल हैं

एमएसएमई विभाग द्वारा प्रदेश में जीआई ऑथोराइज्ड यूजर्स का बेस बढ़ाने के जिस कार्य योजना पर कार्य जारी है उसमें जीआई एक्सपर्ट संस्था के साथ एमओयू अहम कड़ी साबित होगी। विभाग द्वारा इस दिशा में एक विशिष्ट जीआई एक्सपर्ट संस्था ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा एमओयू साइन करने की प्रक्रिया पर काम चल रहा है जिसे जल्द ही पूरा करने की तैयारी है।

आधे पानी में हो जाएगी सिंचाई, बढ़ जाएगा खेत का रकबा

- बेहतर होगा जमता एक साथ ही पकेगी फसल, उपज भी बढ़ जाएगी
- शर्त ये है कि आप लेजर लैंड लेवलर से खेत को लेवल कराएं
- योगी सरकार लेजर लेवलर पर दे रही 50 फीसद या अधिकतम दो लाख रुपए तक अनुदान
- खेत को लेवल करने की आधुनिक मशीन जीपीएस से है लैश

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)।

लखनऊ। "खेत का पानी खेत में", इसकी महत्ता से हर किसान वाकिफ है। दरअसल खेत में लंबे समय तक नमी बनी रहे। तेज बारिश के दौरान खेत के उपजाऊं मिट्टी की परत का अपरदन (इरोजन) न हो। खेती की जरूरत के बाद अवशेष पानी भूगर्भ में जाकर आसपास के ताल, पोखरों और कुओं के जलस्तर को बनाए रखे। मोटी मोटा खेत का पानी खेत में रखने की यही महत्ता है।

खेत का पानी खेत में ही रहे इसके लिए इसी सीजन में नियमित अंतराल पर कुछ जरूरी कृषि कार्य करने होते हैं। मसलन खेत की मजबूत और ऊंची मेडबंदी, गर्मी में गहरी जोताई। गहरी जोताई पर खेतीबाड़ी के संबंध सटीक पूर्वानुमान और सलाह देने वाले महाकवि घाघ ने कहा है, "जेतना गहिरा जोते खेत, बीज परे फल अच्छा देत।" मेडबंदी एवं गहरी जोताई के बाद तीसरी महत्वपूर्ण चीज है, खेत की लेवलिंग (समतलीकरण)। अमूमन किसान इस काम की अनदेखी करते हैं। जबकि कई वजहों से यह सबसे महत्वपूर्ण कृषि कार्यों में से एक है। 'लेजर लैंड लेवलर' (खेत को समतल कराने वाली आधुनिक मशीन) ने इसे आसान और प्रभावी कर दिया है।

योगी सरकार इस मशीन पर 50% या अधिकतम दो लाख रुपए तक का अनुदान भी दे रही है। साथ ही रबी और खरीफ के सीजन में होने वाली मंडलीय गोष्ठियों और खेतीबाड़ी से जुड़े अन्य कार्यक्रमों में विभाग के एक्सपर्ट्स इस बारे में किसानों को जागरूक भी कर रहे हैं।

इस आधुनिक मशीन से लेवल्ड खेत फुटबाल के एक अच्छे मैदान जैसा बराबर होगा। बराबर हुए आपके खेत की सिंचाई में सिर्फ आधा पानी लगेगा। मेड़ों एवं नालियों की संख्या कम होने से खेत का रकबा करीब 3-6 फीसद तक बढ़ जाएगा। आधुनिक कृषि यंत्रों (सीड ड्रिल, रेज्ड बेड आदि)का प्रयोग आसान एवं प्रभावी होने से घटी लागत में भी विभिन्न फसलों की उपज अच्छी खासी बढ़ जाएगी। मसलन धान की फसल की उपज करीब 61 फीसद और गन्ने एवं गेहूं की उपज क्रमशः 40 फीसद तक बढ़ सकती है।

जीपीएस सिस्टम से लैश होती है यह मशीन...

दरअसल खेत को लेवल करने की ये आधुनिक मशीन जीपीएस (ग्लोबल पोजिसनिंग सिस्टम) से लैश है। इससे निकलने वाली लेजर बीम को ट्रैक्टर में लगा संयंत्र प्राप्त करता है। इसी से चालक को खेत का लेवल पता चलता है। ट्रैक्टर के पीछे लगे बकेट सबसे ऊंची जगह से मिट्टी उठाता है और निचली जगहों को भरता जाता है।

प्रगतिशील किसान राममणि पांडेय के अनुसार, सारी दक्षता मशीन को सेट करने की है। एक बार मशीन सेट हो गई और चालक ने ट्रैक्टर के साथ पूरा खेत घूम लिया तो उसे पता चल जाएगा कि जमीन कहां कितनी ऊंची-नीची है। इसके बाद उसे सिर्फ इतना करना होगा कि सबसे ऊंची जगह से मिट्टी काटकर नीची जगह पर भरना होगा। समतल होने के बाद खेत खेल के किसी मैदान की तरह दिखेगा।

लाभ...

सिंचाई करने पर समतल खेत कम समय और पानी में समान रूप से संतृप्त होता है। खेत में बराबर नमी के नाते बीज का जमता एक साथ और अच्छा होता है। लिहाजा फसल भी एक साथ पकती (मैच्योर)है।

-जीरो सीड ड्रिल, रेज्ड बेड विधा से लाइन में बोआई आसान हो जाती है। फसल लाइन में होने से कीटों, रोगों और खरपतवारों का नियंत्रण आसान होता है।

-धान एवं गेहूं वाले फसलचक्र में 20 लाख हेक्टेयर खेत को अगर उक्त विधा से बराबर करें तो तीन वर्ष में 15 मिलियन हेक्टेयर पानी, 20000 लाख लीटर डीजल, और 500 किग्रा ग्रीन हाउस गैस की बचत।

बढ़ जाती यूरिया की क्षमता...

सस्ता होने के नाते अपने यहां किसानों की सबसे पसंदीदा खाद यूरिया है। सिंचाई के पहले या सिंचाई के बाद नमी की स्थिति में किसान इसका छिड़काव करते हैं। प्रवृत्ति के अनुसार जिधर की जमीन नीची रहती है, यूरिया उधर की ओर रिसती है। ऐसे में पूरे खेत के पौधों को समान रूप से यूरिया नहीं मिलती। लिहाजा पौधों का विकास भी बराबर नहीं होता। पूरी तरह बराबर खेत में यूरिया ही नहीं हर खाद एवं पोषक तत्व पौधों को समान रूप से मिलता है।

गंगा के मैदानी क्षेत्रों के लिए बेहद उपयोगी है यह तकनीक...

गंगा का सर्वाधिक बहाव क्षेत्र (बिजनौर से बलिया) उत्तर प्रदेश में ही आता है। गंगा के मैदानी क्षेत्रों के लिए नियमित अंतराल पर खेत की लेवलिंग और जरूरी है। उल्लेखनीय है कि धान-गेहूं इस क्षेत्र की मुख्य फसल है। उर्वर जमीन, भरपूर पानी और श्रम के नाते इस क्षेत्र में अब भी उपज बढ़ाने की भरपूर संभावना है। केंद्र सरकार भी मानती है कि दूसरी हरित क्रांति की शुरुआत इसी क्षेत्र से होगी। इसके मद्देनजर कई योजनाएं भी शुरू की गई हैं। संयोग से जलवायु के बदलाव का सर्वाधिक असर भी इसी क्षेत्र पर पड़ना है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के समन्वयक प्रोफेसर रहे डॉक्टर डीके सिंह के मुताबिक पानी की कमी से वर्ष 2050 तक भारत में खाद्यान्न की उपज करीब 28 फीसद तक घट सकती है। स्वाभाविक है कि इसका सर्वाधिक असर गंगा के मैदानी इलाकों पर ही पड़ेगा। जिस गति से ग्लैशियर पिघल रहे हैं उसके नाते हिमालय से निकलकर इस क्षेत्र को उर्वर बनाने वाली तमाम प्रमुख नदियों में साल भर भरपूर पानी नहीं रहेगा। कुछ तो सूख भी सकती हैं ऐसे में कम पानी एवं जमीन में उपज बढ़ाना जरूरी होगी और चुनौती भी। इस चुनौती का समाधान आधुनिक कृषि यंत्रों के प्रयोग, संसाधनों के बेहतर प्रयोग और किसानों को आधुनिक तकनीक के बारे में प्रशिक्षित करने से ही होगा। योगी सरकार ये सारे काम कर भी रही है। विश्व बैंक की मदद से संचालित यूपी एग्रीज योजना, सिंचन क्षमता में लगातार विस्तार, खेती बाड़ी में ड्रोन का प्रयोग, सिंचाई के अपेक्षाकृत दक्ष विधाओं (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर) को प्रोत्साहन एवं अनुदान इसका प्रमाण है।

श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक, श्रम कानून हो प्रो-इंडस्ट्री एवं प्रो-श्रमिक : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

उद्योगों का विस्तार ही हर हाथ को काम देने का वास्तविक माध्यम : मुख्यमंत्री

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब श्रम कानूनों को प्रो-इंडस्ट्री और प्रो-श्रमिक दोनों दृष्टियों से संतुलित बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रम कानूनों का सरलीकरण इस प्रकार किया जाए जिससे उद्योगों को सुविधा मिले, लेकिन यह भी सुनिश्चित हो कि श्रमिकों के शोषण या उनके साथ अमानवीय व्यवहार की कोई संभावना न रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि "हर हाथ को काम" देने के लिए हमें उद्योगों को सशक्त करना होगा। उद्योग बंद कर किसी को रोजगार नहीं दिया जा सकता, बल्कि उद्योगों का विस्तार ही अधिकाधिक रोजगार सृजन का माध्यम है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की स्थिति में श्रमिकों और उनके परिवारों को सुरक्षा मिले, इसके लिए उन्हें सम्मानजनक मानदेय और बीमा सुरक्षा कवच देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए राज्य सरकार का प्रयास है कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा श्रमिक-हितैषी और उद्योग समर्थ राज्य बनकर उभरे।

बाल श्रमिकों के पुनर्वास को दें गति...

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल श्रमिकों को केवल आजीविका से नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और स्पॉन्सर्ड स्कीम्स से जोड़ते हुए उनके पुनर्वासन की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया जाए। यह न केवल सामाजिक दायित्व है बल्कि भावी पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने का दायित्व भी है।

मॉडल के तौर श्रमिक अड्डों को करें विकसित...

मुख्यमंत्री ने श्रमिक अड्डों को मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए, जहां डोरमेट्री, शौचालय, पेयजल, कैंटीन और ट्रेनिंग सुविधाएं उपलब्ध हों।

उन्होंने कहा कि कैंटीन में श्रमिकों को 5-10 रुपये में चाय, नाश्ता और भोजन मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की स्किल मैपिंग कराकर न्यूनतम मानदेय की गारंटी व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह असंगठित कार्यबल को संगठित श्रम शक्ति में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।

विदेश में रोजगार के लिए भाषायी प्रशिक्षण अनिवार्य...

मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेश में रोजगार हेतु जाने वाले निर्माण श्रमिकों को न केवल तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाए, बल्कि गंतव्य देश की भाषा का भी प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए। यह उनकी कार्यक्षमता और सुरक्षा दोनों के लिए आवश्यक है।

निजी अस्पतालों को भी स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ें...

मुख्यमंत्री ने निर्देशित करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना की तर्ज पर निजी अस्पतालों को सीएसआईसी और ईएसआईएस से जोड़ा जाए। इससे संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

अटल आवासीय विद्यालय बनें गुणवत्ता का प्रतीक...

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अटल आवासीय विद्यालय को देशभर में मॉडल के रूप में उभरे हैं। उन्होंने अधिकारियों को इनकी निरंतर मॉनिटरिंग के माध्यम से गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निवेश मित्र पोर्टल पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें...

मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त 5,97,625 आवेदनों में से 5,90,881 को एनओसी दी जा चुकी है। शेष शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

श्रम विभाग की उपलब्धियां सराहनीय की...

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि आजादी के बाद से 2016 तक प्रदेश में 13,809 कारखाने पंजीकृत थे, जबकि पिछले 9 वर्षों में 13,644 नए कारखानों का पंजीकरण हुआ है। यह 99त्न की वृद्धि है। अधिकारियों ने आगे बताया कि भारत सरकार के बीआरएपी रिकमेंडेशन के क्रियान्वयन में श्रम विभाग को अचीवर स्टेट का दर्जा प्राप्त हुआ है। इन उपलब्धियों की मुख्यमंत्री ने सराहना करते हुए इसे अभूतपूर्व बताया।

मुख्य समाचार

19 मई को होगा रतिया में महाराज अग्रसेन हॉस्पिटल का शुभारंभ

प्रमुख समाजसेवी प्रवीण गर्ग होंगे मुख्य अतिथि

रतिया (सुनील कुमार) » अग्रवाल सभा रतिया द्वारा 19 मई को रतिया में महाराजा अग्रसेन जी के नाम से महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल का शुभारंभ

किया जा रहा है। जानकारी देते हुए अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद बंसल ने बताया कि रतिया में महाराजा अग्रसेन जी के नाम से हॉस्पिटल का शुभारंभ 19 मई को होगा जिसकी तैयारिया लगभग पूरी हो चुकी है। इस अस्पताल का शुभारंभ 19 मई दिन सोमवार को प्रातः 9 बजे रतिया के प्रमुख समाजसेवी प्रवीण गर्ग अपने कर कमलो से करेंगे। जिसमें क्षेत्र वासियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ दिल्ली व हिसार के बड़े हॉस्पिटलों में अपनी सेवाएं दे चुके एमडी डॉक्टर कुणाल नारंग एमबीबीएस एमडी मेडिसिन की सेवाएं व 24 घंटे इमरजेंसी सुविधा मिलेगी । हिसार की मंगलम डायग्नोस्टिक लैब की सुविधा भी इस अस्पताल में 24 घंटे उपलब्ध रहेगी । रतिया अग्रवाल सभा द्वारा समाज सेवा में किया जा रहे कार्यों में से एक अन्य कार्य के तहत यह हॉस्पिटल रतिया में बड़ी नहर स्थित मिगलानी हॉस्पिटल वाली जगह पर महाराजा अग्रसेन जी के नाम पर खोला जा रहा है। जिसमें दिल्ली व हिसार में कार्य कर चुके एमडी मेडिसिन डॉक्टर के अलावा अति आधुनिक आईसीयू वेंटीलेटर, ईको, टीएमटी, डायलसिस,फार्मेसी आधुनिक डिजिटल एक्सरे , डिजिटल लैब के अलावा ट्रेंड्स स्टाफ की सुविधा उपलब्ध रहेगी।जिसके इलाज का खर्चा बहुत ही कम रैटों पर होगा । आगे जानकारी देते हुए सभा के अध्यक्ष प्रमोद बंसल ने बताया कि इसके साथ ही समय-समय पर अस्पताल में स्पेशलिस्ट डॉक्टर द्वारा विजिटिंग ओपीडी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

ऋषि-मुनियों की परंपराओं को आगे ले जाना ही लक्ष्य : शिवम महंत

शाहाबाद। आश्रम बारे बातचीत करते शिवम महंत।

शाहाबाद मारकंडा, (कपिल अरोड़ा) » श्री चेतन ज्योति आश्रम हरिद्वार के शिवम महंत ने कहा की ऋषि-मुनियों की परंपराओं को आगे लेकर जाना ही आश्रम का लक्ष्य है। शिवम महंत ने बताया कि पिछले 100 वर्षों से आश्रम धर्म की रक्षा, साधु संतों का सम्मान व अन्य समाज सेवा के कार्य निरंतर कर रहा है। उन्होंने बताया कि आश्रम में चल रहे संस्कृत विद्यालय में लगभग 150 छात्र कर्मकांड व ज्योतिष की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं,इनमें से लगभग 70 छात्र आश्रम में ही रहकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और यह सभी छात्र मध्यम परिवारों से है। इसलिए इनका भरण- पोषण व शिक्षा निशुल्क करवाई जा रही है। वहीं बिना किसी अतिरिक्त आमदनी के आश्रम द्वारा संचालित भारतीय संस्कृति हाई स्कूल में लगभग 750 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इससे पहले पूर्व नपा प्रधान बलदेवराज चावला, समाजसेवी राजू चावला, राज सतीजा, ऋषि चावला ने अपने लाडवा रोड स्थित प्रतिष्ठान पर पहुंचने पर शिवम महंत व महंत गोपाल कृष्ण का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद ललित भार्गव, मयंक चावला, ऋतिक चावला, आकाशदीप जुनेजा, अशोक भसीन आदि मौजूद थे।

मारपीट कर 2 लाख रुपये छीनने का मामला

वारदात मे शामिल रहे दो नाबालिग युवको समेत 6 काबू

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » पुलिस की टीम ने मारपीट कर 2 लाख रुपये छीनने की वारदात को हल करते हुये वारदात मे शामिल रहे दो नाबालिग युवको समेत 6 युवको को काबू किया है। चार बालिग आरोपियो को पेश अदालत किया गया है। दो नाबालिग युवको को पुलिस अभिरक्षा में लेकर बाल न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर बाल सुधार गृह भेजा गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।प्रभारी थाना सदर निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने बताया कि हिसार निवासी अक्षय की शिकायत के आधार पर अभियोग अंकित कर जांच शुरु की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दिनांक 13.05.2025 को अक्षय अपने चाचा सतीश के पास नेहरु कॉलोनी रोहतक के पास आया हुआ था। अक्षय अनुज के साथ 2 लाख रुपये लेकर टिटौली से मोटरसाइकिल पर रोहतक के लियने निकला। करीब 7 बजे सांय अक्षय व अनुज जब नसिरपुर बाई पास के पास पुंहचे तो पीछे से 2 मोटरसाइकिल पर सवार 5 युवक मुंह पर कपडा बांधे हुये आये। युवको ने अक्षय की मोटरसाइकिल की चाबी निकालकर फेंक दी। युवको ने अक्षय व अनुज को मारना शुरु कर दिया। युवक दो लाख रुपये छीन कर मोटरसाइकिल पर सवार होकर मौके से फरार हो गये। मामले की जांच प्रभारी सीआईए-1 निरीक्षक कुलदीप, प्रभारी थाना सदर निरीक्षक रविन्द्र, उप.नि. सत्यवान व पीएसआई बलराज द्वारा संयुक्त रुप से अमल मे लाई गई।दौराने,जांच,दिनांक15.5.2025 को आरोपी अनुज पुत्र सतीश निवासी बादसहपुर निवासी हिलार हाल नेहरु कॉलोनी रोहतक, आकाश पुत्र जगमेन्द्र निवासी सोनीपत हाल राजीव कॉलोनी रोहतक, सन्नी पुत्र महेन्द्र निवासी राजेन्द्र नगर रोहतक व सागर पुत्र शमशेर निवासी रैनकपुरा रोहतक को गिरफ्तार किया गया है। नाबालिग युवको को पुलिस अभिरक्षा मे लिया गया है गिरफ्तार आरोपीः1. अनुज पुत्र सतीश निवासी बादसहपुर निवासी हिलार हाल नेहरु कॉलोनी रोहतक 2. आकाश पुत्र जगमेन्द्र निवासी सोनीपत हाल राजीव कॉलोनी रोहतक 3. सन्नी पुत्र महेन्द्र निवासी राजेन्द्र नगर रोहतक 4. सागर पुत्र शमशेर निवासी रैनक पुरा रोहतक 5. 2 नाबालिग युवक,रजिस्ट्रड केसः अभियोग संख्या 117 दिनांक 13.05.2025 धारा 310(2),311,126(2) बीएनएस थाना सदर।

आधुनिकता की दौड़ में संस्कृति से दूर न जाएं : नायब सैनी

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में अपनी संस्कृति से दूर नहीं होना चाहिए। युवाओं को जीवन में संतुलन स्थापित करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान और भगवान श्री कृष्ण के कर्म के संदेश को अपनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री वीरवार को देर शाम गुरुग्राम के सेक्टर 29 स्थित लेज़र वैली पार्किंग में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित श्री कृष्ण कृपा प्रेरणा उत्सव को सम्बोधित कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और उनका आशीर्वाद लिया। श्री कृष्ण कृपा प्रेरणा उत्सव में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता व देशभर से संत समाज और भजन गायकों ने भी शिरकत की।

जब भी समय मिले, गीता के दो श्लोक जरूर पढ़ें : मुख्यमंत्री ने देश भर से पहुंचे संत समाज, हरियाणा की बेटी व दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का प्रदेश में आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं से आह्वान करते हुए कहा

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी वीरवार देर सांय गुरुग्राम में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जन को सम्बोधित करते हुए। (16.05.2025)

कि चाहे आप डॉक्टर, इंजीनियर या उद्यमी बनें, लेकिन जीवन में प्रेम और त्याग की भावना को ज़रूर रखें। जब भी समय मिले, गीता के दो श्लोक अवश्य पढ़ें। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आने वाली पीढ़ियां भारतीय संस्कृति को केवल पुस्तकों में नहीं, जीवन में भी आत्मसात करें।

ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक : नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम की भूमि केवल एक आधुनिक शहर नहीं है, यह महाभारत काल से लेकर आज तक सांस्कृतिक चेतना की भूमि रही है। यहीं से गुरु द्रोणाचार्य ने शिष्यों को धर्म और युद्ध की शिक्षा दी। संतों ने हमेशा अहिंसा का मार्ग दिखाया, लेकिन कई बार हमारी सहनशीलता को हमारी कमजोरी समझ लिया गया। जिसका जवाब हमने रौद्र रूप धारण कर भी दिया। बीते दिनों पहलगाम में कायराना हरकत हुई तो हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के रूप में आतंकियों का सीमा पार जाकर नाश किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सैन्य अभियान राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक बन गया।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद को साधुवाद देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके प्रयासों से आज दुनिया भर में श्रीमद्भागवत गीता के ज्ञान की धारा अविरल बह रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार केवल विकास के भौतिक आयामों तक सीमित नहीं है। हम चाहते हैं कि हरियाणा में आध्यात्मिक चेतना का भी उत्थान हो। इसी उद्देश्य से कुरुक्षेत्र को धर्मनगरी के रूप में वैश्विक पहचान देने हेतु 'गीता महोत्सव' को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया गया है। तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से वृद्धजनों को तीर्थयात्रा की सुविधा दी जा रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व उनकी टीम का सहयोग के लिए आभार : रेखा गुप्ता - दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व उनकी टीम से मिले सहयोग को लेकर आभार जताया। उन्होंने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि आपका जीवन भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों और भगवद्गीता के सार्वकालिक संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए समर्पित है।

पंजाब स्कूल बोर्ड का दसवीं का रिजल्ट 95.61 फीसदी रहा

तीन छात्राओं ने किया टॉप

अशनूर कौर, अतिंदरदीप कौर तथा अर्शदीप कौर ने टॉप किया

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10की परीक्षा का रिजल्ट शुक्रवार दोपहर बाद जारी कर दिया गया। कुल पास प्रतिशत 95.61फीसदी रहा है। रिजल्ट की घोषणा के साथ बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट पर डाउनलोड लिंक भी एक्टिव हो चुका है। छात्र अपना रिजल्ट pseab.ac.in पर देख सकते हैं। बोर्ड रिजल्ट की घोषणा प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। परीक्षा में लड़कियों का पास प्रतिशत अधिक रहा है। तीन टॉपर भी लड़कियां है। अशनूर कौर,अतिंदरदीप कौर तथा अर्शदीप कौर ने टॉप किया

पंजाब बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए 1,46,576 लड़कों में से 1,38,517 पास हुए हैं और उनका पास प्रतिशत 94.50 रहा है। जबकि कुल छात्रों में से 1,31,166 लड़कियां थीं, जिनमें से 1,27,029 पास हुई हैं और उनका पास प्रतिशत 96.85 रहा है।तीन लड़कियों ने इस साल पंजाब बोर्ड कक्षा 10वीं की परीक्षा में टॉप किया है, जिनके नाम अशनूर कौर, अतिंदरदीप कौर और अर्शदीप कौर हैं। परीक्षा में कुल 2,77,746 स्टूडेंट्स बैठे थे, जिनमें से 2,65,548 पास हुए हैं। कुल पास प्रतिशत 95.61 फीसदी दर्ज किया गया है। पिछले साल कुल 2,81,098 छात्र दसवीं परीक्षा में बैठे थे और 2,73,348 पास हुए थे।छात्र ऑनलाइन मार्कशीट देख सकते हैं जबकि फाइनल परमानेंट मार्कशीट को स्कूल से हासिल करने के लिए संपर्क कर सकते हैं।

पंजाब बोर्ड छात्रों को देगा फ्री गाइडेंस

पंजाब बोर्ड छात्रों को विशेषज्ञ सहायता के साथ सही स्ट्रीम, कॉलेज और करियर का रास्ता चुनने के लिए फ्री करियर गाइडेंस देगा। करियर मार्गदर्शन के बारे में विस्तृत जानकारी pseb.ac.in पर उपलब्ध है। यह सेवा प्रत्येक कक्षा में पहले 50 छात्रों के लिए निःशुल्क है और यह पहले आओ पहले पाओ के आधार पर है।तीनों टॉपर लड़कियो ने सौ प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। तीन टॉपर मुक्तसर से अतिंदरदीप कौर, फरीदकोट से अशनूर कौर और मलेरकोटला से अर्शदीप कौर हैं।

रेडक्रॉस सोसायटी से आमजन के अलावा जनसेवक व लोक सेवक भी जुड़ रहे : उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के कार्य कलापों से अब आमजन के साथ-साथ जन सेवक और लोक सेवक भी जुड़ रहे हैं। इसी श्रृंखला में उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह की उपस्थिति में रोहतक शहर के वार्ड नंबर 7 की नगर पार्षद अंजू सैनी और दीपक सैनी भी रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य बने। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में यदि हम सामाजिक क्षेत्र में उतरकर मानव कल्याण के लिए कुछ काम करते हैं तो यह आमजन के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण के रूप में लिया जाता है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसाइटी की गतिविधियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए हमें रेडक्रॉस सोसाइटी का आजीवन सदस्य बनना चाहिए, जिससे कि आजीवन सदस्य के रूप में विभिन्न स्थानों पर गांव व शहर में वार्ड में यदि कोई दिव्यांग है जरूर मंद है उसे किसी प्रकार के उपकरण की आवश्यकता है तो उसकी सूची आजीवन सदस्यों के माध्यम से बनवाकर रेडक्रॉस समिति को दी जा सकती है, जिससे कि आने वाले समय में उन्हें उपकरण दिए जा सके।

उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस समिति रोहतक द्वारा चलाए जा रहे कुष्ठ आश्रम, रक्तदान सेवाएं, दिव्यांगजन के लिए उपकरण वितरण, टीबी से प्रभावित मरीजों के लिए सेवा, फर्स्ट एड होम नर्सिंग की ट्रेनिंग, दिव्यांगजन के लिए जागरूकता कार्यक्रम, टी आई प्रोजेक्ट के माध्यम से ट्रक ड्राइवर के जीवन की सुरक्षा सहित अनेक ऐसी गतिविधियां चलाई जा रही हैं, जिसके साथ लाइफ मेंबर जुड़ सकते हैं और इन सेवाओं को आगे बढ़ा सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि रेडक्रॉस हर गांव से युवाओं को रेडक्रॉस के साथ जोड़कर उन्हें हॉस्पिटल वेलफेयर सेक्शन का आजीवन सदस्य भी बना रहा है और उन्हें सी पी आर फर्स्ट एड ट्रेनिंग डिजास्टर की ट्रेनिंग भी दे रहा है। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि जिला रेडक्रॉस सोसायटी के साथ जोड़े गए दो हजार से अधिक युवा आजीवन सदस्यों को सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के सैकड़ो यूथ ट्रेड प्लस के वालंटियर को भी जोड़ा गया है और उन्हें भी यह ट्रेनिंग दिलवाई जा रही है, जिससे कि जिला के प्रत्येक गांव में सेवा प्रोजेक्ट शुरू किया जा सके। इस अवसर पर रेडक्रॉस सचिव श्याम सुंदर, पूर्व सचिव आर पी सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अधिकारी वैक्टर जनित बीमारियों से बचाव के लिए व्यक्तिगत जिम्मेवारी समझकर गंभीरता से करें कार्य : अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार

- » घरों के आसपास पानी एकत्रित न होने दें
- » सप्ताह में कार्यालयों व घरों में एक दिन मनाए ड्राई डे

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि वेक्टर-जनित बीमारियों से बचाव के लिए सभी संबंधित विभाग अपनी व्यक्तिगत जिम्मेवारी मानकर गंभीरता से कार्य करें। जिला में रक्त की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित की जाए। विकास एवं पंचायत तथा शहरी स्थानीय निकाय द्वारा सभी फॉगिंग मशीन को दुरुस्त रखा जाए। डेंगू व चिकनगुनिया एक वायरल बीमारी है, जो एडीज मच्छर के काटने से फैलती है। मच्छर दिन में काटता है तथा रुके हुए साफ पानी में ही पनपता है। वेक्टर-जनित बीमारियों से बचाव के लिए आसपास पानी न खड़ा होने दें। सप्ताह में एक दिन कार्यालयों व घरों में ड्राई डे मनाएं। नरेंद्र कुमार स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित बैठक में वैक्टर-जनित बीमारियों डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया से बचाव के प्रबंधों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे संबंधित विभागों को उनकी जिम्मेदारियों से संबंधित पत्र भिजवाएं तथा निर्धारित अवधि में कार्रवाई रिपोर्ट भी प्राप्त करें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग इन बीमारियों से बचाव के लिए अपना पूर्ण सहयोग दें।

विभाग नोडल अधिकारी भी नियुक्त करें। उन्होंने कहा कि जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सभी तालाबों में स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से गंबुजिया मछली छोड़े तथा इस कार्य में सरपंचों की जिम्मेवारी भी तय की जाए। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव के लिए नागरिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा सुझाये गए उपायों को अपनाये। इन उपायों के अंतर्गत पानी के बर्तन, टंकी, घड़ों आदि को ढक कर रखें, सप्ताह में एक दिन कूलर, फूलदान, फ्रिज की ट्रे, पशु-पक्षियों के बर्तन व ड्रमों को खाली करके फिर पानी डाले। सप्ताह में शुक्रवार को एक दिन ड्राई डे मनाएं। शरीर को पूरी तरह से ढकने वाले कपड़े पहने, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, ठहरे पानी में मिट्टी का तेल या लार्वा नाशक दवाई डाले तथा बुखार होने की स्थिति में पेरासिटामोल की गोली लें व डॉक्टर से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि यदि हरियाणा प्रदेश के किसी व्यक्ति को डेंगू से पीड़ित होने पर प्लेटलेट चढ़ानी पड़ती है तो उसका खर्च स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिया जाएगा। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे सभी स्कूलों की खिड़कियों में जाली लगवाएं तथा बच्चों को इन बीमारियों की रोकथाम बारे जागरूक करें। बच्चों को शरीर को पूरी तरह ढकने वाले कपड़े पहनने, घर में कबाड़ इकट्ठे न होने देने तथा कचरा एकत्रित न होने देने बारे जागरूक करें।

विभाग इन बीमारियों से बचाव के लिए,यह,करें,» अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि विकास एवं पंचायत द्वारा गांवों में पंचायतों के के माध्यम से अनावश्यक गड्ढों को भरवाएं ताकि पानी एकत्रित न हो। नालियों को हर सप्ताह साफ करवाए। रुके हुए पानी में हर सप्ताह लार्वा नाशक दवा या मिट्टी का तेल या काला तेल डलवाएं। सभी पेयजल कनेक्शन पर टूटी लगाए ताकि पानी व्यर्थ न बहें। सीवर लाइन, मैन हॉल को ढक कर रखें। नालियों के पानी की निकासी सुनिश्चित करें। परिवहन विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि बेकार पड़े टायरों में पानी इकट्ठा न हो। वन विभाग द्वारा मच्छर भगाने वाले पेड़ जैसे नीम, तुलसी, आक व अजवायन लगवाएं। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण सभी खाली प्लॉट धारकों को प्लाटों में मिट्टी का भर्त करने बारे निर्देश जारी करें।

एमडीयू-सीपीएएस में शैक्षणिक सत्र 2025-26 प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 19 मई 2025 से प्रारंभ होगी

प्रदीप पब्लिक एशिया

गुरुग्राम » महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के गुरुग्राम, सेक्टर-40 स्थित रीजनल सेंटर एमडीयू.-सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड अलाइड स्टडीज (एमडीयू-सीपीएएस) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीए.एलएल.बी. (5 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) एवं बीबीए (ऑनर्स विद रिसर्च - 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम) में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 19 मई 2025 से प्रारंभ होगी। वे विद्यार्थी जिन्होंने 10+2 उत्तीर्ण की है तथा कानून अथवा प्रबंधन के क्षेत्र में उज्ज्वल करियर की आकांक्षा रखते हैं, वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप डिज़ाइन किए गए बीबीए (ऑनर्स विद रिसर्च) की 60 सीटें एवं बीए.एलएल.बी. पाठ्यक्रम की 240 सीटों के लिए प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रस्तुत कर सकते हैं।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 10+2 उपरांत संचालित होने वाले अंडर ग्रेजुएट एवं इंटीग्रेटेड प्रोग्राम्स हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 2 जून 2025 निर्धारित की गई है। प्रवेश परीक्षाएं 19 से 23 जून 2025 के मध्य आयोजित की जाएगी, जिनका परिणाम 27 जून 2025 को घोषित किया जाएगा।

प्रथम काउंसलिंग 1 जुलाई 2025 को आयोजित की जाएगी तथा कक्षाओं का प्रारंभ 15 जुलाई 2025 से होगा। प्रवेश पूर्णतः मेरिट के आधार पर किया जाएगा, अतः छात्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन करना तथा प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

संस्थान के निदेशक प्रो. प्रदीप के. अहलावत ने कहा कि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व में एमडीयू-सीपीएएस ने अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा का एक नया प्रतिमान स्थापित किया है। एमडीयू-सीपीएएस तेजी से शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशासनिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है, तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप हमारा उद्देश्य केवल शिक्षित युवाओं का निर्माण करना नहीं, बल्कि ऐसे सक्षम और उत्तरदायी भविष्य के नेताओं को तैयार करना है जो उद्योग, समाज एवं राष्ट्र के सतत विकास में प्रभावशाली योगदान दे सकें। प्रोफ. अहलावत ने सभी पात्र विद्यार्थियों से समयबद्ध तरीके से आवेदन कर इस प्रतिष्ठित संस्थान से जुड़कर अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य को नई दिशा देने का आग्रह किया।

इच्छुक अभ्यार्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.mdu.ac.in पर जाकर प्रवेश विवरणिका (प्रॉस्पेक्टस) नि» शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं, जिसमें पाठ्यक्रम, सीटें, शुल्क संरचना, परीक्षा पाठ्यक्रम तथा अन्य सभी आवश्यक जानकारियाँ उपलब्ध हैं। आवेदन संबंधी किसी भी सहायता हेतु छात्र प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक गुरुग्राम स्थित एम.डी.यू.-सीपीएएस केंद्र में व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकते हैं।

संस्कारम् विश्वविद्यालय में हुआ मूट कोर्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन

प्रदीप गौतम पब्लिक एशिया

गुरुग्राम » संस्कारम् विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन विधि संकाय परिसर में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में अधिवक्तृत्व कौशल, तर्कशक्ति एवं विधिक अनुसंधान की समझ को सशक्त बनाना रहा।

प्रतियोगिता में बी.ए.एल.एल.बी एवं एल.एल.बी. पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी विधिक योग्यता, वाकपटुता एवं प्रस्तुति कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने न्यायालय जैसी वास्तविक परिस्थिति में अपने पक्षों की विधिपूर्वक प्रस्तुति कर न्याय प्रक्रिया की सूक्ष्मताओं को आत्मसात किया। इस प्रतियोगिता में बी.ए.एल.एल.बी के विद्यार्थी चारु और संदीप एल.एल.बी. के छात्र भानु ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेता का खिताब जीता। निर्णायकों ने दोनों विजेताओं की विधिक तर्कशक्ति, केस लॉ का विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण की विशेष सराहना की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. महिपाल जी ने कहा कि 'विधिक शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, अपितु व्यवहारिक प्रशिक्षण और तर्कशक्ति का विकास इसका मूल उद्देश्य होना चाहिए। मूट कोर्ट जैसी प्रतियोगिताएँ छात्रों को न केवल अधिवक्तृत्व की व्यावहारिक समझ देती हैं, बल्कि उन्हें न्यायप्रिय, नीतिपरायण और आत्मविश्वासी नागरिक बनने की ओर अग्रसर करती हैं। मैं सभी प्रतिभागियों को उनके श्रेष्ठ प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ एवं विधि विभाग को इस सराहनीय आयोजन के लिए साधुवाद प्रेषित करता हूँ। मूट कोर्ट प्रतियोगिता की संयोजक सहायक प्राध्यापक सुश्री अवनिका शर्मा रहीं, जिनके मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मुख्य समाचार

कैथल जिले के जठेरी गांव में सरकार शुरू करेगी प्राकृतिक खेती का पायलट प्रोजेक्ट

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा में प्राकृतिक खेती का पायलट प्रोजेक्ट कैथल जिले के पुंडरी विधानसभा क्षेत्र स्थित जठेरी गांव में शुरू किया जाएगा जहां कृषि और किसान कल्याण विभाग की 53 एकड़, 4 कनाल और 19 मरला भूमि को प्राकृतिक खेती के तहत लाया जाएगा। यह भूमि पट्टेदारों को पट्टे पर दी जाती रही है,। अब केवल प्राकृतिक खेती के लिए उपयोग की जाएगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को इस संबंध में ऐतिहासिक निर्णय को स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण की दृष्टि से स्वस्थ और आर्थिक रूप से व्यवहार्य प्रथाओं को बढ़ावा देकर किसानों को सशक्त बनाने और दीर्घकालिक कृषि समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल के तहत, मौजूदा पट्टेदार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने वाली इस महत्वपूर्ण योजना के लाभार्थी बनने के पात्र होंगे। उन्हें प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ समर्थन भी दिया जाएगा, जिसमें प्रदेश सरकार आवश्यक मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और सहायता भी प्रदान करेगी।इस पायलट परियोजना की सफलता के बाद, योजना को धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा और इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा, ताकि हरियाणा देशभर में प्राकृतिक खेती सहित कृषि प्रथाओं में अग्रणी राज्य बन सके।

सम्पत्ति की सूचना स्वतः प्रमाणित कराने के लिए नगर निगम चलायेगा विशेष अभियानः निगमायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने आज सम्पत्तिकर शाखा के अधिकारियो व कर्मचारियो के साथ बैठक आयोजित की। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि सम्पत्ति की सूचना स्वतः प्रमाणित करवाने के लिए विशेष अभियान चलाये तथा अतिरिक्त कर्मचारियो की डयूटी लगाकर इस कार्य को किया जाये। नगर निगम के कर्मचारी फिल्ड में घर-घर जागकर सम्पत्ति की सूचना को स्वतः प्रमाणित करवाने का कार्य करें। सम्पत्ति की सूचना को स्वतः प्रमाणित करने के लिए नागारिको को जागरूक किया जाये कि सम्पत्ति को स्वतः प्रमाणित करने से सम्पत्ति मालिक के अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति आपकी प्रोपर्टी आई.डी. पर अपना आवेदन नहीं कर सकता और न ही प्रोपर्टी आई.डी के सम्बंध में सूचना प्राप्त कर सकता है। इस प्रक्रिया के पश्चात अन्य कोई आपकी प्रोपर्टी आई.डी. का (NDC) No Dues certificate नहीं निकाल सकता है। डॉ आनंद कुमार ने कहा कि भविष्य में सम्पत्ति आई.डी. से सम्बन्धित किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए सम्पत्ति का स्वतः प्रमाणित करना अतिआवश्यक है। नगर निगम द्वारा सभी वार्डो में आमजन की सुविधा हेतु एवं उनकी सम्पत्ति की सूचना स्वतः प्रमाणित करवाने के लिए कर्मचारी भेजे जायेंगें। इसलिए आप सभी से अपील है कि सम्पत्ति की सूचना को स्वतः प्रमाणित करवाने में नगर निगम का सहयोग करें।बैठक में संयुक्त आयुक्त भूपेन्द्र सिंह व नमिता कुमारी, सम्पत्तिकर शाखा के कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

सीवरेज में गिरने से 3 लोगों की दुखद मौत, हुड्डा ने की परिवार के लिए मुआवजे की मांग

रोहतक » पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा बोहर माजरा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने उस पीड़ि परिवार से मुलाकात की, जिसके तीन सदस्यों की मौत सीवरेज में गिरने से हुई। एक के बाद एक पिता और उनके दो बेटे सीवरेज में गिर गए और उनकी दर्दनाक मौत हो गई। हुड्डा ने पीड़ित परिवार से मिलकर उसे ढांढ़स बंधाया। साथ ही डीसी और संबंधित विभाग के अधिकारियों से भी बातचीत की। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखने की भी बात कही। हुड्डा ने कहा कि वो सरकार से पीड़ित परिवार के लिए उचित मुआवजे की मांग करेंगे। इस मौके पर हुड्डा के साथ विधायक भारत भूषण बतरा, पार्षद परीक्षित देशवाल, पूर्व अध्यक्ष चक्रवर्ती शर्मा, प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह और राज बहादुर शर्मा समेत कई लोग भी मौजूद थे।

24 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा सत्र न्यायाधीश

पठानकोट (अलोक कुमार) » जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पठानकोट द्वारा 24 मई को न्यायालय परिसर, पठानकोट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्राधिकरण के चेयरमैन सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश जतिंदर पाल सिंह खुरमी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित कर दी गई थी। अब यह राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार 24 मई को न्यायालय परिसर, पठानकोट में आयोजित की जा रही है। जिन लोगों ने इस संबंध में आवेदन किया है, वे शनिवार 24 मई को सुबह वहां पहुंचकर अपने मामले का निपटारा करा सकते हैं। उनसे अपील की गई है कि वे इस राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने विवादों का समाधान कराएं।

गांव और गली स्तर पर ले जाएंगे युद्ध नशों के विरुद्ध : केजरीवाल

नईम खान, पब्लिक एशिया

चंडीगढ़ » पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने लोगों के सक्रिय समर्थन से नशों के विरुद्ध जंग को गाँव और गली स्तर पर ले जाने का ऐलान किया।

कस्बा लंगड़ोआ (एसबीएस नगर) में सभा को संबोधित करते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नशों की रीढ़ तोड़ दी है और अब वह दिन दूर नहीं, जब पंजाब में नशों का मुकम्मल खात्मा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति यात्रा के तहत राज्य के हर गाँव और कस्बे तक पहुँच की जाएगी ताकि नशों के विरुद्ध इस जंग में ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को शामिल करके पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त बनाया जा सके। अरविंद केजरीवाल ने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह दिन दूर नहीं, जब राज्य सरकार के सखूत यत्नों के चलते, पंजाब न सिर्फ़ नशा मुक्त होगा, बल्कि हर पक्ष से देश का अग्रणी राज्य भी बनेगा।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को युद्ध नशे के विरुद्ध की शानदार सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि राज्य सरकार के ठोस यत्नों के चलते जिन गाँवों में नशे के केंद्र थे, अब नशों से मुक्त हो रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पहले बॉलीवुड फ़िल्में नशों की दलदल के हालात पर बनने लग गई थीं, अब समय बदल गया है और राज्य के नौजवान खेलों के क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के मंत्री नशे के सौदागरों की सरपरस्ती करते थे और यहाँ तक कि अपनी सरकारी गाड़ियों में नशे सप्लाई करते थे।

उन्होंने कहा कि अब पुलिस द्वारा क्विंटलों की मात्रा में नशे ज़ब्त किए जा रहे हैं और दोषियों के विरुद्ध सखूत कार्रवाई अमल में लाई जा रही है ताकि और अपराधियों के लिए मिसाल कायम की जा सके। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पहले के समय के उलट जब नशे के सौदागरों को सरकार द्वारा बचाया जाता था, अब 'आप' सरकार द्वारा 10,000 नशा तस्कर, जिनमें 8 500 बड़ी मछलियाँ हैं, को गिरफ़्तार किया गया है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दृढ़ संकल्प लिया था कि पंजाब में किसी को भी नशा बेचने की इजाज़त नहीं दी जाएगी और सरकार इस कार्य में सफल रही है। उन्होंने कहा कि नशा तस्कर ख़तरनाक अपराधी हैं पर हमने अपनी जान की परवाह किए बिना उनके विरुद्ध सखूत कार्रवाई की है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नशों के विरुद्ध इस लड़ाई में हमारी जान जा सकती है पर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य में से नशों का पूरी तरह सफ़ाया हो जाए।

आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि समय आ गया है जब हम सभी को आगे आकर नशों के विरुद्ध इस जंग में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों की जायदादें ज़ब्त और नष्ट कर दी गई हैं और यह मुहिम आने वाले समय में भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अब 'युद्ध नशों विरुद्ध' को जन आंदोलन में बदला जा रहा है, जिसके लिए लोगों के सक्रिय समर्थन की ज़रूरत है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नशों के विरुद्ध जंग को ज़मीनी स्तर पर ले जाया जाएगा और राज्य के लगभग 13000 गाँवों के लोगों को इस मुहिम से जोड़ा जाएगा।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नौजवानों की बेअंत ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए राज्य सरकार राज्य के हर गाँव में एक स्टेडियम बनाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में खेलों को बड़े स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए 3000 बड़े गाँवों में जिम बनाए जाएँगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राज्य ने पहले ही नौजवानों को लगभग 54000 नौकरियाँ दी हैं और सरकार ने हर गाँव के नौजवानों के लिए रोज़गार सुनिश्चित करने के लिए बड़े स्तर पर योजना बनाई है।

सर्व समाज सभा की हुई मासिक बैठक शहर के विभिन्न मुद्दों को लेकर हुई चर्चा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रतिया » सर्व समाज सभा की मासिक बैठक प्रधान रणजीत सिंह भानीखेड़ा की अध्यक्षता में गत देर शाम को सभा के सचिव रणधीर सिंह मोलिया जी के कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में शहर के विभिन्न मुद्दों को लेकर विचार व चर्चा हुई जिसमें सर्वप्रथम तो पहलगाम व बार्डर पर हुए वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही सभा सदस्यों ने प्रार्थना की कि टेररिस्ट किसी भी देश के हो उनको सजा अवश्य मिलनी चाहिए, और किसी निर्दोष नागरिक का नुकसान न हो।

वहीं बैठक में सभा सदस्यों ने शहर के भूना रोड़ पर नहर के दोनों (नये बने पुल फ़िलहाल अंडर डिस्प्यूट चल रहा है) पुलों की सुरक्षा दीवार टूट चुकी है और जिसके चलते कोई भी बड़ा हादसा ओर जानमाल का नुकसान हो सकता है। सभा प्रशासन से इसके जल्द से जल्द दरूस्त करवाने की मांग करती है। इसी तरह दूसरी और शहर के बाईपास के दोनों ओर फुटपाथ को भी दरूस्त किया जाए।

वहीं बरसात के समय को देखते हुए सभा प्रशासन से मांग करती है कि बरसाती नालों की भी जल्दी से जल्दी सफाई करवाई जाए।

वहीं शहर में नए आए माननीय डीएसपी जी द्वारा शहर में चलाए अतिक्रमण हटाओ अभियान का अतिश्री हो चुका है, क्या इस अभियान पर

दोबारा कार्यवाही होगी ? ओर अतिक्रमण से निज़ात दिलवाएंगे?

वहीं बैठक में सभा सदस्यों ने तहसील कांप्लेक्स मे पब्लिक के लिए बने हुए शौचालयों की सफाई व्यवस्था की दयनीय हालत के चलते विशेषकर महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता ओर यह परेशानी झेलनी पड़ रही है। इन शौचालयों में न तो नल है, न तो पानी ओर न ढंग के नल है और वाशबेसिन तंबाकू ओर बीड़ी से भरे पड़े मिलते हैं जिससे लोगों को ओर अधिके परेशानी हो रही है। प्रशासन इन शौचालयों की व्यवस्था का जरूर सुधार करवाए।

इस बैठक में सरक्षक सतपाल जिंदल, उपप्रधान गुरप्रीत सिंह नैन, कैशियर शेर सिंह भुल्लर, पूर्व प्रधान का0 अजमेर सिंह, पूर्व सचुव बलिंद्र शर्मा, सुशील जैन, राजपाल ग्रोवर, हैप्पी सिंह सेठी, राजेन्द्र मोंगा इकबाल सिंह, विनोद जिंदल, गुरनाम सिंह, हरप्रीत सिंह भुल्लर सहित सदस्य मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने भव्य समारोह में सिटको कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » सिटको ने आज होटल माउंटव्यू के बॉलरूम में सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले अपने कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राष्ट्रीय टॉपर सुश्री सृष्टि शर्मा रहीं, जिन्होंने 500/500 अंक प्राप्त करके पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सृष्टि सिटको के एक कर्मचारी की बेटी हैं, जो जूनियर सेल्समैन के पद पर कार्यरत हैं और उनकी इस उपलब्धि ने न केवल सिटको बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले सिटको कर्मचारियों के कुल 25 छात्र-छात्राएं अपने गौरवान्वित माता-पिता के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह के मुख्य अतिथि यूटी चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव, आईएएस राजीव वर्मा थे, जिनके साथ रचना वर्मा भी थीं। उन्होंने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई और सभी मेधावी छात्रों को व्यक्तिगत रूप से ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर ष्ट्ढ्'ष्टह्र के प्रबंध निदेशक हरि कल्लिक्कट, द्बड्डस्, ष्ट्ढ्'ष्टह्र के मुख्य महाप्रबंधक पवित्र सिंह, क्करूस्, और ष्ट्ढ्'ष्टह्र प्रबंधन के सदस्य भी मौजूद थे।

छात्रों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और एक भव्य लंच के साथ सम्मानित किया गया। ष्ट्ढ्'ष्टह्र कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने इस अवसर को और भी रंगीन बना दिया। प्रबंध निदेशक, हरि कल्लिक्कट ने छात्रों के साथ एक घंटे से अधिक समय तक व्यक्तिगत बातचीत की, उनकी कहानियाँ सुनीं और प्रोत्साहन के शब्द साझा किए। उनकी बातचीत ने युवा उपलब्धि हासिल करने वालों को गहराई से प्रेरित किया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि राजीव वर्मा ने कहा, 'इन छात्रों की सफलता उनकी कड़ी मेहनत और उनके परिवारों के सहयोग का प्रतिबिंब है। सिटको में, हमें न केवल अपने कर्मचारियों बल्कि उनके बच्चों का भी जश्न मनाने पर गर्व है, जो हमारे भविष्य के पथप्रदर्शक हैं, उन्होंने आगे उन सभी बच्चों को बधाई दी जिन्होंने अपनी-अपनी परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त किए और उन्हें भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

नारायण सेवा संस्थान रविवार को चण्डीगढ़ में 300 से ज्यादा दिव्यांगों को लगायेगा निशुल्क कृत्रिम हाथ-पैर

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चण्डीगढ़ » दिव्यांगजनों और मानव सेवा के लिए पहचाने जाने वाले उदयपुर के नारायण सेवा संस्थान द्वारा चण्डीगढ़ के दिव्यांगों के सेवार्थ रविवार 18 मई को निःशुल्क नारायण लिम्ब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर आयोजित होगा। यह शिविर चंडीगढ़ के कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 49 सी में 18मई को प्रातः 8»00 बजे से सायं 6»00 बजे तक चलेगा है। जिसमें केवल पूर्व चयनित दिव्यांगों को नि»शुल्क लाभ मिलेगा।

संस्थान के मीडिया एवं जनसंपर्क निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने जानकारी देते हुए कहा संस्थान विभिन्न राज्यों के दिव्यांग बन्धुओं को उनके घर शहर के नजदीक लाभान्वित करने के लिए विगत 40 वर्षों से प्रयासरत हैं। इसी श्रृंखला में नारायण सेवा ने 2 मार्च को निःशुल्क नारायण लिंब मेजरमेंट कैंप का आयोजन यहां किया था। जिसमें 500 से अधिक रोगी आए थे। इनमें से 302 जन ऐसे थे जो सड़क दुर्घटना या किसी हादसे से हाथ-पैर खोकर दिव्यांगता का शिकार हो गए थे। उनका चयन करते हुए संस्थान ने नारायण लिम्ब के लिए कास्टिंग व मेजरमेंट लिया था।

उन्होंने कहा चण्डीगढ़ में संस्थान एक साथ सैकड़ो दिव्यांगों को जर्मन टेक्नोलॉजी के नारायण लिम्ब पहनाकर उन्हें नई जिंदगी देगा। यह सभी दिव्यांगताभरी जिंदगी के चलते अपने परिवार पर बोझ बन गए थे। संस्थान उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा में ला रहा है। एक समृद्ध समाज

के लिए हर नागरिक का सशक्त होना जरूरी है। दिव्यांगों के सशक्तिकरण से देश की गति प्रगति को रफ्तार मिलेगी। वार्ता के दौरान निदेशक भगवान प्रसाद गौड़, शिविर प्रभारी रमेश शर्मा व आश्रम प्रभारी जितेंद्र सिंह भाटी ने इस शिविर का पोस्टर भी जारी किया। पत्रकार वार्ता में सवालों का जबाब देते हुए गौड़ ने कहा नारायण सेवा संस्थान भारत ही नहीं अपितु विदेश में साउथ अफ्रीकी देशों केन्या, युगांडा, मेरु,तंजानिया,नेपाल में भी शिविर कर चुका है। हर माह करीब 1500 लोगों को आर्टिफिशियल हाथ-पैर लगाए जा रहे है। संस्थान अब तक 40 हजार से ज्यादा दिव्यांगों की जिंदगी खुशमय बना चुका है। शिविर के उद्घाटन और भव्यता के लिए कई लोगों और संस्थान सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

कैंप प्रभारी ने कहा शिविर में आने वाले दिव्यांगों के लिए संस्थान की ओर से निःशुल्क भोजन की व्यवस्था रहेगी। इन दिव्यांगों को नारायण लिम्ब फिटमेंट के बाद चलने की सुव्यवस्थित ट्रेनिंग दी जाएगी। इस हेतु संस्थान की 40 सदस्य टीम सेवाओं में तत्पर रहेगी।शिविर में पूर्व लाभांवित दिव्यांग आयेंगे। जो नव लाभांवित दिव्यांगों को अपने अनुभव बताते हुए उनका हौसला बढ़ाएंगे। नारायण सेवा संस्थान 1985 से नर सेवा-नारायण सेवा की भावना से काम कर रहा है। संस्थापक कैलाश मानव को राष्ट्रपति महोदय ने मानव सेवा के लिए पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा है। संस्थान के अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल दिव्यांगों के लिए मेडिकल, शिक्षा, कौशल विकास और खेल अकादमी के माध्यम से मानसिक,शारीरिक एवं आर्थिक दृष्टि से मजबूत कर लाखों दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा में ला चुके है। वर्ष 2023 में अग्रवाल को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। संस्थान अब तक 40 हजार से अधिक कृत्रिम अंग लगा चुका है।

रतिया स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू दिवस मनाया, रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

सुनील कुमार, पब्लिक एशिया

रतिया » स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शहर में र-ैली निकाली और लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक किया। इस जागरूकता रैली को नगरपालिका प्रधान प्रतिनिधि महेश खन्ना और डॉ अमित सैनी ने संयुक्त रूप से झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर नगरपालिका वाइस प्रेसिंडेट जोगिंदर नंदा और रैली के कॉर्डिनेटर हेल्थ इंस्पेक्टर राजेश श्योकन्द , स्वास्थ्य अधिकारी वीरपाल कौर, गुलविंदर जीत व शुभम झण्डई भी मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रैली के दौरान लोगों को डेंगू के लक्षणों और बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी। टीम ने लोगों को बताया कि डेंगू एक ऐसी बीमारी है जो मच्छरों के काटने से फैलती है और इसके लक्षणों में बुखार, सिरदर्द और जोड़ों में दर्द शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों को डेंगू से बचाव के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिनमें मच्छरों को मारने के लिए घरों में साफ-सफाई रखना, कूड़ा-कचरा नहीं फैलाना और मच्छरदानी का उपयोग करना शामिल है। टीम ने लोगों को यह भी बताया कि अगर उन्हें डेंगू के लक्षण दिखाई देते हैं तो वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच कराएं।

रैली के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक करने के लिए पंपलेट और बैनर भी वितरित किए। इस अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक करने और उन्हें इस बीमारी से बचाव के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया। स्वास्थ्य विभाग का यह प्रयास शहर के लोगों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक करने और उन्हें इस बीमारी से बचाव के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया है। इस अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग ने शहर के लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक करने और उन्हें इस बीमारी से बचाव के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया है।

कांग्रेस की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाएंगे और भाजपा की जनविरोधी नीतियों का पर्दाफाश करेंगे : राज नागपाल

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » ऑल इंडिया राजीव मेमोरियल सोसाइटी के पदाधिकारियों की बैठक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चंडीगढ़ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राज नागपाल की अध्यक्षता में हुई जिसमें अंबाला लोकसभा सीट से सांसद वरुण चौधरी और चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लक्की मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। बैठक में कांग्रेस की जन कल्याणकारी नीतियों को घर-घर पहुंचाने, भाजपा की जनविरोधी नीतियों और भाजपा के दुष्प्रचार का पर्दाफाश करने के लिए एक अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया।

वरुण चौधरी और एचएस लक्की ने सोसाइटी के सभी पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए ऑल इंडिया राजीव मेमोरियल सोसाइटी द्वारा राष्ट्र और समाज हित में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर वरुण चौधरी ने केंद्र की भाजपा सरकार को सवाल और जवाबदेही से भागने वाली सरकार बताते हुए कहा कि मोदी सरकार विपक्ष के हर उस सवाल का जवाब देने से भागती है, जिसके बारे में पूरा देश जानना चाहता है। ताजा उदाहरण भारत-पाकिस्तान के बीच छिड़े संघर्ष में अमेरिका

की मध्यस्थता है, जिसके कारण पाकिस्तान से छिड़ा युद्ध अधूरा रह गया। वरुण चौधरी ने कहा कि आज कोई भी देश भक्त अमेरिका की इस मध्यस्थता को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। देश जानना चाहता है कि मोदी सरकार ने अमरीका की किन शर्तों पर पाकिस्तान के साथ सीजफायर को लागू किया। वरुण चौधरी ने कहा कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सर्वदलीय बैठकों में भी विपक्ष के सामने आने से कतराते रहे। इसलिए कांग्रेस मांग कर रही है कि इस पूरे मामले पर संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए लेकिन मोदी सरकार ने अभी तक इस पर भी कोई जवाब नहीं दिया है।

एचएस लक्की ने मोदी सरकार और भाजपा की नीतियों को जनविरोधी करार देते हुए कहा कि आज हर वर्ग भाजपा सरकार की नीतियों से दुखी और परेशान है।

मुख्य समाचार

पत्नी ने पति सहित सास ससुर जेठ जेठानी के विरुद्ध कराई रिपोर्ट दर्ज

प्रदीप पण्डित पब्लिक एशिया

बुलंदशहर » अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव खुशरुपुर निवासी सुंदर पुत्र भीमसेन की पत्नी ने लगाया दहेज उत्पीड़न का आरोप मुकदमा कराया दर्ज। प्राप्त जानकारी के अनुसार पायल पवार पुत्री शिवपाल सिंह निवासी गांव सदल्लापुर थाना इकोटेक 3 तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर ने अपनी पुत्री की शादी सुंदर निवासी खुशरूपुर से हिंदू रीति-रिवाज से की थी। जिसमें बताया गया है कि शादी में लगभग नगद सात लाख रुपए, 14 तोले सोना, डेढ़ किलो चांदी एवं सारा इलेक्ट्रॉनिक और फर्नीचर का सामान शादी में दिया था। लेकिन शादी के कुछ दिन बाद से ही अतिरिक्त दहेज को लेकर घर में क्लेश चल रहा था। उधर पायल ने बताया कि मेरा पति पुलिस में कार्यरत है जो कि मैं अपने पति के साथ रहना चाहती हूं, लेकिन मेरे सुसरालीजन उनके साथ रहने नहीं देते। इसी बात को लेकर मेरे सास ससुर जेठ जेठानी पति द्वारा मारपीट कर उत्पीड़न करते हैं, और मुझे घर से निकाल दिया गया। अब मैंने एसएसपी को लिखित शिकायत देकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उधर थाना प्रभारी निरीक्षक अहमदगढ़ प्रेमचंद शर्मा ने बताया है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर महिला की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। उक्त मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

एसएसपी ने परेड की सलामी के बाद किया लाइन की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण

पब्लिक एशिया संवाददाता

बुलंदशहर » सिविल लाइन में शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने परेड की सलामी ली, वहीं परेड का निरीक्षण कर कर्मचारियों का टर्न आउट चैक किया गया। एसएसपी ने थाना पुलिस का दंगा नियंत्रण यंत्रों के साथ तैयार होने का रेस्पास टाइम चैक किया गया एवं शस्त्रों को खोलना, अग्निशामक यंत्र प्रयोग करना, येलो टेप से घटनास्थल को संरक्षित करने आदि कवायद कराई गई। परेड में सम्मिलित थानों की गाड़ियों एवं पीआरवी, डायल-112 की गाड़ियों का निरीक्षण कर नाइट चैकिंग रजिस्टर चेक किया गया। और पीआरवी गाड़ी पर मेडिकल किट, घटनास्थल को सुरक्षित करने हेतु येलो टेप, रेस्पांस टाइम को कम करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। तत्पश्चात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने पुलिस लाइन में विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया, तथा आदेश कक्ष में संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिसार निरीक्षक को पुलिस लाइन परिसर में हमेशा स्वच्छता रखने, सरकारी संपत्ति की देखभाल करने व अभिलेखों को अध्यावधिक कर संभालकर रखने सहित सरकारी वाहनों की समय-समय पर मेंटेनेंस, चैकिंग करने आदि आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। परेड के दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी नगर ऋजुल, प्रतिसार निरीक्षक एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

पृथ्वीराज चौहान की जयंती के मौके पर विचार गोष्ठी व शोभायात्रा का आयोजन

गजरौला » सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती के अवसर पर क्षत्रिय सभा के तत्वाधान में एक विचार गोष्ठी व शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की झांकियों के साथ साथ अनेकों की

संख्या में ट्रैक्टर ट्राली, निजी वाहनों में चौहान समाज के लोग सम्मिलित रहे। नगर के बस्ती स्थित (अवंतिका पार्क) में आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि नौगावां सादात की पूर्व विधायक संगीता चेतन चौहान ने कहा कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आंतकी ठिकानों को नष्ट करने का काम किया है, जिसकी जितनी सराहना की जाए वह कम ही कम है। कहा कि आज चौहान समाज देश के हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रहा है। हमें एकजुट होकर इसी लय में काम करते हुए समाज को मजबूत करते हुए देश को आगे बढ़ाना है। विचार गोष्ठी में पूर्व मंत्री मदन चौहान, महेंद्र सिंह ठेकेदार, जगतपाल चौहान, सुनील चौहान, वीर सिंह भगत, नितिन चौहान, सोमपाल सिंह, बंटी चौहान, विक्रांत चौहान, पवन चौहान, कलवा चौहान, अशोक चौहान, जितेन्द्र चौहान, गजेंद्र सिंह, कमल सिंह, ध्रुव चौहान, चमन चौहान, राजकुमार अग्रवाल, आलोक चौहान, राजीव राजपूत आदि मौजूद रहे। गोष्ठी के बाद एक शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें सम्राट पृथ्वीराज चौहान की झांकी के साथ साथ अन्य झांकिया भी सम्मिलित रहीं। शोभायात्रा पार्क से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों पर घूमते हुए चौहानपुरी पहुंचकर समाप्त हो गई। सुरक्षा के द्रष्टिगत पुलिस बल मौजूद रहा।

सांसद-विधायक ने निकाली तिरंगा यात्रा, गूंजा भारत माता की जय

पब्लिक एशिया ब्यूरो

गजरौला » ऑपरेशन सिंदूर को लेकर शुक्रवार की सुबह को शहर में भाजपा के द्वारा एक तिरंगा यात्रा भारतीय शौर्य के नाम से यात्रा निकाली गई। जिसमें सांसद कंवर सिंह तंवर, विधायक राजीव तरारा व जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी व अन्य भाजपाई शामिल रहे। नगर के शिव इंटर कालेज से शुरू हुई यात्रा पूरे शहर में घूमी। एक बड़े तिरंगे को लेकर जनप्रतिनिधि चल रहे थे और अन्य लोगों के हाथ में तिरंगे व ऑपरेशन सिंदूर की तख्तियां थीं। यात्रा के दौरान भारत माता की जय का नारे भी गूंजते रहे। यहां पर ब्लाक प्रमुख पति वीरेंद्र सिंह, धर्मेंद्र उर्फ लालू, ऋषिपाल नागर, रामरतन सिंह, पूरन सिंह सैनी, चंद्रपाल भाटी, दीपाली गंगवार, दीपक गंगवार, डॉ राजीव शुक्ला, विचित्र भाटी तेजपाल सिंह,आयुष चौधरी, निहार त्यागी, विपिन सागर, राजीव चौहान, सत्यपाल सिंह पाल, सुनील गुप्ता आदि मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन शंकर का बिजली को लेकर प्रदर्शन

पब्लिक एशिया ब्यूरो

गजरौला » डिडौली थाने के गांव सिवौरा में बिजली की समस्या को लेकर बिजली घर पर संदीप पंवार के आवाहन पर धरने का आयोजन किया गया जिसमें धरने का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने किया। सिवौरा बिजली घर पर एक घंटे बिजली आती है और दो घंटे के भाग जाती हैं उस एक घंटे के बीच में भी कई बार भागती है जिससे किसानों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है किसानों की खेती सूख रही है लेकिन अधिकारियों पर कोई भी फर्क नहीं पड़ रहा है।

किसानों को परेशान होकर आज धरना प्रदर्शन करना पड़ा जिसमें मौके पर पहुंचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने किसानों की समस्याओं के बारे में उच्च अधिकारियों से बातचीत करके जल्द समस्याओं का निस्तारण करने आ आश्वासन लिया चौधरी दिवाकर सिंह ने अधीक्षण अभियंता सुनील कुमार से फोन पर बात करके साफ साफ कह दिया कि सिहोरा बिजली घर पर डबल ग्रुप सप्लाई करते हुए कटौती मुक्त किया जाए जिससे सभी किसानों की सिंचाई हो सके ,अगर किसानों की समस्याओं का निस्तारण नहीं किया गया तो अधीक्षण अभियंता के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।अधीक्षण अभियंता ने जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया जिसके बाद धरने के समापन की घोषणा की गई। धरने नरेश भगत , मदन सिंह प्रधान ,महीपाल, नन्हे सिंह ,राममनोहर

सिंह अतुल कुमार प्रधान महीपाल कुलदीप सिंह मोनू सिंह प्रदीप सिंह वसीम राकेश रतनपुर चमन सिंह चरण सिंह सहसपाल चौधरी धर्मवीर सिंह नेमपाल अखक्तब,अशोक रानी जरीना बेगम रामपाल सिंह,संदीप पंवार, ,जयवीर सिंह गुर्जर ,विक्रम सिंह पंवार,अंकित पंवार,सचिन मौर्य,राजवीर सिंह,जितेंद्र पंवार,पप्पू सिंह,हेमपाल सिंह,नरेंद्र सिंह, अरविन्द पंवार आदि सैकड़ों किसानों मौजूद रहे।

अपहरण नहीं, प्यार का फैसला है

नेम ने छोड़ा घर, पत्नी मंतशा के साथ रहने का लिया निर्णय

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बुलंदशहर »भमरा, गुलावठी निवासी नईम पुत्र मौज खान ने समाज और परिवार की बंदिशों को तोड़ते हुए अपनी पत्नी मंतशा के साथ जीवन गुजारने का बड़ा फैसला लिया है। जानकारी के अनुसार नईम की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार थाना मसूरी क्षेत्र की ताज कॉलोनी, गाजियाबाद निवासी शमशाद अली की पुत्री मंतशा से दहेज के साथ संपन्न हुई थी।

शादी के बाद मंतशा करीब पांच महीने तक ससुराल में रही। लेकिन इस बीच ससुरालियों द्वारा उसके साथ मारपीट की गई, और उसे मायके वापस भेज दिया गया। इसके बाद नईम को अपनी पत्नी से मिलने तक नहीं दिया गया, और उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया गया। जब भी नईम मिलने की कोशिश करता, तो उसके साथ मारपीट की जाती। मंतशा के परिजनों ने इसकी शिकायत थाना मसूरी में की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।काफी समय तक संघर्ष करने के बाद अब नईम ने अपने अधिकार का उपयोग करते हुए स्वयं का फैसला लिया, और अपने ससुराल पहुंचकर पत्नी मंतशा के साथ रहने लगा है। उसका कहना है कि अब वह अपने माता-पिता और परिवार से अलग होकर अपनी पत्नी के साथ ही जीवन बिताना चाहता है। वह किराए के मकान में मंतशा के साथ रह रहा है। वह अपनी जिंदगी शांतिपूर्वक जीना चाहता है।

इधर नईम के परिवार ने थाना गुलावठी में शिकायत दर्ज कराई कि नईम का अपहरण हो गया है। इस पर नईम ने एक वीडियो जारी कर ट्वीट के माध्यम से यूपी पुलिस और बुलंदशहर पुलिस को स्पष्ट कर दिया है कि उसका कोई अपहरण नहीं हुआ है। वह अपनी मर्जी से अपनी पत्नी के पास आया है, और अपने माता-पिता से अपील की है कि वे उस पर अत्याचार न करें और उसके जीवन में दखल न दें।नईम ने कानून और समाज से भी अपील की है कि उसे स्वतंत्र रूप से अपनी जिंदगी जीने का अधिकार दिया जाए, और अनावश्यक हस्तक्षेप न किया जाए। यह मामला प्रेम, अधिकार और सामाजिक हस्तक्षेप के बीच टकराव का उदाहरण बनता जा रहा है।

पुलिस ने 167 गम व खोए हुए मोबाइल को उनके स्वामियों को किया वापस

पब्लिक एशिया संवाददाता

बुलंदशहर » सर्विलांस टीम द्वारा गुम, खोए हुए कुल 167 मोबाइल फोन जिनकी कीमत करीब 35 लाख रुपये है को बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किये गये। पुलिस की इस कार्रवाई की लोगों ने की भूरि भूरि प्रसंशा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर के आदेशानुसार व अपर पुलिस अधीक्षक अपराध के निर्देशन में सर्विलांस सैल द्वारा गुम, खोए हुए मोबाइल की रिकवरी हेतु एक ऑनलाइन पोर्टल बनाया गया था। जिसमें क्यूआर कोड व लिंक के माध्यम से जनपद बुलन्दशहर में गुम/खोए हुए मोबाइलों के सम्बंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। सर्विलांस टीम द्वारा ऑनलाइन पोर्टल से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 167 मोबाइल बरामद किए

गए हैं। बरामद मोबाइलों को आज शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर एवं अपर पुलिस अधीक्षक अपराध तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा मोबाइल स्वामियों को सुपुर्द किया गया। मोबाइल स्वामियों द्वारा बुलन्दशहर पुलिस का आभार व्यक्त किया गया। तथा आम जनमानस द्वारा इस सराहनीय कार्य हेतु बुलन्दशहर पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है।

चलती कार में गैंग रेप के आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

प्रदीप पण्डित, पब्लिक एशिया

खुर्जा » एक नाबालिग लड़की के साथ बीते 6 मई को चलती कार में गैंग रेप करने का मामला सामने आया था, जिसके बाद थाना खुर्जा नगर कोतवाली पुलिस ने बीते 7 मई को गैंग रेप के मामले में मुकदमा दर्ज किया था। जिसके बाद पुलिस दरिंदों की तलाश में जुट गई, फिर मुखबिर खाश की सूचना पर बीते 10 मई को दरिंदों का पुलिस से आमना-सामना हुआ है। गोलीबारी के बाद दो आरोपी घायल हालत में गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि तीसरे को घेराबंदी कर पुलिस ने दबोच लिया। घटना ने न सिर्फ बुलंदशहर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था।

मिली जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद निवासी गौरव और सूरजपुर निवासी संदीप नाम के दो आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान गोली लगी थी। वहीं तीसरा आरोपी अमित को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया था। आज पुलिस ने उन दरिंदो की मदद के आरोप में उनके चौथे साथी रिंकू निवासी खुर्जा नगर को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि बीते 10 मई को जेल गए तीनों दरिंदों द्वारा मिलकर ग्रेटर नोएडा से एक नाबालिग लड़की और उसकी सहेली को नौकरी का झांसा देकर बुलाया गया था। दोनों को कार में बैठाकर मेरठ की ओर ले जाया गया। इसी दौरान, आरोपियों ने चलती कार में नाबालिग के साथ दरिंदगी की, और यहीं नहीं रुके दरिंदे...उन्होंने नाबालिग की सहेली को विरोध करने पर चलती कार से मेरठ के पास धक्का देकर बाहर फेंक दिया। हादसे में लड़की की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस दरिंदगी से किसी तरह बच निकली पीड़िता ने खुर्जा पहुंचकर थाने में पूरी आपबीती पुलिस को बताई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। वही आज पूरे मामले में जानकारी देते हुए बुलंदशहर के एसपी देहात डॉ तेजवीर सिंह ने बताया कि आज थाना खुर्जा नगर कोतवाली पुलिस ने उक्त प्रकरण में चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस पर आरोपियों को संरक्षण देने और मदद करने का भी आरोप है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है।

मां गंगा जन्मोत्सव सफलता से संपन्न होने पर आभार जताया, मां गंगा का वैदिक रीति रिवाज से किया गया दुग्ध अभिषेक

मानव कल्याण विश्व शांति और देश में खुशी की कामना हुई

» जन्मोत्सव समिति के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ शामिल रही

कुलदीप शर्मा , पब्लिक एशिया

बृजघाट » मां गंगा जन्म उत्सव समिति ने मां गंगा मैया का दुग्ध अभिषेक करते हुए देश में खुशहाली विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की मुक्तिधाम ब्रजघाट में शनिवार को गंगा जन्मोत्सव समिति ने मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया में वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच दुग्धाभिषेक और पूजा अर्चना की। अध्यक्ष देवेश शर्मा सोनू ने मंत्री टोनू सिंह, कोषाध्यक्ष महेश गोयल, सभासद अरुण गौड़, संचालक कपिल शर्मा, समेत विभिन्न अनुष्ठानों को आई श्रद्धालुओं के साथ मिलकर हर हर गंगे के जयकारों के बीच मंत्रोच्चारण के साथ मां गंगा का पूजन और दुग्ध अभिषेक किया। ईसके बाद समिति द्वारा भंडारे का आयोजन कर स्थानीय लोगों समेत हजारों गंगा भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।ऋषभ राठौर, बृजलाल गिरि, उमेश भारती, राजू भंडारी, दीपक कुमार, रविंद्र गोयल, पूर्व सभासद ओमप्रकाश पहलवान, ओमी चाचा, विकास यादव समेत कमेटी के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी समेत सैकड़ो गंगा भक्त मौजूद रहे।

तीर्थनगरी ब्रजघाट में अतिक्रमण का फैला जाल,श्रद्धालु बेहाल, अधिकारी अनजान

» लाखो खर्च होने के बाद भी नहीं मिली अतिक्रमण से मुक्ति, सड़क तक दुकान सजाकर रखते हैं दुकानदार, आवाजाही में होती है परेशानी

कुलदीप शर्मा , पब्लिक एशिया

बृजघाट » तीर्थ नगरी में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु गंगा स्नान आदि के लिए आते हैं। इसके अतिरिक्त पूर्णिमा, अमावस्या अथवा अन्य किसी पर्व पर यह संख्या लाखों में तब्दील हो जाती है। धार्मिक नगरी के रूप में अपनी पहचान रखने वाली इस तीर्थ नगरी में अतिक्रमण के कारण यहां आने वाले श्रद्धालुओं एवं लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। हाईवे से लेकर मुख्य बाजार में अतिक्रमण के कारण यहां से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। कई बार तो सामने से वाहन आने पर यहां जाम के हालात तक बन जाते हैं। इससे लोगों को चंद कदमों की दूरी तय करने में काफी समय लगता है इसके अतिरिक्त पूर्णिमा हरिद्वार के उत्तराखंड में जाने के बाद तीर्थ नगरी ब्रजघाट को मिनी हरिद्वर की तर्ज पर विकसित

किया जा रहा है। यहां हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली प्रदेश सहित मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, मुरादाबाद, तक श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए एवं अमावस्या, पूर्णिमा ,अन्य किसी पर्व पर यह संख्या लाखों में बदल जाती है। तीर्थ नगरी के विकास में सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। इसमें पक्का घाट, आरती स्थात, पार्किंग, रंगीन लाइट, लेजर शो आदि का निर्माण कराया गया है। लेकिन अतिक्रमण के कारण तीर्थ नगरी में आने वाले लोगों को गंगा पुल के पास हाईवे किनारे खड़े ठेले पटरी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है। दुकानों के आगे कई फिट तक सामान को रख दिया जाता है। इसके अतिरिक्त ठेली पटरी वाले लोग मनचाही जगह खड़े हो जाते हैं। कई बार तो वह बीच सड़क पर ही सामान बेचना शुरू कर देते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहन चालक उनको हार्न के माध्यम से ठेला आदि हटाने का संकेत देते हैं, लेकिन वह किसी की भी सुनने को तैयार नहीं होते। कई मार्ग पर तो अतिक्रमण के कारण यह हालात हो गए हैं कि यदि सामने से कोई दूसरा वाहन आ जाएं तो वहां जाम लगना तब है। मुख्य बाजार फौहारा चौक,होली चौक, शिव चौक,में अतिक्रमण के साथ ओवरब्रिज पर ठेली पटरी वालों ने अपना कब्जा जमाया हुआ है। यह ठेलों के साथ ही सड़क पर कुर्सी एवं मेज तक लगा देते हैं।

क्या कहते हैं जिम्मेदार ---

गढ़ पालिका अधिशासी अधिकारी पवित्रा त्रिपाठी ने बताया पहले अतिक्रमणकर्ता को नोटिस भेजकर सूचित किया जाएगा की वह अपने प्रतिष्ठानो से स्वमं अतिक्रमण हटा लें इसके बाद भी अगर अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो उसके बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा जिसका आने वाला खर्चा भी स्वमं अतिक्रमण धारक का होगा।

जम्मू-कश्मीर में सेना और पुलिस ने मिलकर 6 आतंकवादियों को मार गिराया

श्रीनगर (एजेंसी)। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां एक संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि दो अलग-अलग ऑपरेशन में महज 48 घंटों में संयुक्त बलों ने छह आतंकवादियों को मार गिराया।

संयुक्त प्रेस वार्ता को आईजीपी (कश्मीर) वी.के. बिरदी कुमार, मेजर जनरल धनंजय जोशी (जीओसी, विक्टर फोर्स) और आईजी सीआरपीएफ मितेश जैन ने संबोधित किया।

आईजीपी (कश्मीर) कुमार ने कहा कि सेना द्वारा जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के समन्वय से केलार, शोपियां और त्राल में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों के तहत घाटी में 6 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

उन्होंने कहा, 'कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों में वृद्धि के मद्देनजर यहां तैनात सभी सुरक्षा बलों ने अपनी रणनीतियों की समीक्षा की। इस समीक्षा के बाद, ऑपरेशन पर गहन ध्यान केंद्रित किया गया। इस गहन ध्यान और समन्वय के आधार पर, हमने पिछले 48 घंटों में दो सफल ऑपरेशन किए, जिसके दौरान हमें महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली।'

शोपियां और त्राल इलाकों के केलार में ये दोनों ऑपरेशन किए गए, जिसके परिणामस्वरूप कुल छह आतंकवादी मारे गए।

आईजीपी कश्मीर ने कहा, 'हम कश्मीर घाटी में आतंकी इको सिस्टम को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

मेजर जनरल धनंजय जोशी (जीओसी, विक्टर फोर्स) ने केलार और त्राल इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में विस्तार से बताया और इन दो ऑपरेशनों के दौरान संयुक्त बलों के सामने आई चुनौतियों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, '12 मई को, हमें केलार के ऊंचे इलाकों में एक आतंकवादी समूह की संभावित मौजूदगी की सूचना मिली। 13 मई की सुबह, कुछ हलचल का पता चलने पर हम वहां पहुंचे। हमने उन्हें ललकारा जिसके बाद वहां से जवाबी गोलीबारी की गई। इसके बाद हमारी सेना ने उन्हें मार गिराया। त्राल इलाके में दूसरा ऑपरेशन एक गांव में किया गया। जब हम इस गांव की घेराबंदी कर रहे थे, तो आतंकवादी अलग-अलग घरों में छिप गए और हम पर गोलीबारी की। इस समय, हमारे सामने चुनौती नागरिक ग्रामीणों को बचाने की थी।'

उन्होंने आगे कहा, 'इसके बाद, तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। मारे गए छह आतंकवादियों में से एक, शाहिद कुट्टाय, दो बड़े हमलों में शामिल था, जिसमें एक जर्मन पर्यटक पर हमला भी शामिल था।' मेजर जनरल धनंजय जोशी ने कहा, 'उसका फंडिंग गतिविधियों में भी हाथ था।'

पहलगाम आतंकी हमले के बाद, संयुक्त बलों ने जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफअपने अभियान को तेज कर दिया है। आतंकी हमले के बाद, भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें सटीक हमलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 9 आतंकी ढांचों को नष्ट कर दिया और पाकिस्तान में प्रमुख ठिकानों पर लगभग 100 आतंकी गुर्गो को मार गिराया।

इसमें जैश का मुख्यालय बहावलपुर और लश्कर का प्रमुख प्रशिक्षण अड्डा मुरीद के शामिल थे। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से आम नागरिकों को निशाना बनाकर हमले किए गए। तनाव काफी बढ़ गया था इस बीच दोनों देशों ने युद्ध विराम की घोषणा की।

जिस विमान में बैठने वाले थे राहुल गांधी उस विमान में शख्स के पास मिला जिंदा कारतूस, एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

पटना (एजेंसी)। गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी एक दिवसीय बिहार दौरे पर आए थे। शाम साढ़े पांच बजे अपने पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत वे दिल्ली लौट गए। लेकिन इससे पहले पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तब हड़कंप मच गया, जब सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के हैंडबैग से दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। यह यात्री उसी फ्लाइट से दिल्ली जा रहा था, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी सवार होने वाले थे। यात्री का नाम मोहम्मद इम्तियाज है जो गोपालगंज का रहने वाला है। हालांकि जांच में कारतूस का लाइसेंस वैध पाया गया, लेकिन इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड पर ला दिया था। जानकारी के अनुसार पटना एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों ने एक यात्री, मोहम्मद इम्तियाज के हैंडबैग से दो जिंदा कारतूस बरामद किए। इम्तियाज इंडिगो की फ्लाइट 6ई-245 से दिल्ली के लिए यात्रा करने वाला था, जिसमें राहुल गांधी भी सवार होने वाले थे। राहुल गांधी पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के बाद दिल्ली लौट रहे थे। जब इम्तियाज की जांच हुई तो पता चला कि इम्तियाज के पास कारतूस का वैध लाइसेंस था जो उसने अपने पिता के नाम पर जारी हथियार के लिए दिखाया। उसने बताया कि उसने जल्दबाजी में कारतूस को अपने बैग में रख लिया था। पुलिस ने प्राथमिक जांच के बाद उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया क्योंकि उसकी कोई आपराधिक मंशा नहीं पाई गई। उधर कारतूस मिलने की खबर के बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई तथा फ्लाइट को 30 मिनट की देरी से रवाना किया गया।

एसएससी भर्ती मामला : शिक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन, पुलिस से झड़प में कई घायल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एसएससी भर्ती मामले में सीएम ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ शिक्षकों ने विकास भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक पूरी नियुक्ति प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई है। गुरुवार रात, विकास भवन के सामने प्रदर्शन कर रहे एसएससी शिक्षकों और पुलिस कर्मियों के बीच झड़प हो गई जिसके बाद पुलिस ने भारी भीड़ को तितर-बितर करने लाठीचार्ज किया जिसमें कई शिक्षक घायल हो गए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बेरोजगार हुए शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने गुरुवार को साल्ट लेक में राज्य शिक्षा विभाग के मुख्यालय की घेराबंदी करने के लिए रेलिंग के घेरे को तोड़ दिया और लोहे के गेट तोड़ दिए। उन्होंने विकास भवन के सैकड़ों कर्मचारियों को 8 घंटे से ज्यादा समय तक बंधक बनाए रखा, जब तक कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए रात 8 बजे से बल प्रयोग करना शुरू नहीं कर दिया। कई प्रदर्शनकारियों को खून से लथपथ देखा गया और उन्होंने शिकायत की कि पुलिस ने उन्हें डंडों से मारा, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने सुबह से ही उल्लेखनीय ऊसंयमऊ दिखाया और सबसे पहले उन पर ईंटों से हमला किया गया। हालांकि कुछ बंधकों को समूहों में निकाल लिया गया, लेकिन प्रदर्शनकारियों के वापस लौटने के कारण कई लोग इमारत में ही फंस गए। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार दोपहर 3 बजे विकास भवन के सामने एक सामूहिक सम्मेलन की घोषणा की। कुछ आंदोलनकारी अभी भी परिसर के अंदर थे। पुलिस तैनात है।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने पकड़ी 4 करोड़ की ड्रग्स, दो सप्लायर दबोचे

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने नशे के सौदागरों के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। क्राइम ब्रांच की यूनिट 5 ने जोगेश्वरी इलाके में दो ड्रग्स सप्लायरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस ड्रग्स की कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच की टीम को जोगेश्वरी बस डिपो के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों पर शक हुआ। तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स मिला। दोनों आरोपियों के खिलाफ अंबोली पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच अब इस बात की गहन जांच कर रही है कि यह ड्रग्स कहां से लाया गया था और इसे किन-किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। पुलिस को शक है कि यह एक बड़े ड्रग्स रैकेट का हिस्सा हो सकता है। बता दें कि पिछले माह अप्रैल में भी क्राइम ब्रांच को मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाके में एक बड़ी सफलता हाथ लगी थी। तब 'ड्रग्स क्वीन' के नाम से कुख्यात सबीना शेख को भारी मात्रा में कोकीन और नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया। मीरा-भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच यूनिट-1 (काशीमीरा) की इस कार्रवाई में कुल 14.868 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 22.33 करोड़ रुपए आंकी गई थी।

राजद के पोस्ट पर बीजेपी की पलटवार, अनपढ़ तेजस्वी के पूरे वंश को ट्यूशन पढ़ा सकते विजय सिन्हा

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा पर तीखा हमला बोला है। राजद ने उन्हें बुड़बक और बैल से भी कम बुद्धि वाला जैसे शब्दों से संबोधित कर आलोचना की है। वहीं बीजेपी ने पलटवार कर कहा है कि सिन्हा की शैक्षणिक योग्यता इतनी उच्च है कि वे तेजस्वी यादव के पूरे वंश को ट्यूशन पढ़ा सकते हैं। राजद की ओर पोस्ट में लिखा गया है, जो पार्टी इसतरह के मंदबुद्धि बकैतों के भरोसे हो, उस पार्टी में सचमुच ढंग के नेताओं का अकाल पड़ गया होगा! ये महाशय बिहार के उपमुख्यमंत्री हैं, पर ये भी तेजस्वी के ही भरोसे हैं। बीजेपी-जेडीयू में निर्बुद्धि नेता भरे पड़े हैं। बिहार के नेता हैं तो बस तेजस्वी।

फोटो में कहा गया है कि घोंचू सिन्हा शहीद को सम्मान देने नहीं पहुंचे और पूछने पर कहा कि तेजस्वी ने बताया नहीं। राजद के इस पोस्ट को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज है।

जबरन वसूली मामले में अरुण गवली बरी

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डान अरुण गवली को 2008 के जबरन वसूली मामले में बरी कर दिया गया है। सरकारी पक्ष गवली के खिलाफ आरोप साबित करने में असमर्थ रहा, उसे विशेष मकोका अदालत ने बरी कर दिया, लेकिन अरुण गवली फ़िलहाल जेल में ही रहेगा। दरअसल अरुण गवली शिवसेना के नगरसेवक कमलाकर जामसांडेकर की हत्या के मामले में सजा काट रहा है। शिवसेना नेता कमलाकर जामसांडेकर की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहे कुख्यात गैंगस्टर अरुण गवली को विशेष मकोका अदालत ने 2008 के जबरन वसूली मामले में बरी कर दिया। हालाँकि, अरुण गवली कमलाकर जामसांडेकर की हत्या के मामले में नागपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। इसलिए, भले ही जबरन वसूली के मामले में उसे बरी कर दिया गया हो, फिर भी गवली को जेल में ही रहना होगा। मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने जबरन वसूली के मामले में अरुण गवली, उसके छोटे भाई विजय अहीर और टीम के पांच सदस्यों को भी बरी कर दिया। इस मामले में कुल नौ आरोपी शामिल थे। हालाँकि, उनमें से एक की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि दूसरा निर्दोष साबित होने वाला गवाह बन गया। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (एमओसीसीए) के तहत गठित विशेष अदालत के न्यायाधीश बी.डी. शेल्के ने कहा कि सरकारी पक्ष अरुण गवली और अन्य आरोपियों के खिलाफ जबरन वसूली का आरोप साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। इसलिए उन्होंने अभियुक्त को बरी करने का आदेश दिया। अदालत ने आदेश में यह भी कहा कि गवली और अन्य आरोपियों को अधिनियम के तहत अपराधों के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए, अरुण गवली और अन्य आरोपियों को जबरन वसूली के मामले में बरी कर दिया गया। हालाँकि, जामसांडेकर हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद गवली को अपना बाकी जीवन जेल में ही बिताना होगा।

ममता को सुप्रीम कोर्ट से फटकार, तत्काल कर्मचारियों को 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता का बकाया भुगतान करे

-तीन महीने के भीतर भुगतान पूरा करने का निर्देश

कोलकाता (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को राज्य कर्मचारियों को 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने आदेश देकर ममता सरकार को तीन महीने के भीतर भुगतान पूरा करने का निर्देश दिया। आदेश के तहत, बंगाल सरकार को अपने कर्मचारियों को बकाया डीए का 25 प्रतिशत हिस्सा शीघ्र भुगतान करना होगा। मामले की अगली सुनवाई अगस्त में तय की गई। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला राज्य कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदू अधिकारी ने इस पर खुशी जाहिर कर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मैं सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस करोल और संदीप मेहता के पश्चिम बंगाल सरकार को दिए गए निर्देश का स्वागत करता हूं, इसमें उन्होंने ममता सरकार को तुरंत 25 प्रतिशत बकाया डीए (महंगाई भत्ता) कर्मचारियों को देने को कह दिया है। उन्होंने लिखा, यह फैसला बंगाल सरकार के कर्मचारियों की बहुत बड़ी जीत है। ये वहीं कर्मचारी हैं जो लंबे समय से राज्य सरकार की कठोरता और अन्याय के खिलाफ लड़ रहे थे, पहले ट्रिब्यूनल और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचकर अपनी लड़ाई जारी रखी। भाजपा से संबद्ध कर्मचारी परिषद (राष्ट्रवादी पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों का संघ) ने कानूनी लड़ाई में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इस जीत के लिए संगठन के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों को बधाई, जिन्होंने ममता सरकार के दमन के खिलाफ आवाज उठाई।

अब थरुर के राह पर चल पड़े वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम !

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरुर पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। थरुर के बाद अब कांग्रेस के एक और दिग्गज नेता पी चिदंबरम ने भी थरुर के रास्ते पर चल पड़े हैं। चिदंबरम ने हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिखकर ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर केंद्र सरकार के फैसलों की सराहना की है। इससे एक कदम और आगे बढ़ते हुए उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ तैयार विपक्षी एकजुटता (इंडिया गठबंधन) के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर दिया। उनके इस कदम के बाद सियासी गलियारे में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

चिदंबरम ने गुरुवार को इंडिया गठबंधन की स्थिरता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं कि यह गठबंधन अभी भी बरकरार है। उन्होंने यह टिप्पणी दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में की।चिदंबरम ने कहा, इस किताब के लेखर मृत्युंजय सिंह यादव का मानना है कि इंडिया गठबंधन अब भी कायम है। इस बात पर मुझे यकीन नहीं है। शायद सलमान खुर्शीद इसका जवाब दे सकते हैं, क्योंकि वह इंडिया गठबंधन की बातचीत टीम का हिस्सा थे। अगर गठबंधन पूरी तरह कायम है तो मुझे बहुत खुशी है, लेकिन यह बहुत मजबूत नहीं लगता। हालांकि इसे अभी भी जोड़ा जा सकता है, समय है, घटनाएं अभी और घटेंगी।अपने लंबे राजनीतिक अनुभव को साझा करते हुए चिदंबरम ने कहा कि गठबंधन केवल चुनावी वक्त पर नहीं बनाए जा सकते। उन्होंने कहा, मेरा गठबंधनों को लेकर नजरिया अलग है। तमिलनाडु में लंबे अनुभव से मैंने सीखा है कि गठबंधन चुनाव के समय नहीं बनते, उन्हें पांच साल तक पोषित करना पड़ता है। देश में केवल दो राज्य हैं जहां यह मॉडल सफल रहा है वे हैं केरल और तमिलनाडु। वहां गठबंधन हार और जीत दोनों में एक साथ रहे हैं। इस मौके पर पुस्तक के सह-लेखक और पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि इंडिया गठबंधन को बरकरार रखना सभी दलों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, अगर आप किसी पार्टी के साथ गठबंधन करना चाहते हैं, तो उसे बार-बार अपमानित या दबाव में नहीं डाल सकते। किताब में कई उदाहरण दिए गए हैं, जहां हमारी संवेदनाओं को नजरअंदाज किया गया।

काला हिरण शिकार केस में सैफ,नीलम,तब्बू, सोनाली की मुश्किलें बढ़ीं

जोधपुर। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में काले हिरण के शिकार मामले में लीव-टू-अपील दाखिल की। इसमें एक्टर सैफ अली खान, एक्ट्रेस तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की अदालत ने मामले को अन्य संबंधित केसों के साथ सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। एडवोकेट महिपाल विश्नोई के अनुसार, 1 अक्टूबर 1998 को जोधपुर के कांकाणी गांव में फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान काले हिरण का शिकार किया गया था। प्रकरण में ट्रायल कोर्ट ने 5 अप्रैल 2018 को अभिनेता सलमान खान को दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। अब सरकार की लीव-टू-अपील स्वीकार होने पर इन सभी के खिलाफ मामले में फिर से सुनवाई होगी। राज्य सरकार की अपील में ट्रांसफर पिटीशन की अनुमति और एक्टर सलमान खान की सजा से जुड़े मामले को भी शामिल किया जाएगा। मामले की सुनवाई 28 जुलाई को होगी, जिसमें सभी संबंधित केसों पर एक साथ सुनवाई होगी।

गौरव भाटिया ने सपा नेता के बयान को बताया निंदनीय, कहा- सेना का अपमान सहन नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने समाजवादी पार्टी पर देश विरोधी और जातिवादी बयानों का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा का रवैया न केवल राष्ट्रहित के खिलाफ है, बल्कि यह समाज को बांटने और जातिगत विषैलापन फैलाने का भी प्रयास कर रहा है।

गौरव भाटिया ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के अपमान का मुद्दा उठाते हुए सपा नेतृत्व से जवाब मांगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

भाटिया ने कहा, 'पाकिस्तान को हमने सबक सिखाया है, लेकिन दूसरी ओर समाजवादी पार्टी लगातार देश विरोधी बयानबाजी और अब जातिगत टिप्पणियों में लिप्त है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को हमारी बहन, देश की शान विंग कमांडर व्योमिका सिंह का नाम तक नहीं पता। वे उन्हें 'दिव्या सिंह' कह रहे हैं। यह हमारी सेना और उसकी वीरांगना का अपमान है। सेना का कोई धर्म या जाति नहीं होती, केवल एक धर्म होता है और वह है भारत। फिर भी सपा बार-बार जाति की बात उठाकर समाज को विभाजित करने का प्रयास कर रही है।'

भाटिया ने सवाल उठाते हुए कहा, 'क्या अखिलेश यादव रामगोपाल यादव के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे? मुझे इसकी कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि सपा की मानसिकता ही देश विरोधी और समाज को तोड़ने वाली है। सपा का यह रवैया इसलिए है, क्योंकि वे नहीं चाहते कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति करे।'

उन्होंने इंडिया ब्लॉक पर भी तीखा हमला बोला। भाटिया ने कहा, 'यह गठबंधन वास्तव में एक 'ठगबंधन' था, जो भारत विरोधी मानसिकता की प्रयोगशाला में तैयार हुआ। इसका एकमात्र उद्देश्य पीएम मोदी को गाली देना और देश को कमजोर करना था। इसमें न नीति थी, न नेतृत्व, न ही देशहित का कोई विजन।'

उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कर्नाटक के विधायक मंजुना के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर सवाल उठाने को सेना के शौर्य का अपमान बताया। भाटिया ने कहा, 'कांग्रेस और उसके नेताओं को भारतीय सेना पर भरोसा नहीं है। यह उनकी देश विरोधी मुहिम का हिस्सा है।'

भाटिया ने विपक्ष से अपील की कि वे अपना 'भारत विरोधी चश्मा' उतारें और समाज को बांटने वाली राजनीति छोड़ें। उन्होंने कहा, 'देश की सेना, उसकी वीरांगनाएं और हमारी एकता हमारी ताकत हैं। इनका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विपक्ष के नेताओं को इस तरह के बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा जनता इसका जवाब देगी।'

विंग कमांडर व्योमिका सिंह की जाति वाले अपने बयान पर रामगोपाल ने दी सफाई

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रामगोपाल यादव ने ऑपरेशन सिंदूर में भारत की आवाज बनी विंग कमांडर व्योमिका सिंह की जाति को लेकर की गई टिप्पणी पर हुए विवाद के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए सफाई दी। इस पोस्ट में उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा।

सपा नेता रामगोपाल यादव ने लिखा, ''उत्तर भारत के कुछ राज्यों, खासकर उत्तर प्रदेश में, जहां धर्म, जाति और वर्ग के आधार पर लोगों पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं, जाति-धर्म के आधार पर एनकाउंटर हो रहे हैं और जाति-धर्म के आधार पर गैंगस्टर एक्ट लगाकर संपत्ति जब्त की जा रही है, जाति-धर्म और वर्ग के आधार पर महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। वहीं जाति-धर्म के आधार पर कर्मचारियों और अधिकारियों की तैनाती की जा रही है, ऐसी विकृत मानसिकता वाले लोगों के बारे में मैंने कल एक कार्यक्रम में कहा था कि कर्नल सोफिया कुरैशी का धर्म उनके नाम से पहचाना गया, जिसके चलते उन्हें गाली दी गई।''

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, ''विदेश सचिव मिस्त्री के साथ भी अभद्रता हुई है, अगर इन गालीबाजों को ये पता चल जाता कि व्योमिका सिंह जाटव हैं और एयर मार्शल अवधेश भारती यादव हैं, तो यह उन अफसरों को भी गालियां देने से बाज नहीं आते। मुझे आश्चर्य इस बात का है कि जिस सीएम की नाक के नीचे अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों पर अकल्पनीय अत्याचार हो रहे हैं, उन्होंने मेरा पूरा बयान बगैर सुने ही ट्वीट कर दिया, जिन मीडिया चैनलों ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी पर कब्जा कर लिया था, उनसे अब मुझे कोई शिकायत नहीं क्योंकि उन पर सत्ता पक्ष के अलावा किसी को अब विश्वास नहीं। गौरतलब है कि, मुरादाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामगोपाल यादव ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की नियमित ब्रीफिंग देने वाली वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के खिलाफ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। इस दौरान उन्होंने सेना के अन्य अधिकारियों की जातियों का भी उल्लेख किया। रामगोपाल यादव ने अपनी टिप्पणी में विंग कमांडर व्योमिका सिंह, कर्नल सोफिया कुरैशी और अन्य सैन्य अधिकारियों की जाति का उल्लेख किया।

शिकार और जंगलों की कटाई बनी काल- हिम तेंदुआ से बंगाल टाइगर तक, खतरे में हैं भारत की दुर्लभ प्रजातियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानव की बढ़ती और घनी होती आबादी, तेजी से भूमि विकास, घटते जंगल, अवैध शिकार और जलवायु परिवर्तन के साथ विज्ञान का प्रकृति के बीच बढ़ता हस्तक्षेप कई समस्याओं का जन्मदाता है। परिणामस्वरूप कई जानवरों की प्रजातियां हैं जो विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रही हैं। भारत में हिम तेंदुआ, बंगाल टाइगर से लेकर और भी प्रजातियां हैं, जो लुप्तप्राय की सूची में शामिल हैं।

आज विलुप्तप्राय प्रजाति दिवस है। ऐसे में आइए जानते हैं उन प्रजातियों का हाल, जो संकटग्रस्त हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने साल 2020 में रेड लिस्ट जारी कर बताया था कि भूमि पर रहने वाले जानवरों की 500 से अधिक प्रजातियां संकटग्रस्त हैं। इनमें से कई प्रजातियों को संघ ने विलुप्तप्राय घोषित कर दिया।

भारत में कई प्रजातियां हैं, जो विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रही हैं।

लुप्तप्राय प्रजातियों के बारे में जानकारी से पहले बता दें कि विलुप्तप्राय का अर्थ क्या है? यह वह प्रजाति है जो किसी समय किसी क्षेत्र में पाई जाती थी। लेकिन, अब इसकी जनसंख्या 50 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। रेड डेटा बुक में इनका नाम शामिल है।

विलुप्तप्राय लिस्ट में एशियाई हाथी, गंगा नदी डॉल्फिन, एक सींग वाला गैंडा, हिम तेंदुआ और बंगाल टाइगर के साथ अन्य प्रजातियों के नाम शामिल हैं।

एशियाई हाथी- एशिया में पाए जाने वाले सबसे बड़े स्तनपायी में शामिल एशियाई हाथी महत्वपूर्ण सांस्कृतिक महत्व रखता है। भारत के साथ ही कई देशों में इनका धार्मिक महत्व भी है। यह जंगलों और घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कभी यह भारत के पंजाब और गुजरात जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पाए जाते थे। हालांकि, दांतों के लिए उनका बड़ी संख्या में शिकार होता है, जिस वजह से वे खतरे का सामना कर रहे हैं।

गंगा नदी डॉल्फिन- दुनिया में मानव जनसंख्या के हिसाब से सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में रहने वाली गंगा नदी की डॉल्फिन भी अपने अस्तित्व के लिए खतरे का सामना कर रही है। जल प्रदूषण, नदियों में रासायनिक तत्वों की अधिकता के साथ ही यह कई बार मछली पकड़ने के जाल में उलझ जाती हैं और इन्हीं चीजों ने इन्हें खतरे में डाल दिया है। डॉल्फिन भारत के साथ ही नेपाल और बांग्लादेश में गंगा-ब्रह्मपुत्र और कर्णफुली-सांगू नदी में पाई जाती है।

एक सींग वाला गैंडा- भारतीय एक सिंग वाले गैंडे भारत और हिमालय की तलहटी में पाए जाते हैं। अपनी कीमती चमड़ी और सिंग की वजह से यह प्रजाति हमेशा से शिकारियों के निशाने पर रही है। फलस्वरूप ये भी विलुप्तप्राय की सूची में शामिल हो चुके हैं। यही नहीं, नदियों में बाढ़ आने की वजह से भी गैंडों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

हिम तेंदुआ- दुखद, लेकिन सत्य है कि भारत में हिम तेंदुओं की संख्या मात्र 500 रह गई है। यह प्रजाति भारत के साथ चीन, नेपाल, भूटान, रूस, पाकिस्तान, अफगानिस्तान के साथ ही मंगोलिया में भी पाई जातीहै। गैंडों की तरह हिम तेंदुओं को भी अपनी खाल, हड्डियों और शरीर के अन्य अंगों की वजह से संकट का सामना करना पड़ रहा है। अवैध व्यापार या शिकार इनके लिए और भी खतरनाक है।

बंगाल टाइगर को भी अपनी खाल और शरीर के अन्य अंगों के लिए अवैध

शिकार का सामना करना पड़ा है। शहरी विस्तार और तेजी से घटते जंगल इनके लिए और भी नुकसानदायी साबित हुए हैं। खतरों की वजह से इन प्रजातियों के जानवारों पर अस्तित्व का खतरा मंडरा रहा है।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

तपती गर्मी और सुरक्षा

गर्मियाँ आते ही ठंडा वातावरण मन को भाने लगता है। घर और कार्यालयों को भी ठंडा रखने की कवायदें शुरू हो जाती हैं, लेकिन पूरे समय तो आप घर या दफ्तर की चहारदीवारी से घिरे नहीं रह सकते तो कौन से सुरक्षा के तरीके अपनाएँ, जब बाहर सूर्य से मुकाबला करना हो, आइए जानें।

■ **उबला पानी :** अक्सर पानी का बदलाव शरीर पर दुष्प्रभाव छोड़ता है। इससे बचने के लिए अपने साथ उबला हुआ पानी ले जाएँ या सादे पानी में एक हल्दी की गाँठ डाल लें।

■ **नीबू, नमक, शकर और खाने का सोडा :** अपने साथ नीबू, शकर, नमक व खाने का सोडा भी रखें। जब अधिक गर्मी सताए या जी मिचलाए तो एक कप पानी में एक चम्मच शकर, नीबू का रस व एक चुटकी सोडा मिलाकर पी लें। नीबू चूसना भी फायदेमंद रहेगा। सादा नमक का पानी बार-बार पीने से भी गर्मी अधिक परेशान नहीं करेगी।

■ **सेंधा नमक और अजवाइन :** यदि आपको पित्त गिरने की शिकायत रहती है तो अपने साथ सेंधा नमक और अजवाइन मिलाकर रखें। दो-तीन बार खा लें।

■ **प्याज :** लू से बचने के लिए एक प्याज अपने पॉकेट या पर्स में लपेटकर रखें। इसे बार-बार सूँघने से लू नहीं लगेगी।

■ **कच्चे आम का पना :** कच्चे आम को उबालकर उसको ठंडा कर लें। ठंडे पानी में गूदे को मैश करके छान लें। थोड़ी-सी हींग, सौंफ और जीरा भूनकर पीस लें। सूखा पुदीना, शकर, काला और सेंधा नमक इस शरबत में मिलाएँ। इस शरबत को बाहर जाने से पहले पी लेने से लू नहीं लगेगी या गंतव्य स्थान पर पहुँच कर पी लें।

■ **गीला तौलिया व आँवला :** गर्मी में खासतौर पर सफर के दौरान एक गीला तौलिया हमेशा सिर पर रखें या हो सके तो एक गीला कपड़ा खिड़की पर बाँध लें। यदि अचानक नकसीर फूट जाए तो गीला कपड़ा नाक पर रख लें और ठंडा पानी सिर पर डालें। यदि आपको नकसीर की बीमारी है तो शुद्ध घी में आँवला पीसकर बराबर मात्रा में मिला लें और इसे भी साथ रख लें। इसे लगाने से खून रुक जाएगा।

■ **त्रिकुटी चूर्ण :** कम से कम खाइए। फिर भी अपचन न हो, इसके लिए त्रिकुटी का चूर्ण शहद के साथ सुबह ही खा लीजिए। काली पीपल, काली मिर्च व सौंठ को बराबर मात्रा में लेकर पावडर बना लीजिए। सफर में शहद के साथ यह चूर्ण खाने से आपको पेट संबंधी समस्या परेशान नहीं करेगी।

■ **आई ड्रॉप व कॉटन :** यदि आपकी आँखें जल्दी लाल हो जाती हैं तो आँखों को साफ करने का लोशन व रुई भी साथ में रखिए। लोशन में रुई का फाहा भिगोकर थकी और लाल आँखों पर रखिए। आपको बहुत आराम मिलेगा।

■ **धूप का चश्मा :** एक बड़ी फ्रेम वाला धूप का चश्मा भी गर्मी से बचाव की जरूरत को पूरा करता है। यह आँखों के साथ-साथ चेहरे की धूप से रक्षा करेगा।

■ **बड़ा स्कार्फ :** तैलीय मेकअप बिलकुल न करें, क्योंकि यह पसीने के साथ मिलकर आपके चेहरे को बदसूरत बना देगा। खुले बाल सफर में उड़-उड़कर उलझ जाते हैं तो बाद में ज्यादा टूटते हैं। एक बड़ा स्कार्फ बालों पर बाँध लें तो आप इस मुसीबत से भी बच जाएँगी।

फायदे गर्मी के

● शाम को इडली डोसा बनाना है, रात में दाल-चावल भिगोना भूल गए। याद भी आया तो सुबह 10 बजे। एक काम कीजिए उबलने जितना गर्म पानी कर दाल चावल भिगो दें। 1 बजे तक अच्छी तरह भीग जाएँगे। पीसकर घोल को ढँककर धूप में रख दें या स्टेबीलाइजर पर रख दें। सिर्फ 3 से 4 घंटों में अच्छा खमीर वाला घोल तैयार हो जाएगा। जब चाहें इडली-डोसा बना लें।

● रोज दही चाहिए? रात में जमाना भूल गए। सुबह उठकर दूध को कुनकुना गर्म करें। जामन थोड़ा अधिक डालें। अच्छी तरह मिलाकर ढक्कन बंद डिब्बे में धूप में रखें या स्टेबीलाइजर पर और यह लीजिए 12 बजे तक दही तैयार है।

● छोले या राजमा रात में भिगोना भूल गए हों तो सुबह तेज गर्म पानी में डाल दें। तीन घंटे में ही भीग जाएँगे।

● गर्मियों में भी कुनकुने पानी से नहाने की आदत है तो बाल्टी भर पानी तेज धूप में रख दें।

● कभी भी बाहर से आने पर पना पीना चाहिए। उबली हुई केरियाँ फ्रीज में अवश्य रखें और तुरंत इनसे पना बना लें।

नई ताजी केरी का मुरब्बा या छुंदा चाहिए तो केरी किसकर शकर मिलाकर सोलर कुकर में रख दें। एक दिन में तैयार हो जाएगा। या पतीले पर कपड़ा बाँधकर धूप में रखें तीन दिन में चाशनी तैयार हो जाएगी।

मैंगो लस्सी

सामग्री : 2 कप दही, 1 कप मैंगो पल्प (आम का गूदा), आधा टी स्पून इलायची पावडर, आधा कप शकर, आधा कप आम (बारीक कटा), 1 बड़ा चम्मच पिस्ता कतरन, बर्फ (अंदाज से)।

विधि : सर्वप्रथम ब्लैंडर में आम का गूदा एवं शकर मिलाकर चलाएँ। फिर इसमें दही, इलायची पावडर एवं बर्फ मिलाकर पुन: एक बार चलाएँ। मैंगो लस्सी तैयार है। इसे काँच के गिलासों में भरें। ऊपर से प्रत्येक गिलास में बारीक कटे आम के टुकड़े डालें। पिस्ता कतरन छिड़ककर ठंडी-ठंडी मैंगो लस्सी पेश करें। पीने वाले आपकी तारीफ किए बिना नहीं रहेंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3532

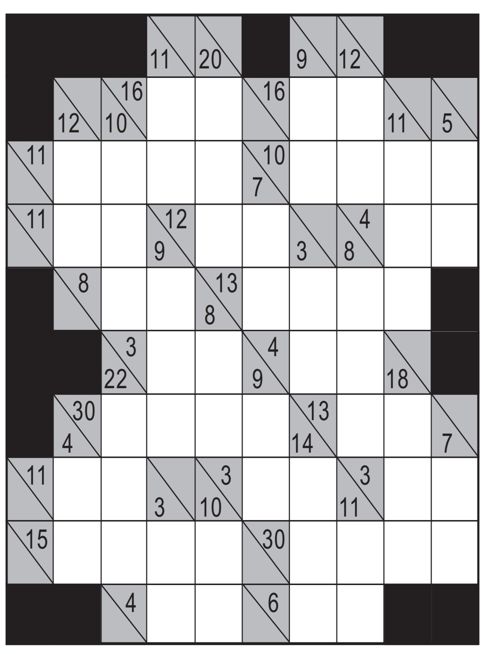

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

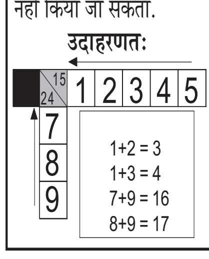

काकुरो - 3531 का हल

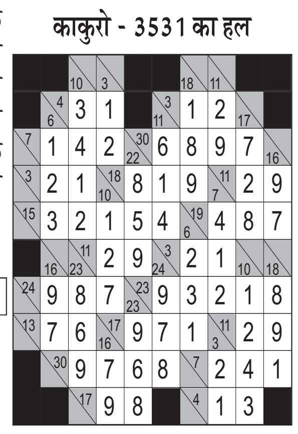

हंसी के फूव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा- 'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया- 'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है. '

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3532

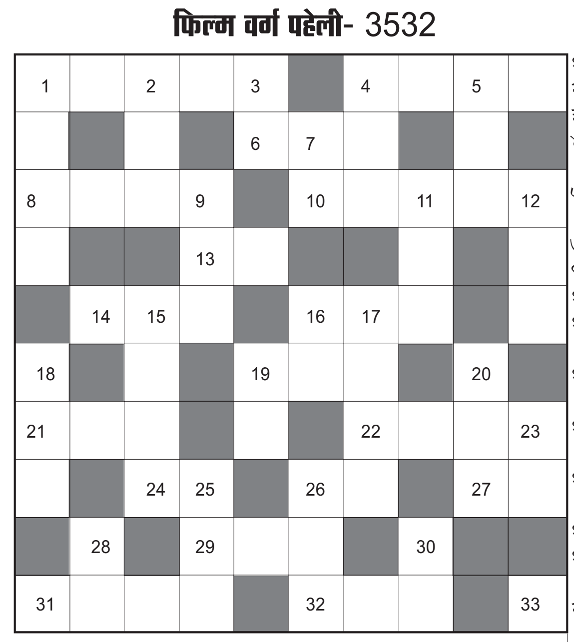

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3531

सूडोकु -3532

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3531 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 3532

बाएँ से दाएँ

1.पदमाकर,कमल सरोवर-5
4.इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6.देवस्थान,मंदिर-2
7.शिव आवास-3
8.उत्तम,सज्जन-2
10.पति,शोहर-3
11.दमकना-4
14.टीस,पीड़ा-3
16.झरने की आवाज-4
17.आशा,इच्छा-2
18.संध्या,शाम-2
19.निराकार,भगवान-4
21.बुझाना,शांति-3
22.अभिप्राय-4
24.आंचल-3
25.घोड़ागाड़ी-2
27.उष्ण-3
28.पिता के पिता-2
29.पंक्ति-3
30.तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1.कथा कहने वाला-5
2.चित,जी-2
3.कार्यशाला,यंत्रालय-4
4.माहिर,दक्ष-3
5.आकाश,गगन-2
7.कारावास-2
9.योग्य-3
12.अनुमान,अंदाज-3
13.झगड़ा,कहासुनी-4
15.मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16.पक्षियों का शोर-4
17.राहत, विश्राम -3
18.मुसीबत, आफत -3
20.होशियार, चेतावनी-5
21.नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23.मगरमच्छ-3
24.दर,मूल्य-2
26.भूमि,धरती-2
28.पिता के पिता-2

शब्द पहेली -3531 का हल

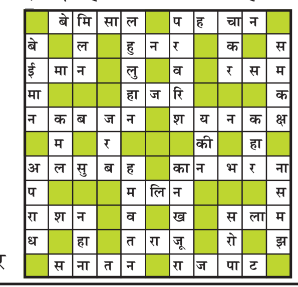

आरबीआई आगामी महीनों में कर सकता है रेपो रेट में कटौती

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। सूत्रों से` मिली जानकारी के मुताबिक जून से दीपावली (20 अक्टूबर) तक रेपो रेट में कुल 0.50 फीसदी की कटौती की संभावना है। इस कटौती का सीधा असर होम लोन, कार लोन और अन्य कर्जों की ईएमआई को भी प्रभो वित करेगा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक 4 से 6 जून के बीच होने वाली है, जिसमें 0.25 फीसदी की कटौती लगभग तय मानी जा रही है। इसके बाद 5 से 7 अगस्त या फिर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होने वाली बैठक में एक और 0.25 फीसद ी की कटौती की संभावना है। रेपो रेट में अब तक 0.50 फीसदी की कटौती हो चुकी है। आरबीआई ने इस वर्ष फरवरी से दरों में कटौती शुरू की थी और अब तक दो बैठकों में कुल 0.50 फीसदी की कटौती कर रेपो रेट को 6 फीसदी तक ला चुका है। यदि आगामी दो बैठकों में और कटौती होती है, तो यह दर और सस्ती हो जाएगी, जिससे उद्योगों को किफायती दरों पर कर्ज मिलेगा और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। एसबीआई सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि रेट कट के लिए सभी आर्थिक कारक अनुकूल हैं। महंगाई काबू

में है, मानसून सामान्य रहने के संकेत हैं और जीडीपी स्थिर बनी हुई है। खुदरा महंगाई जुलाई 2019 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। ऐसे में ब्याज दरों में कटौती की पूरी संभावना है।

अल्काटेल धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार

नई दिल्ली।

भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अल्काटेल कंपनी अपनी धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार है। अल्काटेल का प्रथम स्मार्टफोन अल्काटेल वी3 अल्ट्रा 27 मई को लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने लॉन्च डेट की पुष्टि कर दी है। अल्काटेल की भारतीय वापसी का नेतृत्व कर रहे माधव सेठ ने इस फोन की पहली झलक एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शेयर की थी, जिसमें फोन के ब्लैक बॉक्स वेरिएंट की तस्वीर भी दिखाई गई थी। अल्काटेल वी3 अल्ट्रा को एक आई-कम्फोर्ट डिस्प्ले और पेन सपोर्ट जैसे यूनिक फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा। कंपनी ने अपने लॉन्च पोस्टर से फोन के बैक डिज़ाइन की भी जानकारी दी है, जिसमें सर्कुलर कैमरा मोड्यूल और तीन कैमरा सेंसर के साथ एक एलईडी फ्लैश नजर आता है। इसके अलावा, रियर साइड पर पावर बटन, वॉल्यूम रॉकर और एक एक्स्ट्रा बटन भी दिखाई दे रहा है, जो शायद नेक्स्टपेपर की की तरह काम करेगा। फोन के फ्रंट में सेंटर पंच-होल डिस्प्ले दिया गया है और बॉक्स पर स्टाइलस का सिल्हूट भी नजर आ रहा है, जिससे स्टाइलस सपोर्ट की पुष्टि हो चुकी है। इसके साथ ही, फोन में रीड, वॉच, स्क्रॉल और क्रेट जैसे मल्टीपल मोड्स का सपोर्ट मिलेगा। अल्काटेल वी3 अल्ट्राको प्रीमियम फीचर्स के साथ मिड-रेंज या प्रीमियम सेगमेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जो मोटोरोला एग्ज 50 स्टालस का एक मजबूत विकल्प बन सकता है।

अल्काटेल इंडिया के अनुसार, यह स्टाइलस यूजर्स को स्केचिंग, हाइलाइटिंग, नोट्स लिखने और डिजिटल साइन जैसी सुविधाएं प्रदान करेगा, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह स्टाइलस बॉक्स में मिलेगा या अलग से खरीदा जाएगा।अल्काटेल वी3 अल्ट्राकी ईवायई- कम्फर्ट डिस्प्ले तकनीक यूजर्स को आंखों को कम थकान के साथ बेहतर व्यूइंग एक्सपीरियंस देने का वादा करती है।

भारत की निर्यात क्षमता वित्त वर्ष 2024-25 में 50 प्रतिशत से अधिक

इंजीनियरिंग उत्पादों की सबसे अधिक 26.67 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

भारत की निर्यात क्षमता इस वित्त वर्ष में कृषि, औषधि, इलेक्ट्रॉनिक और इंजीनियरिंग सामानों की हिस्सेदारी में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि करते हुए जारी है, जैसे कि सरकारी आंकड़े दर्शाते हैं। इस महत्वपूर्ण वृद्धि के दौरान, इंजीनियरिंग उत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो सबसे अधिक 26.67 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। उन्हें खासी वृद्धि की गई है और इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय उत्पादों की मांग वृद्धि कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक सामानों के क्षेत्र में भी 32.46 प्रतिशत की वृद्धि शानदार है, जो अमेरिकी डॉलरों में वृद्धि करके 38.58 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इस बड़ी वृद्धि के साथ बाजारों में भारतीय उत्पादों की मांग और पसंद दिखा रही है। दवाएँ और औषधि का निर्यात भी बढ़ रहा है, जिससे भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। कृषि सेक्टर में भी अच्छी वृद्धि देखने को मिल रही है, जैसे कि चावल, सब्जियों, फलों और समुद्री उत्पाद का निर्यात बढ़ रहा है। चीन, यूएई, बांग्लादेश और थाईलैंड जैसे देश इसके मुख्य आयातक हैं, जो भारत के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ा रहे हैं। इसी तरह, भारत ने चाय, कॉफी, तंबाकू और अन्य उत्पादों का भी वृद्धि दर्ज की है, जिससे उसका निर्यात मानक संभाले रखने में मदद मिलेगी। इस वृद्धि के साथ भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय मांग और महत्व और बढ़ चुकी है, जिससे भारत के निर्यात क्षमता में सुधार हो रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस भी अब तुर्की के साथ कोडशेयर साझेदारी को लेकर निशाने पर

लोगों ने सोशल मीडिया पर एयरलाइन से तुर्की के साथ समझौता तोड़ने की अपील की

नई दिल्ली।

तुर्की द्वारा पाकिस्े तान को मदद करने के बाद से ही भारत में 'बॉयकाट तुर्की' अभियान चल पड़ा है। तुर्की ने पाकिस्े तान को हथियार सप्े लाई किए, इसके बाद से देशभर में तुर्की के खिलाफ नाराजगी और गुस्े सा है। इंडिगो एयरलाइंस भी अब तुर्की एयरलाइंस के साथ अपने कोडशेयर साझेदारी को लेकर निशाने पर आ गई है। बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया के माध्े यम से एयरलाइन से तुर्की एयरलाइंस के साथ अपने इस समझौते को तोड़ने की अपील की है। यही वजह है कि अब इंडिगो को अब अपने इस समझौते के बचाव में खुलकर सामने आना पड़ा है। इंडिगो ने दलील दी है कि यह समझौता भारतीय यात्रियों और इंडियन इकोनॉनी, दोनों के लिए फायदेमेंद है। कोडशेयर समझौता ऐसा एग्रीमेंट है जिसमें दो या दो से अधिक एयरलाइंस एक ही उड़ान के लिए एक ही विमान का इस्े तेमाल करती हैं, लेकिन प्रत्येक एयरलाइन अपनी ब्रांडिंग और टिकट बिक्री करती है। इंडिगो और तुर्की एयरलाइंस के बीच कोडशेयर समझौता एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत यात्री दोनों एयरलाइनों में से किसी के माध्यम से टिकट बुक करके साझा गंतव्यों के नेटवर्क में उड़ान भर सकते हैं। इं डिगो ने एक बयान जारी कर कहा कि यह साझेदारी भारतीय यात्रियों और देश की अर्थव्यवस्था, दोनों के लिए फायदेमंद है। एयरलाइन ने बताया कि भारत और तुर्किये के बीच हुए द्विपक्षीय एयर सर्विस एग्रीमेंट के तहत दोनों देशों की एयरलाइंस को सप्ताह में 56 फ्लाइट्स तक संचालित करने की अनुमति है। एयरलाइन ने जोर दिया कि यह व्यवस्था खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बढ़े हुए अंतरराष्ट्रीय किरायों के बीच भारतीय यात्रियों को सस्ता और सुगम विकल्प देती है। खासकर छोटे शहरों से दो स्टॉप कनेक्शन के जरिए उड़ान भरने वालों के लिए। इंडिगो ने कहा` कि कोडशेयर ने इंडिगो को यूरोप और अमेरिका के लंबी दूरी वाले बाजारों में अपनी उपस्थिति बनाने में मदद की है। यह भविष्य में आत्मनिर्भरता की नींव रखता है। हालांकि सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस साझेदारी पर नाराज़गी जाहिर की है और इंडिगो से तुर्की एयरलाइन से दूरी बनाने की मांग की है।

एयरटेल ने दुनिया का पहला फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन किया लॉन्च

अब रियल टाइम में सभी कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म्स - ईमेल, ओटीटी और एसएमएस पर ब्लॉक होंगे फ्रॉड वेबसाइट्स

इन्दौर।

स्पैम के खिलाफ अपनी लगातार लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, एयरटेल ने एक अत्याधुनिक समाधान लॉन्च किया है, जो सभी कम्युनिकेशन ओवर - द - टॉप (ह्ळ्ळ) ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स- जैसे ईमेल, ब्राउज़र, व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एसएमएस आदि, पर फ्रॉड और मैलिशियस वेबसाइट्स को रियल टाइम में पहचान कर ब्लॉक कर देगा। यह सुरक्षित सेवा सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के स्वचालित रूप से सक्रिय कर दी जायेगा द्य जब कोई ग्राहक ऐसी वेबसाइट खोलने की कोशिश करता है, जिसे एयरटेल की सिक्योरिटी सिस्टम ने 'मैलिशियस' के रूप में फ्लैग किया है, तो उस वेबसाइट का पेज लोड नहीं होता, इसके बजाय, ग्राहक को एक नए पेज पर रीडायरेक्ट किया जाता है, जहां ब्लॉक किए जाने का कारण स्पष्ट रूप से बताया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के देशभर में तेजी से विस्तार के चलते ऑनलाइन फ्रॉड का खतरा हर दिन बढ़ रहा है, जिससे उपभोक्ताओं पर गंभीर जोखिम मंडरा रहा है। हाल के दिनों में ऐसे खतरों में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। फ्रॉड स्कीमें अब केवल ओटीपी या फर्जी कॉल तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि हालिया रिपोर्ट्स बताती है कि लाखों लोग अब मैलिशियस ऑनलाइन स्कैम्स का शिकार हो रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, एयरटेल ने एक एआई -आधारित, मल्टी-लेयर इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जो ग्राहकों को सभी प्रकार के स्कैम और फ्रॉड से सुरक्षा प्रदान करेगा। यह अत्याधुनिक थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम सभी प्लेटफॉर्म्स पर डोमेन फ़िल्टरिंग करेगा और डिवाइसेज़ पर इन लिंक्स को ब्लॉक करेगा। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डाइरेक्टर गोपाल विट्ठल ने कहा, ÷पिछले कुछ वर्षों में हमने कई ऐसे मामले देखे, जहां खतरे से अंजान ग्राहकों को चतुर अपराधियों ने उनकी मेहनत की कमाई को ठगा। हमारे इंजीनियरों ने इस समस्या का हल खोजने के लिए फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन तैयार किया है। हमें विश्वास है कि यह समाधान हमारे ग्राहकों को इंटरनेट ब्राउज़ करते समय सुरक्षा का पूरा भरोसा देगा और स्कैम का डर खत्म करेगा।

जापान की अर्थव्यवस्था की वार्षिक वृद्धि दर घटकर 0.7 प्रतिशत

तोक्यो।

जापान की अर्थव्यवस्था की वार्षिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में घटकर 0.7 प्रतिशत रह गई। मंत्रिमंडल कार्यालय के शुक्रवार को जारी मौसमी रूप से समायोजित प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद जनवरी-मार्च में अक्टूबर दिसंबर 2024 की तुलना में अपेक्षा से अधिक 0.2 प्रतिशत सिकुड़ गया। एक साल में पहली बार इसमें संकुचन दर्ज किया गया। जापान की अर्थव्यवस्था 2024 की अंतिम तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 2.4 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी थी। निर्यात में 2.3 प्रतिशत की वार्षिक दर से गिरावट आई। उपभोक्ता व्यय स्थिर रहा, जबकि पूंजी निवेश में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी शुल्क से जापान के बड़े निर्यातकों, खास तौर पर मोटर वाहन विनिर्माताओं को नुकसान होने की आशंका है। न केवल जापान से भेजे जाने वाले उत्पादों के लिए, बल्कि मेक्सिको और कनाडा जैसे अन्य देशों से भीज। अधिकारियों ने माना कि प्रतिक्रिया की योजना बनाना एक चुनौती है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना रुख बदलते रहते हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी का मुनाफा 20.05 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई।

विद्युत उत्पादक कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 345.27 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 414.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसे 414.51 करोड़ रुपये का सकल मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 345.27 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.05 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 2,879.35 करोड़ रुपये से 21.5 प्रतिशत बढ़कर 3,497.39 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 2,547.28 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,142.05 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग में 21.5 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य

कंपनी के मुनाफे में 101.2 करोड़ रुपये की वृद्धि

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अपने बिक्री बुकिंग 21.5 प्रतिशत बढ़ाकर 12,500 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए कंपनी ने कई आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बनाई है। सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 हमारे व्यवसाय संचालन के सभी पहलुओं में असाधारण रूप से सफल रहा है। निवेशक प्रस्तुति के अनुसार गुरुग्राम स्थित कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिक्री बुकिंग (प्री-सेल) के लिए 12,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया है। सिग्नेचर ग्लोबल ने वित्त वर्ष 2025-26 में बिक्री में 20 प्रतिशत की वृद्धि करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने अपने लंबी अवधि के उद्देश्य को बनाए रखने की भी बात की। सिग्नेचर ग्लोबल ने समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी बिक्री बुकिंग को 42 प्रतिशत बढ़ाकर रिकॉर्ड 10,290 करोड़ रुपये तक पहुंचाया। कंपनी के मुनाफे में भी 101.2 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। यह उनके व्यापक विस्तार और मांग की मजबूती को दर्शाता है। सिग्नेचर ग्लोबल का यह उद्यम रियल एस्टेट उद्योग में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने गुरुग्राम में कई परियोजनाएं विकसित की हैं और कई और निर्माणाधीन हैं, जो अगले वर्षों में उनके लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगी।

भारत और अमेरिका के बीच नया व्यापार समझौता की पेशकश

भारत ने कहा, मूल रूप से अमेरिकी वस्तुओं पर कोई टैरिफ लागू न करे

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की पेशकश की है। इस समझौते में भारत ने मूल रूप से अमेरिकी वस्तुओं पर कोई टैरिफ लागू न करने की पेशकश की है। ट्रंप ने कहा कि भारत ने एक बेहतर सौदा पेश किया है जिसमें टैरिफ शामिल नहीं है। इसके साथ ही ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टिम कुक से भारत में और अधिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की योजना पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इन प्लांट्स के निर्माण पर ट्रंप ने विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के बारे में चर्चाएं शुरू हो गई हैं, जिनमें 2025 तक समझौते को पूरा करने की योजना है। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते के माध्यम से भारत-अमेरिका के आर्थिक संबंधों को मजबूत और विस्तारित करने का काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने मिशन 500 की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य 2030 तक भारत-अमेरिका के बीच व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक बढ़ाना है। यह नया समझौता दोनों देशों के व्यापार संबंधों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टेलीकॉम वार में जियो निकला एयरटेल से आगे, कई मामलों में बेहतर

मुंबई।

देश की दो प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों एयरटेल और रिलायंस जियो के बीच प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में भारती एयरटेल ने मामूली 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 36,735 करोड़ रुपये का राजस्व पाया। वहीं, जियो ने इसी अवधि में 2.3 प्रतिशत की तिमाही दर तिमाही वृद्धि के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है। राजस्व के अलावा भी कई प्रदर्शन मापदंडों पर जियो ने एयरटेल को पीछे छोड़ दिया है। बीते एक साल में जियो ने जहां 20.6 मिलियन नए यूजर्स जोड़े, वहीं एयरटेल सिर्फ 4.3 मिलियन ग्राहक ही जोड़ सकी। इसके साथ जियो का कुल ग्राहक आधार 488.2 मिलियन तक पहुंच गया है, जबकि एयरटेल अभी 424 मिलियन यूजर्स तक ही सीमित है। ग्राहक जुड़ाव यानी कस्े टमर एंगेजमेंट के मामले में भी जियो ने बाजी मारी है। जियो का प्रति ग्राहक औसत डेटा उपयोग सालाना 17.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33.5 जीबी प्रति माह हो गया है, जबकि एयरटेल का यह आंकड़ा सिर्फ 11.1 प्रतिशत बढ़त के साथ 25.1 जीबी तक पहुंच सका है। वॉइस यूसेज में भी जियो आगे निकल गया है। एयरटेल को जहां सालाना सिर्फ 0.4 प्रतिशत की वृद्धि मिली, वहीं जियो ने 3 प्रतिशत की दर से ग्रोथ दर्ज की। ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड लाइन सेगमेंट में जियो का प्रदर्शन और भी प्रभावशाली रहा है। वित्तीय साल 25 में जियो ने 6.4 मिलियन नए घरों को फिक्स्ड लाइन सेवा से जोड़ा, जबकि एयरटेल इस मामले में 2.4 मिलियन तक ही सीमित रह गया। फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) कैटेगरी में भी जियो का दबदबा दिखा। इस क्षेत्र में जियो ने 5 मिलियन नए कस्टमर्स को जोड़ा है, जबकि एयरटेल सिर्फ 1.1 मिलियन नए ग्राहक ही जोड़ पाया।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली वाली रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 अंक नीचे आकर 82,330.59 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.30 तकरीबन 0.17 फीसदी टूटकर 25,019.80 पर बंद हुआ.

आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज ऑटो, अदानी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर, इटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, एसबीआई, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे। वहीं बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की तेजी रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 फीसदी की बढ़त रही। सेक्टरों में मीडिया, पावर, पीएसयू, रियल्टी, कैपिटल गुड्स इंडेक्स में 1-1.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि आईटी इंडेक्स करीब एक फीसदी नीचे आया।

इससे पहले आज सुबह बाजार सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन ` गिरावट के साथ खुला। शुरुआत कारोबार में आईटी, वित्तीय सेवाओं और फार्मा सेक्टर में बिकवाली रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 231.64 अंक की गिरावट के साथ 82,299.10 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 49.95 अंक की गिरावट के साथ 25,012.15 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 52.40 अंक की गिरावट के साथ 55,303.20 पर कारोबार कर रहा था।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 169.20 अंक की बढ़त के साथ 56,700.05 पर कारोबार कर रहा था केवल निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.45 अंक फीसदी बढ़कर 17,318.40 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में चीन, हांगकांग और जापान लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि बैंकॉक, जकार्ता और सियोल हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। वहीं अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 271.69 अंक की बढ़त के साथ 42,322.75 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 24.35 अंक की बढ़त के साथ 5,916.93 पर बंद हुआ और नैस्डैक 34.49 अंक की गिरावट के साथ 19,112.32 पर बंद हुआ।

तुर्की के खिलाफ देशभर में उठी मांग, सेब से लेकर सभी वस्तुओं के आयात पर तत्काल लगे रोक

नई दिल्ली।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्े तान के 11 एयरबेस को तबाह कर दिया। इस ऑपरेशन सिंदूर ने तुर्की, चीन जैसे दुश्े मनों की पहचान भारत को करा दी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ तुर्की ने पाकिस्तान का खूब साथ दिया। जिसके बाद अब भारत में तुर्की के विरोध में स्वर उठने लगे हैं। भारत के कई संगठनों और लोगों ने तुर्की और वहां की वस्तुओं और सेवाओं को बैन करने की मांग की है। सेब के आयात पर रोक लगाने की मांग उसमें से एक है। यदि एप्े पल इंपोर्ट पर बैन लगता है, तब तुर्की को 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है।

हिमालयी सेब उत्पादक किसानों के संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तुर्की से सेब आयात पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है। संगठन का मानना हैं कि लगातार बढ़ते तुर्की से सेब आयात ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के बागवानों को आर्थिक संकट में डाल दिया है। तुर्की से सेब आयात में साल दर साल वृद्धि हुई है और अब यह भारतीय बागवानों को तगड़ा कॉम्े पीटिशन दे रहा है। उदाहरण के तौर पर वितीय साल 2023-24 में तुर्की से आयातित सेब का मूल्य 821 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इससे लोकल सेब की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे बागवानों को लागत मूल्य भी प्राप्त नहीं हो पा रहा है। संगठन ने केंद्र सरकार से तुर्की से सेब के आयात पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इसके साथ ही अन्य देशों से आयातित सेब पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) लागू करने की मांग भी की गई

है। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तब देश के पारंपरिक सेब उत्पादक क्षेत्र गंभीर संकट का सामना कर सकते हैं। बता दें कि फरवरी 2023 में तुर्की में आए महाविनाशकारी भूकंप के बाद भारत मदद करने वाले पहले देशों में से एक था। इस दौरान भारत की ओर से 'ऑपरेशन दोस्त' चलाकर तुर्की के लोगों की मदद की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान घटाकर 6.3 प्रतिशत किया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में 2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। इसमें उसने कहा कि भारत, अनुमानित नरमी के बावजूद लचीले उपभोग तथा सरकारी व्यय के सहारे सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रभाग की वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के आर्थिक मामलों के वरिष्ठ अधिकारी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा` कि भारत मजबूत निजी खपत तथा सार्वजनिक निवेश के बल पर सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, भले ही 2025 में वृद्धि अनुमानों को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है` कि मजबूत निजी खपत तथा मजबूत सार्वजनिक निवेश के साथ-साथ मजबूत सेवा निर्यात आर्थिक वृद्धि को समर्थन देगा। इससे पहले इस साल जनवरी में प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावना रिपोर्ट में विश्व संस्थान ने भारत की वृद्धि दर के 2025 में 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। वहीं 2026 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आधारित वृद्धि के 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

डिलिवरी बॉय आया और टिकटॉक लाइव के दौरान ब्यूटी इन्फ्लुएंसर को मारी गोली, मौके पर मौत

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के जलिस्को राज्य में हुई एक हृदय विदारक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। मंगलवार को 23 वर्षीय लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मॉडल वेलेरिया मार्केज़ की एक ब्यूटी सैलून में टिकटॉक लाइवस्ट्रीम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना जापोपान, जलिस्को शहर में घटी, जो ग्वाडलजारा के बाहरी इलाके में स्थित है। जलिस्को राज्य के अधिकारियों ने बुधवार को घटना की पुष्टि की। बताया जा रहा है कि वेलेरिया अपने लाइवस्ट्रीम के दौरान डिलीवरी बॉय से बात कर रही थीं, तभी अचानक उन्हें गोली मार दी गई। हमलावर ने उसके सीने और सिर में गोली मारी, जिसके बाद वह तुरंत गिर पड़ी। इस भयावह घटना ने एक बार फिर मेक्सिको में हिंसा और असुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस हत्या के कुछ ही घंटों बाद उसी क्षेत्र में एक और हाई-प्रोफाइल हत्या हुई। मेक्सिको की पीआरआई पार्टी के पूर्व सांसद लुइस आर्मंडो कॉर्डोवा डिआज़ की एक कैफे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इन दोनों घटनाओं से जापान और आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। वेलेरिया के सोशल मीडिया अकाउंट उनके प्रशंसकों और अनुयायियों के शोक और गुस्से भरे संदेशों से भर गए हैं। लोग इस नृशंस हत्या की निंदा कर रहे हैं और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। लाइवस्ट्रीम के दौरान वेलेरिया की हत्या न केवल उसके प्रियजनों के लिए, बल्कि पूरे मेक्सिको के लिए एक बड़ा सदमा है। स्थानीय लोग और सोशल मीडिया यूजर्स सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस और जांच एजेंसियां ??हत्या के पीछे के मकसद का पता लगाने और हमलावर की तलाश में जुटी हैं।

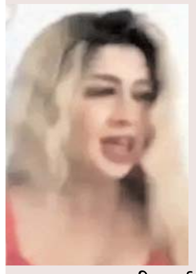

आईएमएफ से पाक को 1.02 अरब डॉलर की दूसरी किस्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के लिए विस्तारित निधि सुविधा कार्यक्रम के तहत 1.023 अरब अमेरिकी डॉलर की दूसरी किस्त जारी कर दी है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूसरी किस्त का वितरण ऐसे दिन हुआ जब आईएमएफ पाकिस्तान के आगामी बजट पर वर्चुअल चर्चा कर रहा है। क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं के कारण इस्लामाबाद में आईएमएफ के मिशन की यात्रा में देरी हुई है। आईएमएफ की ओर से इस हस्तांतरण के बाद 7 अरब डॉलर की विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत कुल वितरण लगभग 2.1 अरब डॉलर हो गया है। पाकिस्तानी सरकार 2 जून को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करने की योजना बना रही है। पाकिस्तान आईएमएफ बेलआउट पैकेज पर बहुत अधिक निर्भर है। पिछले साल जब वह दिवालिया होने के कगार पर था तब आईएमएफ ने उसे 3 अरब डॉलर रुपये देकर बचाया था। आईएमएफ के मुताबिक फंड का सदस्य बनने के बाद 25 बेलआउट लोन मिल चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि विभिन्न सरकारों ने आईएमएफ को अलविदा कहने की घोषणा की, लेकिन अब तक वे अपना वादा पूरा करने में विफल रहीं।

दुनिया के सबसे खुशहाल देश फिनलैंड पर मंडराने लगे मुसिबतों के बादल

हेल्सिंकी, एजेंसी। दुनिया के सबसे खुशहाल देश का खिताब जीत चुके फिनलैंड को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अब वह एक नए खतरे में है। रूस की हालिया सैन्य गतिविधियों ने यूरोप को चिंतित कर दिया है। हुआ यह है कि उपग्रह चित्रों से पता चला है कि रूस ने फिनलैंड की सीमा के बहुत करीब चार महत्वपूर्ण स्थानों पर बड़ी संख्या में सैनिकों और सैन्य उपकरणों को तैनात किया है। यूक्रेन पर हमले के बाद यह दूसरी बार है जब रूसी गतिविधियां इतने बड़े पैमाने पर दर्ज की गई हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्वीडन के राष्ट्रीय प्रसारक एसवीटी और सैटेलाइट कंपनी प्लैनेट लैब्स द्वारा जारी तस्वीरों में यह खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि रूस ने चार स्थलों अर्थात् कामेनका, पेट्रोज़ावोडस्क, सेवेरोमोर्स्क-2 और ओलेन्या पर एक बड़ा आंदोलन शुरू किया है। कामेन्का फिनलैंड की सीमा से सिर्फ 35 मील की दूरी पर है, जहां फरवरी से अब तक 130 से अधिक सैन्य टेंट स्थापित किए जा चुके हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां 2,000 तक सैनिक तैनात किये जा सकते हैं। पेट्रोज़ावोडस्क में तीन विशाल सैन्य भंडारण हॉल तैयार किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 50-50 बख्तरबंद वाहन रखे जा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन हॉलों का निर्माण वास्तविक सैन्य ताकत को छिपाने के लिए किया गया होगा। साथ ही, सेवेरोमोर्स्क-2 पर भारी हेलीकॉप्टर उड़ान भी देखी गई है, जिससे यह बेस रूसी हवाई अभियानों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। चौथा स्थान ओलेन्या है, जिसे यूक्रेन ने पहले ही हमलों के स्रोत के रूप में पहचाना है और जहां नई गतिविधियां भी देखी गई हैं। इस संपूर्ण सैन्य गतिविधि का समय भी बहुत मायने रखता है। फ़िनलैंड और स्वीडन हाल ही में नाटो का हिस्सा बन गए हैं। और यही कारण है कि रूस इतना नाराज है। फिनलैंड अप्रैल 2023 में और स्वीडन मार्च 2024 में नाटो में शामिल हो गए। रूस ने पहले ही चेतावनी दी थी कि वह जवाबी कार्रवाई करेगा।

ट्रंप के कारण फेल होती दिख रही रूस-यूक्रेन शांति वार्ता, पुतिन ने क्यों बनाई दूरी?

मास्को, एजेंसी। व्लादिमीर पुतिन ने जब हाल ही में तुर्की में वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ शांति वार्ता में शामिल होने पर अपनी सहमति दी तो दुनिया को लगा कि रूस और यूक्रेन के बीच वर्षों से जारी संघर्ष का अंत हो सकता है। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है वह परेशान करने वाली है। कहा जा रहा है कि पुतिन ने तुर्की में प्रस्तावित यूक्रेन-रूस शांति वार्ता में फिलहाल शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं, जेलेंस्की ने भी अपनी स्थिति साफ करते हुए कहा है कि जब तक पुतिन नहीं आते हैं तो वह भी इस वार्ता में शामिल नहीं होंगे। पुतिन के इस निर्णय के पीछे मुख्य वजह यह मानी जा रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस वार्ता में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे। अगर दोनों देशों के बीच सहमति बनती है तो वह इसका श्रेय लेने की कोशिश करते। सूत्रों का मानना है कि पुतिन ट्रंप को कूटनीतिक स्तर पर किसी भी तरह की बढ़त नहीं देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने न केवल खुद को इस वार्ता से दूर रखा, बल्कि अपने वरिष्ठ राजनयिकों को भी वार्ता में शामिल नहीं होने दिया। हालांकि, डिप्टी स्तर के कुछ मंत्रियों और अधिकारियों को जरूर भेजने की बात कही है। 14 मई को क्रेमलिन द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रूस ने शांति वार्ता के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल की सूची जारी कर दी है। इसमें ना तो पुतिन शामिल हो रहे हैं और ना ही विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव। रूसे ने किसी वरिष्ठ अधिकारी को भी इसमें भेजना का फैसला टाल दिया है। हालांकि एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की बात जरूर कही है। जिसमें राष्ट्रपति के सलाहकार और प्रचार रणनीतिकार व्लादिमीर मेडिंस्की, उप विदेश मंत्री मिखाइल गैलुजिन, सैन्य खुफिया प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव और उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन शामिल होंगे।

पुतिन के अलावा किसी से बात नहीं करेंगे जेलेंस्की : पुतिन के इस फैसल पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने तुर्की में व्लादिमीर पुतिन के साथ संभावित बैठक से पहले यह कहकर दांव बढ़ा दिया कि वह राष्ट्रपति के अलावा किसी अन्य रूसी प्रतिनिधि से बातचीत नहीं करेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पुतिन से मिलने के आग्रह के बाद ही तुर्की की यात्रा करेंगे। सीएनएन ने जब उनसे बैठक के एजेंडे के बारे में पूछा तो जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम समझौते के अलावा कुछ भी विफल ही साबित होगा। ऐसे में अगर दोनों देशों के प्रमुख के बगैर यह वार्ता होती भी है तो इसका खास संदेश नहीं जाएगा।

यह भी एक कारण : हालांकि एक तर्क भी दिया जा रहा है कि पुतिन द्वारा स्वयं को वार्ता से दूर रखना इस बात का संकेत हो सकता है कि रूस फिलहाल वार्ता को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया के रूप में देख रहा है, ना कि वास्तविक समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम है।

पुतिन ने की थी सीधी वार्ता की पेशकश : इससे पहले, पश्चिमी और यूरोपीय नेताओं की ओर से किसी शर्त के एक महीने के युद्ध विराम को लागू करने की पेशकश की थी, जिसे रूस ने खारिज कर दिया था। इसके साथ ही रूस ने यूक्रेन पर 100 से अधिक ड्रोन भी दागे। पुतिन ने 11 मई को इस प्रस्ताव के बजाय तुर्किये में सीधे बातचीत की पेशकश की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने जोर देकर कहा था कि रूसी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी पूर्व शर्त के इस्तांबुल में बातचीत के लिए तैयार रहेगा।

जेलेंस्की ने जताया रूस के इरादों पर संदेह : जेलेंस्की ने रूस के इरादों पर भी संदेह जताया था। साथ ही कहा था कि रूसी राष्ट्रपति की पेशकश अविश्वसनीय प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी वार्ता में भाग लेने पर विचार कर रहे हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए ज़ेलेंस्की ने कहा था कि हमने तुर्किये में वार्ता के प्रारूप के बारे में टीम के साथ कई बैठकें कीं। मैं यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि रूस से कौन आएगा। इसके बाद ही मैं तय करूंगा कि यूक्रेन को कौन से कदम उठाने चाहिए। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अब तक, मीडिया में उनके द्वारा दिए गए संकेत अविश्वसनीय हैं। रूस केवल युद्ध और हत्याओं को बढ़ा रहा है। मैं हर देश, हर नेता को धन्यवाद देना चाहता हूं जो अब रूस पर दबाव डाल रहा है, ताकि गोलाबारी आखिरकार बंद हो जाए, ताकि सार्थक बातचीत उस स्तर पर हो सके जहां वास्तविक निर्णय लिए जा सकें।

बड़े युद्ध की तैयारी में हैं दोनों देश : दोनों देश गर्मी में फिर से बड़े युद्ध की तैयारी में हैं। 1,000 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा पर अब तक दोनों ओर से हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं।वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने सोमवार को कहा कि रूस तेजी से नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है ताकि अग्रिम मोर्चे पर पकड़ बनी रहे। रूस ने अमेरिका और यूरोपीय नेताओं की ओर से की गई युद्धविराम की पेशकश को खारिज किया, पुतिन कई बार जेलेंस्की की सरकार की वैधता पर सवाल उठा चुके हैं, क्योंकि उनके अनुसार जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल खत्म हो चुका है। हालांकि, यूक्रेन का संविधान कहता है कि मार्शल लॉ के दौरान चुनाव नहीं कराए जा सकते। 2022 में यूक्रेन सरकार ने एक आदेश पारित किया था, जिसके तहत पुतिन से किसी भी तरह की बातचीत पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन अमेरिका दोनों देशों पर युद्ध खत्म करने के लिए दबाव बना रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के विदेश मंत्रियों से लंदन में बातचीत की, ताकि युद्धविराम और शांति वार्ता को लेकर चर्चा हो सके। इन यूरोपीय देशों ने रूस को चेतावनी दी है कि अगर वह युद्धविराम नहीं मानता, तो उस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे, लेकिन अब तक नए प्रतिबंधों की कोई घोषणा नहीं की गई है।

पंजाबी मूल के चार नेता कनाडा में बनाए गए मंत्री, खालिस्तानी सोच से दूर; भारत के साथ मजबूत होंगे संबंध

ओटावा, एजेंसी। पंजाबी मूल के चार मंत्रियों को कनाडा में मंत्री बनाए जाने से भारत के साथ बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। दरअसल इस वक्त भारत और कनाडा के रिश्ते अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। लेकिन कार्नी के मंत्रिमंडल और पंजाबियों की दी गई अहमियत से अब रिश्तों को नई उम्मीद की किरण के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि जो मंत्री पंजाबी मूल के हैं और अब कार्नी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं वो खालिस्तानी विचारधारा से पूरी तरह से दूर हैं। कनाडा में रह रहे पंजाबी समुदाय के लोगों का मानना है कि कनाडा की सरकार में खालिस्तानी विचारधारा को दरकिनार कर नए संबंधों की शुरूआत करने की बेहतर पहल है। कनाडा में अनीता आनंद, मनिंदर सिद्धू, रूबी सहोता और रणदीप सराय को मंत्री बनाया गया है। कनाडा में पंजाबी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पंजाबी सिख संगठन इन कनाडा के सरदार हरजोत सिंह कहते हैं कि विदेश मंत्री अनिता आनंद ने तो गीता पर हाथ रखकर मंत्री पद की सौगंध खाई।

बलूच नेता ने पाकिस्तान से आजादी का ऐलान किया: कहा- बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान किया। उन्होंने इसके पीछे दशकों से बलूच लोगों के मानवाधिकार हनन, किडनैपिंग और हिंसा का हवाला दिया। मीर यार बलूच ने एक्स पोस्ट में कहा- बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। आओ हमारा साथ दो। उन्होंने लिखा कि बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और दुनिया अब और मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत और ग्लोबल समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी के लिए मान्यता और समर्थन मांगा। पाकिस्तान पीओके के लोगों को ढाल जैसे इस्तेमाल कर रहा मीर यार ने भारतीय मीडिया, यूट्यूबर्स और भारतीय बुद्धिजीवियों से अपील की कि वो बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी हवाई बमबारी, किडनैपिंग या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का समर्थन किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस इलाके को खाली करने के लिए दबाव डालने की अपील की। मीर यार ने कहा- भारत पाकिस्तानी सेना को हरा सकता है। अगर पाकिस्तान ने ध्यान नहीं दिया, तो खूनखराबे के लिए सिर्फ पाकिस्तानी सेना के लालची जनरल जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इस्लामाबाद पीओके के लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद के कब्जा किया गया मीर यार बलूच के मुताबिक दुनिया को बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद से जबरन कब्जा किया गया था। बलूचिस्तान में लंबे वक्त से मानवाधिकार हनन हो रहा है। पाकिस्तानी सेना और पुलिस लोगों पर हमले करती है। यहां विदेशी मीडिया की पहुंच बहुत सीमित है, इस वजह से बलूचिस्तान से जुड़ी खबरें बाहर नहीं आ पाती हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) एक संगठन है जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है।

गाजा में बच्चों की मौत के लिए अमेरिका जिम्मेदार, सीनेट बाधित करने के आरोप में कारोबारी कोहेन हिरासत में

वाशिंगटन, एजेंसी। एंड जेरी के सह संस्थापक और प्रगतिशील कार्यकर्ता और बेन बेन कोहेन को अमेरिकी सीनेट की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में हिरासत में ले लिया गया है। ये वाकया तब हुआ जब स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर मेडिकेड में कटौती करने के लिए प्रस्ताव ला रहे थे, उसी दौरान प्रदर्शनकारियों के समूह में शामिल बेन कोहेन ने गाजा में जारी नरसंहार और भुखमरी के शिकार बच्चों के लिए अपना विरोध जताया।

अमेरिकी सीनेट की कार्यवाही के दौरान जब स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर अपने विभाग के बजट प्रस्ताव की जानकरी दे रहे थे। उसी दौरान कोहेन ने उन्हें रोकते हुए अपना विरोध जताया। कोहेन ने चिल्लाते हुए कहा कि कांग्रेस गाजा में बच्चों को मारने के लिए बम खरीदने के लिए भुगतान करती है, जबकि यहां सांसद निम्न आय वाले परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम का प्रस्ताव रखते हैं। उन्होंने सीनेटरों से आग्रह करते हुए यह भी कहा कि वे इस्राइल पर गाजा में भुखमरी के शिकार बच्चों तक भोजन और रसद पहुंचाने के लिए दबाव डालने की भी अपील की। इसी दौरान, सीनेट में मौजूद सुरक्षा बलों ने कोहेन को रोकते हुए आनन-फानन में उन्हें हथकड़ी पहनाई और सीनेट से बाहर ले गए।

गाजा मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ कोहेन : हालांकि कुछ देर बाद कोहेन को रिहा कर दिया गया। अपनी रिहाई के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए कोहेन ने गाजा मुद्दे पर अमेरिकी सरकार के कदमों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह निंदनीय है कि अमेरिका ने इस्राइल के लिए 20 बिलियन डॉलर को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि अधिकांश अमेरिकी इस बात से नाराज हैं कि उनके पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। कोहेन ने कहा कि हजारों लोगों के नरसंहार को स्वीकार करना और उसमें सहभागी होना, मनुष्य होने के नाते हमारी मूल भावना पर आघात है। साथ ही यह अमेरिका की मान्यताओं के भी खिलाफ है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने बजट का आधा हिस्सा युद्ध पर खर्च करता है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अगर आप उस धन का आधा हिस्सा भी दुनिया में जीवन को बेहतर बनाने में खर्चेंगे तो जंग नहीं होगी। आगे बोलते हुए बेन कोहेन ने जंग शांत करने के लिए वार्ता और कूटनीति पर जोर दिया।

भारत की कार्रवाई जरूरी थी, अफगान नेता की दो टूक; पाक-आईएसएस को आतंकवाद का पनाहगार बताया

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अफगानिस्तान की निर्वासित सांसद मरियम सोलेमंखिल ने ऑपरेशन सिंदूर को वाजिब बताया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर जरूरी था, क्योंकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कश्मीर में निर्दोष लोगों की जान लेता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने जो किया वह जरूरी था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कश्मीर में घुसपैठ की और निर्दोष लोगों की जान ली। आप इसे इतनी आसानी से नहीं जाने दे सकते। भारत जैसा पलटवार किया, वह बहुत जिम्मेदाराना है। वे आतंकवाद की चौकियों, आतंकवादी शिविरों, उन जगहों पर हमला कर रहे थे, जहां सेना पाकिस्तान में आतंकवादियों को और भी ज्यादा पनपने में मदद कर रही है। अफगान नेता सोलेमंखिल ने कहा कि पाकिस्तान दशकों से झूठ फैला रहा है। सरकार और आईएसआई भी यही काम करते हैं। उन्होंने कहा, भारत उन्हीं मुद्दों को उठा रहा है, जिन पर वह पिछले 77 साल से बोल रहा है। पाकिस्तान वही झूठ फैला रहा है। वह ऑनलाइन ट्रोल फर्मों से, अपने पेड मीडिया प्रवक्ताओं का इस्तेमाल कर रहा है। वे अपने आईएसआई, अपने नेतृत्व, साथ ही अपने विदेश मंत्री से भी वे झूठ फैलवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका को बलि का बकरा बनाता है और आतंकवादियों को पनाह देता है तथा दुनिया को धमकाता है। उन्होंने कहा, वे ध्यान भटका रहे हैं, आतंकवादियों का समर्थन करने, उन्हें तैयार करने, उन्हें अपनी सीमाओं के भीतर आतंकवादियों को पनाह देने के लिए मजबूर करने के लिए अमेरिका को दोषी ठहरा रहे हैं। दुनिया को परमाणु विनाश की धमकी दे रहे हैं। यह पूरी तरह से हास्यास्पद है। मुझे लगता है कि दुनिया बहुत स्पष्ट रूप से समझ रही है कि भारत कौन है? कैसे वह एक आर्थिक शक्ति है? जो दुनिया के भले के लिए सभी की मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने लोगों को भी आतंकवाद से डराता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान अब आतंकवाद के लिए जाना जाता है। वे अपने ही लोगों के बीच आतंकवाद फैला रहे हैं। बुधवार को बलूच प्रतिनिधि मीर यार बलूच ने क्षेत्र में दशकों से जारी हिंसा, जबरन गायब किए जाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन का हवाला देते हुए पाकिस्तान से स्वतंत्रता की घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए।

इंडो-पैसिफिक में पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा ड्रैगन, भरोसे लायक नहीं: ब्रिटिश लेखक डेविड वेंस

लंदन, एजेंसी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान के समर्थन पर चीन चौतरफा घिरता नजर आ रहा है। अब ब्रिटिश राजनीतिक लेखक डेविड वेंस ने इसे लेकर चीन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए चीन पाकिस्तान का छद्म रूप से इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

एक साक्षात्कार में डेविड वेंस ने कहा कि चीन इस क्षेत्र में पाकिस्तान को एक प्रॉक्सी के रूप में संचालित करता है। इसलिए, चीन पर किसी भी मामले में भरोसा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप को यह समझना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ट्रंप को यह समझना होगा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत चीन के खिलाफ पश्चिम के लिए एक सुरक्षा कवच है। इसलिए जितना संभव हो उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ भारत की मदद करनी चाहिए, यह बेहतर होगा। वेंस ने कहा कि चीन के पाकिस्तान के साथ निहित स्वार्थ हैं और वे हित न को भारत और न ही पश्चिम के साथ मेल खाते हैं।

तुर्किये की भी की आलोचना : साक्षात्कार के दौरान वेंस ने पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए तुर्किये की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जैसाकि मैनें पहले भी कहा है कि पाकिस्तान एक असफल राष्ट्र है उसी तरह तुर्किये भी समस्याग्रस्त है। मुझे हैरानी नहीं हुई अगर एर्दोआन ने भी भारत का विरोध किया। वे मुझे चीन से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। उनसे पहले से ही भारत विरोधी बयानबाजी की उम्मीद की जानी चाहिए और उसे खारिज कर दिया जाना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर का पुरजोर समर्थन : ब्रिटिश लेखक डेविड वेंस ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर का भी पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह लंबे समय से लंबित और जरूरी कदम था। इसे और पहले किया जाना था। वेंस ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर काफी सफल रहा है। मुझे लगता है कि यह भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ संघर्ष से कहीं अधिक आतंक के ढांचे पर प्रहार था। यह कुछ ऐसा है जो मैंने 2018 में संयुक्त राष्ट्र में कहा था कि मैं पाकिस्तान को एक विफल, आतंकवादी राज्य और आतंक के पोषण के रूप में मानता हूं। ऐसे में यह अच्छा था कि भारत ने इसके खिलाफ कदम उठाया।

गौरतलब है कि बीते महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था जिसमें 26 लोग मारे गए थे। जिसके बाद भारत ने एक के बाद एक चरणबद्ध कार्रवाई कर पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। सात मई को पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ सटीक हमले किए गए। भारतीय वायुसेना ने बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के नौ आतंकी अड्डों को पलक झपकते ही नेस्तनाबूद कर दिया। 8 मई को पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी राज्यों में बड़े पैमाने पर ड्रोन से जवाबी कार्रवाई की। भारत के बहुस्तरीय वायु रक्षा नेटवर्क, घरेलू आकाश मिसाइल और इस्त्राइली व रूसी रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों। को नाकाम किया। 9 मई को भारत ने छह पाकिस्तानी सैन्य एयरबेस व यूएबी समन्वय केंद्रों पर अतिरिक्त हमले किए। 10 मई को गोलीबारी में अस्थायी रोक लगाई गई। भारत ने इसे युद्धविराम नहीं बल्कि फायरिंग का विराम बताया। यह सिर्फ सामरिक सफलता नहीं थी। यह प्रत्यक्ष गोलीबारी के तहत सैद्धांतिक क्रियान्वयन था।

आईपीएल में आज केकेआर को हराकर प्लेऑफ में पहुंचने उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले शनिवार से फिर शुरु हो रहे हैं। इसमें पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच टक्कर होगी। इस मैच में आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि उसका प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी। वहीं दूसरी ओर गत विजेता केकेआर के 12 मैचों में 11 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है और ऐसे में अगर ये मुकाबला वह हारती है या बारिश के कारण ये रद्द होता है तो वह प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी।

आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर भी इस मैच में सभी की नजरें रहेंगी। विराट ने इसी सप्ताह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। विराट ने 9 मई को इस सत्र के स्थगित होने से पहले काफी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 500 से अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैप के प्रबल दावेदार हैं। ऐसे में प्रशंसक चाहेंगे कि वह इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करें। केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना होगा। दोनों टीमों पर नजर डालें तो आरसीबी के जीतने की अधिक संभावना है। इस मैच के पहले कप्तान रजत पाटीदार के फिट होने से आरसीबी प्रबंधन ने राहत की सांस ली है। आरसीबी के अधिकतर विदेशी खिलाड़ी भी उससे जुड़ गये हैं। फिल साल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं हालांकि। देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोटिल होने के कारण बाहर होने से उसे झटका लगा है।

आरसीबी ने पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल को शामिल किया है। वहीं मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। स्टेडियम में भी दर्शक उन्हें खेलते हुए देखना चाहेंगे। ऐसे में इस मैच में विराट के प्रशंसक आरसीबी की जगह टेस्ट की सफेद जर्सी में नजर आयेंगे। दूसरी ओर केकेआर की राह बेहद कठिन है। कप्तान आजिंक्य रहाणे की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कमजोर नजर आयी है। कप्तान रहाणे और अंगकृष रघुवंशी के अलावा को भी बल्लेबाज सत्र में लगातार रन नहीं बना पाया है। टीम के लिए ये मैच इस पार या उस पार वाला है इसलिए उसके सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह अब तक विफल रहें हैं और अब इन्हें इस मैच में रन बनाने होंगे। टीम को मोईन अली की कमी खलेगी। मोईन बीमार होने के कारण लीग से बाहर हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

आरसीबी = फिल साल्ट, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), मयंक अग्रवाल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जोश हेजलवुड, यश दयाल, रसिख दार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

केकेआर=अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, लवनिथ सिसोदिया, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक, एनरिक नॉर्किया, स्पेंसर जॉनसन।

आईपीएल 2025 शुरू होने से पहले तिरुपति मंदिर पहुंचे संजीव गोयनका, मांगीं मन्नतें

तिरुमाला (आंध्र प्रदेश) (एजेंसी)। आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप के चेयरमैन और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल टीम के मालिक संजीव गोयनका और उनके परिवार ने तिरुपति तिरुमाला मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की। भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर, जो भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, भारत के सबसे अधिक दर्शन किए जाने वाले धार्मिक स्थलों में से एक है, जो हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। संजीव गोयनका और उनके परिवार का मंदिर दर्शन भारतीय प्रीमियर लीग के इस सीजन के फिर से शुरू होने से एक दिन पहले हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले गुरुवार को, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव को चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शेष सीजन से बाहर कर दिया गया। आईपीएल ने एक बयान जारी कर इस फैसले की घोषणा की। 22 वर्षीय यादव को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओ%राउरके ने रिप्लेस किया है। उन्हें पीठ की चोट है।

बयान में कहा गया कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विलियम ओ%राउरके को मयंक यादव के लिए चोट के प्रतिस्थापन के रूप में शामिल किया है। यादव को पीठ की चोट हुई है और वे सीजन के शेष भाग के लिए बाहर हो गए हैं। ओ%राउरके उन्हें 3 करोड़ रुपये की रिजर्व कीमत पर रिप्लेस करेंगे। राउरके ने न्यूजीलैंड के लिए 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें 28.60 की औसत से 5 विकेट लिए हैं। 38 टी20 मैचों में, उन्होंने 26.05 की औसत से 37 विकेट लिए हैं।

इस बार आरसीबी जीतेगी आईपीएल 2025 का खिताब: कैफ

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की टीम आईपीएल खिताब जीतेगी। कैफ का मानना है कि इस बार आरसीबी का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। ऐसे में टीम के पास अपना पहला खिताब जीतने का सुनहरा अवसर है। आरसीबी के सभी खिलाड़ियों विशेषकर स्टार खिलाड़ी विराट कोहली का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा।

इस सत्र में शुरुआत से ही आरसीबी ने जीत का सिलसिला बनाये रखा है जिससे वह 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और प्ले ऑफ में अपनी जगह पक्की करने से एक जीत दूर है। कोहली वर्तमान में 505 रनों के साथ इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शामिल हैं। कैफ ने कहा कि, अगर हम एक टीम के तौर पर आरसीबी की बात करें तो वे बेहतरीन रहे हैं। मैं टीम शब्द पर जोर दे रहा हूं क्योंकि वे हमेशा से बल्लेबाजी से भारी रहे हैं। इस बार कप्तान रजत पाटीदार ने अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल बेहतरीन तरीके से किया है। इससे टीम 170-180 के स्कोर का भी बचाव करने में सफल रही है। कोहली ने वही करना जारी रखा है जो वह सबसे अच्छा करते हैं। आईपीएल के दौरान उनका बल्ला कभी खामोश नहीं रहता है लेकिन गेंदबाजों ने उन्हें ये विश्वास दिलाया है कि वे जीत सकते हैं।

रोहित शर्मा ने मां-बाप से करवाया वानखेड़े स्टेडियम में अपने नाम के स्टैंड का उद्घाटन

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा स्टैंड का उद्घाटन किया, जो भारत के वनडे कप्तान और मुंबई इंडियंस के दिग्गज खिलाड़ी को क्रिकेट में उनके विशाल योगदान के लिए सम्मानित करता है। डिवेचा पवेलियन लेवल 3 को अब रोहित शर्मा के नाम से जाना जाएगा, जिससे वह सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विजय मर्चेंट जैसे क्रिकेट दिग्गजों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जिनके नाम पर इस स्टेडियम में स्टैंड हैं। रोहित के साथ-साथ पूर्व भारतीय कप्तान अजीत वाडेकर (ग्रैंड स्टैंड लेवल 4) और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार (ग्रैंड स्टैंड लेवल 3) के नाम पर भी स्टैंड समर्पित किए गए। एमसीए ने अपनी 86वीं वार्षिक आम बैठक में यह तय किया था।

पहले यह समारोह 13 मई को होना था लेकिन भारत-पाकिस्तान सीमा तनाव के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। युद्धविराम लागू होने और आईपीएल के 17 मई को फिर से शुरू होने के साथ, यह आयोजन रोहित की विरासत के भव्य उत्सव के रूप में संपन्न हुआ। स्टैंड की पहली झलक, जो स्टेडियम के पूर्वी हिस्से में स्थापित की गई थी, औपचारिक अनावरण से पहले सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। रोहित, जिन्होंने 7 मई 2025 को 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाने के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, ने इस सम्मान पर गहरी भावना व्यक्त की और इसे 'अवास्तविक अनुभव' बताया। उन्होंने अपने बचपन के संघर्षों को याद किया, जब वह अंडर-16 क्रिकेटर के रूप में वानखेड़े में प्रवेश नहीं कर पाते थे, जिससे एमसीए अधिकारियों और उनके परिवार की उपस्थिति में यह श्रद्धांजलि और भी मार्मिक बन गई।

रोहित का वानखेड़े से गहरा नाता है: उन्होंने इस मैदान पर 11 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 402 रन बनाए हैं और टी20 में 2,543 रन बनाए हैं, जिनमें से ज्यादातर मुंबई इंडियंस के लिए हैं, जहां उन्होंने फ्रेंचाइजी को 5 आईपीएल खिताब दिलाए। टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में उनकी कप्तानी में मिली जीत ने उनकी विरासत को और मजबूत किया, जिसके चलते एमसीए ने उन्हें उनके घरेलू मैदान पर अमर कर दिया। प्रशंसक 21 मई 2025 को वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान रोहित शर्मा स्टैंड से उनके लिए उत्साहवर्धन करने की उम्मीद कर रहे हैं।

अपने नाम का स्टैंड बनने के बाद वानखेड़े पर खेलना खास होगा : रोहित शर्मा

मुम्बई । वानखेड़े स्टेडियम पर अपने नाम के स्टैंड के उद्घाटन के बाद भारत के सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि भारत की जर्सी में अब इस मैदान पर एक दिवसीय क्रिकेट खेलने का अनुभव खास होगा। मुंबई क्रिकेट संघ ने वानखेड़े स्टेडियम पर रोहित, भारत के पूर्व कप्तान अजित वाडेकर और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार के नाम के स्टैंड का उद्घाटन किया। सात मई को टेस्ट क्रिकेट से विदा लेने वाले रोहित ने कहा कि जो आज हो रहा है, वह मैने कभी सोचा भी नहीं था। आप कई उपलब्धियां हासिल करने की कोशिश करते हैं लेकिन यह कुछ खास है क्योंकि वानखेड़े स्टेडियम अलग है और यहां कई यादें बनी हैं। उन्होंने कहा कि यहां खेल के दिग्गजों और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ राजनेता के बीच मेरा नाम होना, मैं अपने जज्बात व्यक्त नहीं कर सकता। मैं बहुत आभारी हूं। पिछले साल भारत को विश्व कप दिलाने के बाद टी20 क्रिकेट से विदा ले चुके रोहित ने कहा कि मैं अभी भी खेल रहा हूं और दो प्रारूप से विदा ली है। जब 21 तारीख को (मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल) यहां खेलूंगा और मेरे नाम का स्टैंड होगा तो खास होगा। भारत के लिए यहां खेलना काफी खास होगा। उन्होंने अपने पूरे कैरियर में उनके लिये कई बलिदान देने वाले परिजनों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मेरा परिवार, माता पिता, भाई और पत्नी यहां है।

इस कारण विराट ने लिया होगा संन्यास : नासिर हुसैन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका प्रदर्शन हमेशा शीर्ष स्तर का रहा है। इसलिए जब उन्हें लगा कि अब वह सौ फीसदी नहीं दे सकते तो उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया। हुसैन के अनुसार किसी भी सामान्य चीज से संतुष्ट न होने की भावना ने ही शायद उन्हें संन्यास के लिये प्रेरित किया होगा। हुसैन ने कहा, 'वह चैम्पियन है। वह जीत का लक्ष्य लेकर ही खेलता है और उसके लिए बेचैन रहता है। कोहली के लिए सब कुछ जीतने के बारे में ही है। इसलिए तो लक्ष्य का पीछा करने में वह माहिर है। अगर वह 100 फीसदी नहीं दे सकता होगा तो मैदान पर नहीं उतरेगा। वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने ही उतरता है। हुसैन ने कहा, 'हो सकता है कि उसने संन्यास का फैसला भी इसलिए ही लिया हो। वह आम क्रिकेटर नहीं बनना चाहता। वह कुछ खास करना चाहता है। उसने भारत को वह ताकत बनाया जो वह आज है। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले 14 साल से कोहली का बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उसके आंकड़े स्वयं उनके बारे में कहते हैं पर वह आंकड़ों से बहुत आगे कुछ है। उसकी शख्सियत, स्वैग और जुनून है। हम भारतीय क्रिकेटप्रेमियों को जानते हैं और क्रिकेट उनके लिए बहुत मायने रखता है।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हेसन बने पाक टीम के कोच

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर माइक हेसन को अपनी सीमित ओवरों की टीम का नया कोच बनाया है। पीसीबी ने कहा है की कि हेसन पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) समाप्त होने के बाद 26 मई को टीम से जुड़ेंगे। इस वर्ष की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन से भी पीसीबी पर बेहतर कोच रखने का दबाव था। इस पद के लिए कुल सात उम्मीदवारों ने आवेदन प्रस्तुत किए थे, जिनमें चार विदेशी कोच शामिल थे। हेसन अभी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएएल) के गत विजेता इस्लामाबाद यूनाइटेड के मुख्य कोच हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी कोच रहे हैं। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा कि हेसन अपने साथ अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेकर आए हैं और प्रतिस्पर्धी टीमों को बेहतर तरीके से विकसित करने का उनका एक अच्छा रिकॉर्ड है। नकवी ने कहा, हम पाकिस्तान के सफेद गेंद वाले क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में उनकी विशेषज्ञता और नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हेसन 2023 के बाद से पाकिस्तान टीम के कोच बनने वाले पांचवें विदेशी हैं। उनसे पहले ग्रांट ब्रैडबर्न, मिकी आर्थर, साइमन हेलमेट, गैरी कर्स्टन और गिलेस्पी भी कोच रहे थे पर इन्हें बीच में ही कामकाज छोड़ना पड़ा था। अन्य लोगों ने इस बात के संकेत देते हुए इस्तीफा दे दिया कि वे पीसीबी की कार्यप्रणाली और उनके साथ संबंधों से खुश नहीं थे। पीसीबी ने पुरुष टीम के साथ अपनी सहायक टीम में लगातार बदलाव किए हैं, जिसमें मुख्य कोच का अहम पद भी शामिल है।

शुभमन गिल को अभी समय चाहिए, रविंद्र जडेजा बना सकते हैं कप्तान: अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भारतीय टेस्ट कप्तानी के लिए अपने लंबे समय के स्पिन जोड़ीदार रवींद्र जडेजा का नाम सुझाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर गुरुवार को यह राय जाहिर की।

अश्विन ने कप्तानी के दावेदारों पर चर्चा करते हुए कहा कि कुछ स्पष्ट विकल्प हैं, लेकिन मैं रवींद्र जडेजा का नाम भी जोड़ना चाहूंगा। कप्तान या उप-कप्तान की चर्चा से पहले खिलाड़ी का प्लेइंग इलेवन में होना जरूरी है। जडेजा एक स्वाभाविक चयन हैं। उन्होंने आगे कहा कि जडेजा टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। अगर नए खिलाड़ी को दो साल तक तैयार कर कप्तान बनाया जा सकता है, तो जडेजा भी दो साल तक यह भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें उप-

कप्तान के रूप में भी आजमाया जा सकता है।

36 वर्षीय जडेजा ने 80 टेस्ट में 3,370 रन (34.74 की औसत, 4 शतक, 22 अर्धशतक) और 323 विकेट लिए हैं। हालांकि, जडेजा ने भारत के लिए किसी भी प्रारूप में कप्तानी नहीं की है। उन्होंने 2022 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की थी, लेकिन 8 में से केवल 2 मैच जीतने के बाद बीच सीजन में एमएस धोनी को कप्तानी सौंप दी थी।

अश्विन ने शुभमन गिल को कप्तानी के लिए लोकप्रिय नाम बताया और उनकी तुलना 2003 में 22 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बने ग्रीम स्मिथ से की। उन्होंने कहा, 'अगर गिल गुजरात टाइटंस को आईपीएल प्लेऑफ में ले जाते हैं, तो उनकी कप्तानी में बदलाव आसान हो सकता है।' गिल की अगुआई में गुजरात टाइटंस 8 जीत और 3 हार के साथ 16 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है।

जसप्रीत बुमराह की कप्तानी पर अश्विन ने कहा कि मुझे निराशा है कि बुमराह को कप्तानी नहीं मिली। वह राष्ट्रीय संपत्ति हैं। उनकी एक बड़ी सर्जरी हो चुकी है। मुझे आश्चर्य होगा अगर वह पांच टेस्ट लगातार खेलें। उन्हें रिकवरी के लिए ब्रेक चाहिए। बुमराह ने भारत के लिए 3 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में पर्थ में 295 रनों की जीत उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

प्लेऑफ में बटलर की जगह मेंडिस गुजरात टाइटंस की ओर से खेलेंगे

मुम्बई। आईपीएल के बचे हुए सत्र में गुजरात टाइटंस की टीम को आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर के बिना ही खेलना होगा। बटलर ने इस सत्र में अब तक टीम की और से करीब 500 रन बनाये हैं और ऐसे में उनका प्लेऑफ के लिए नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका होगा। उनके नहीं होने से टीम को एक शीर्ष स्तर के विकेटकीपर के बिना ही खेलना होगा। अब श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस उनकी जगह लेंगे। मेंडिस को सीधे ही अंतिम 11 में जगह मिलना तय है, क्योंकि गुजरात के पास अन्य विकेटकीपर नहीं हैं। टीम के पास अन्य विकेटकीपर के तौर पर अनकैप्ड अनुज रावत ही हैं। आईपीएल 2025 के 17 मैच 17 मई से 3 जून के बीच खेला जाएगा। इस बीच इंग्लैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेलनी है। जोस बटलर को दोनों सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में चुना गया है। यही कारण है कि वह आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में नहीं खेल पाएंगे। गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 16 अंकों के साथ मौजूदा अंक तालिका में टॉप पर है और क्वालिफिकेशन हासिल करने से एक जीत दूर है।

मिचेल स्टार्क देश भक्ति सबसे ऊपर, दिया आईपीएल 2025 को कोरा जवाब, एक तिहाई वेतन भी छोड़ेंगे

सिडनी (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की उम्मीदों को लगा बड़ा झटका, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिचेल स्टार्क ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल को देखते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फिर से खेलने से इनकार करते हुए भारत नहीं लौटने का फैसला किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सूत्रों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड दोनों आईपीएल में अपने शेष मैच खेलने के लिए वापस भारत जाएंगे। सनराइजर्स हैदराबाद फाइनल की रेस से बाहर हो चुकी है। इसलिए हैदराबाद की टीम के खिलाड़ियों की समय सीमा 25 मई को पूरी हो जाएगी।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया के अन्य खिलाड़ियों की बात की जाए तो

जॉश हेजलवुड रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिताबी मुकाबले में वापसी करने से पहले कंधे की चोट का आकलन करेंगे। जॉश इंगलिस ने पंजाब किंग्स के लिए वापसी की अपनी योजना पर फैसला टाल दिया है, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क के साथी जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने भी आईपीएल टूर्नामेंट से बाहर होने का विकल्प चुना है।

उल्लेखनीय है कि मिचेल स्टार्क दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए घोषित की गई ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर दिल्ली की टीम मौजूदा सीजन के फाइनल में पहुंचती है तो स्टार्क को आईपीएल 2025 के अपने वेतन का एक तिहाई हिस्सा छोड़ना होगा। मिचेल स्टार्क ने टूर्नामेंट में अभी तक खेले 11 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। अगर दिल्ली कैपिटल्स की टीम प्लेऑफ में पहुंचती है तो उन्हें स्टार्क की कमी महसूस होगी।

रोहित-कोहली के संन्यास के बाद भी भारतीय टीम वापसी करेगी : मांजरेकर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर ज्यादा परेशान होने की जरुरत नहीं है। मांजरेकर के अनुसार टीम में कई युवा प्रतिभाएं हैं जो इनकी जगह ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ियों के अलविदा कहने का समय आया तब इसी प्रकार की चिन्ता जतायी जा रही थी पर युवाओं ने अपने प्रदर्शन से उनकी कमी पूरी की जिससे भारतीय क्रिकेट ने शानदार वापसी की। मांजरेकर ने काह, 'मैं जानता हूं कि प्रशंसक चिंतित होंगे। फैब फोर के संन्यास के बाद भी ऐसी ही चिंता थी। लेकिन कुछ साल बाद भारत दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम बना। उन्होंने लिखा, 'जब तक भारत में खेल लोकप्रिय हैं और कई प्रतिभाशाली युवा खेलने के लिए सामने आ रहे हैं तो टीम को अच्छे खिलाड़ी मिलते रहेंगे। भारतीय टीम में जगह हासिल करना आसान नहीं होता और जो भी यहां तक पहुंचता है उसमें प्रतिभा होती ही है। मांजरेकर ने कहा, 'इसमें समय लगेगा पर डरने की जरूरत नहीं है। पहले स्टार खिलाड़ियों के जाने के बाद हमारी गेंदबाजी बेहतर हुई। यहां भी ऐसा हो सकता है। नए सितारे आएंगे और नये गेंदबाज भी। भारतीय टीम दुनिया की शीर्ष टीमों में बनी रहेगी। उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम को इस नजरिये से भी देखा जा सकता है जिसमें विराट और रोहित टीम के होते हुए भी टीम को न्यूजीलैंड से 3-0 से और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। युवाओं से भरी होने वाली टीम के मारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है इसलिए वह निडर होकर खेलेगी।

हमने ट्रेनिंग नहीं रोकी क्योंकि जानते थे आईपीएल दोबारा शुरू हो जाएगा : मनीष पांडे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज मनीष पांडे ने कहा कि भारत-पाकिस्तान सैन्य तनाव के कारण आईपीएल के रुकने के दौरान भी टीम ने प्रशिक्षण और मैच की तैयारियों को नहीं रोका, क्योंकि उन्हें लीग के फिर से शुरू होने का पूरा भरोसा था। उन्होंने बताया कि यह छोटा ब्रेक केकेआर को अपनी लय दोबारा हासिल करने में मदद कर सकता है। केकेआर शनिवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए करो-या-मरो का मुकाबला खेलेगी।

पांडे ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह ब्रेक ज्यादा फर्क नहीं डालता, क्योंकि पेशेवर क्रिकेटरों के तौर पर हम जानते हैं कि क्या करना है। हमें यकीन था कि टूर्नामेंट फिर शुरू होगा, भले ही समय का पता नहीं था। अच्छा रहा कि लंबा ब्रेक नहीं हुआ। हम जिम में थे, अपने खेल पर काम कर रहे थे। पूरी टीम तैयार है और हम एक शानदार मैच की उम्मीद कर रहे हैं।

आरसीबी के खिलाफ हार केकेआर की नॉकआउट की राह को बंद कर सकती है, लेकिन पांडे इसे दबाव नहीं मानते। उन्होंने कहा कि अब खोने को कुछ नहीं है। हमने सोचा था कि हम बेहतर टूर्नामेंट खेल सकते थे, लेकिन बीच में कुछ मैच हार गए। उन अहम मैचों को याद करके लगता है कि काश हमने उन्हें जीता होता। फिर भी, 2 मैच बाकी हैं और हर खिलाड़ी प्रदर्शन के लिए बेताब है।

केकेआर की इस सीजन में असंगत प्रदर्शन की वजह पिछले साल की तरह लगातार जीत न हासिल कर पाना रहा। पांडे ने कहा कि पिछले साल हम लगातार मैच जीत रहे थे, जो आईपीएल में जरूरी है। इस बार एक जीत के बाद हार का सिलसिला रहा। बल्लेबाजी ठीक रही, गेंदबाजी शानदार थी, लेकिन दोनों में थोड़ी असमानता रही। उम्मीद है, अगले साल मजबूत कोर के साथ हम फिर जीत की लय पकड़ेंगे।

पांडे ने इस ब्रेक को सकारात्मक माना, जो आखिरी दो मैचों में मददगार हो सकता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने घर जाकर अपने वीडियो देखे और कमियों पर काम किया। यह ब्रेक फायदेमंद रहा। हमारी उम्मीद है कि बचे हुए दोनों मैच जीतकर हम टूर्नामेंट को शानदार अंदाज में खत्म करें।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

मैं अभी शुरुआती दौर में हूं: पलक तिवारी

हाल ही में अभिनेत्री पलक तिवारी ने अपनी मां और टीवी की जानी-मानी अदाकारा श्वेता तिवारी से बार-बार की जाने वाली तुलना पर खुलकर बात की। 'किसी का भाई किसी की जान' और 'द भूतनी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं पलक का मानना है कि वह अभी करियर की शुरुआत में हैं, ऐसे में उनकी तुलना अपनी मां जैसी अनुभवी और सफल अभिनेत्री से करना सही नहीं है। पलक ने कहा कि वह अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं और चाहती हैं कि उनके जैसी ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ खुद को दर्शकों के सामने पेश करें। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 卐ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूं और मां पर ही छोड़ देती हूं। उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से करना सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूं, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूं।卐 'बिजली-बिजली गर्ल' के नाम से मशहूर पलक ने यह भी बताया कि यदि वह दर्शकों से अपनी मां जितना जुड़ाव बना सकीं, तो वह खुद को सफल मानेंगी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी मां का टीवी इंडस्ट्री में बहुत लंबा और शानदार करियर रहा है, जबकि उनका सफर अभी शुरू ही हुआ है। पलक जल्द ही एक्शन-ड्रामा फिल्म 'रोमियो एस 3' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन गुड्डू धनोआ ने किया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने लगातार खुद को बेहतर साबित करने की कोशिश की और गुड्डू धनोआ जैसे अनुभवी निर्देशक के साथ काम करना उनके लिए सम्मान की बात रही। 'रोमियो एस 3' 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें पलक एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा अवसर है।

एकता कपूर के वीडियो ने फैंस में मचाई हलचल

हाल ही में टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अलग-अलग मूड्स में नजर आ रही हैं। इस वीडियो के बैकग्राउंड में क्यूंकि सास भी कभी बहू थी का आइकॉनिक ट्यून सुनाई दे रहा था, जिससे एकता ने शो से जुड़ी कुछ नई बातें शेयर करने का हिंट दिया। उनके इस वीडियो ने फैंस में भारी एक्साइटमेंट पैदा कर दिया है, और लोग इस बात का अनुमान लगा रहे हैं कि शायद एकता कपूर इस शो को फिर से लेकर कुछ नया करने वाली हैं। इसके अलावा, एकता कपूर को हाल ही में 51वें इंटरनेशनल एम्मी अवार्ड्स में इंटरनेशनल एम्मी डायरेक्टरेट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, उन्हें भारत सरकार द्वारा कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान, पद्म श्री से भी नवाजा गया है। एकता कपूर की यह सफलता साबित करती है कि उनका प्रभाव हर प्लेटफॉर्म पर बना हुआ है। हाल ही में एकता ने मुंबई में वेव्स समिट 2025 में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां उन्होंने मध्य प्रदेश की फिल्म टूरिज़्म पॉलिसी 2025 लॉन्च की। इस समिट में उन्होंने मध्य प्रदेश की फिल्म इंडस्ट्री की संभावनाओं और वहां की खूबसूरत लोकेशंस को बढ़ावा देने की बात की। साथ ही, उन्होंने इस पहल के लिए वित्तीय मदद की जरूरत का भी जिक्र किया। एकता कपूर ने इस पहल के जरिए अपनी क्रिएटिविटी और दूरदृष्टि का एक और बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। बता दें कि एकता कपूर हमेशा अपनी नई और क्रिएटिव अप्रोच से चर्चा में रहती हैं। उन्होंने न सिर्फ टीवी शोज में बदलाव किए हैं, बल्कि ओटीटी और फिल्म्स में भी अपनी पकड़ मजबूत बनाई है। उनका सबसे प्रसिद्ध और यादगार शो क्यूंकि सास भी कभी बहू थी आज भी भारतीय टेलीविजन का लीजेंडरी शो माना जाता है। इस शो के जरिए एकता कपूर ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी, और दशकों बाद भी यह शो भारतीय टेलीविजन की यादों में बसा हुआ है।

'हाउसफुल 5' के नए गाने का जादू, 'दिल ए नादान' में मस्ती और ठुमकों का संगम

फिल्म 'हाउसफुल 5' का एक और गाना 'दिल ए नादान' रिलीज हो चुका है। गाने में स्टार्स के शानदार मूव्स ने फैंस का दिल जीत लिया है। गाने को नरगिस फाकरी, सोनम बाजवा, जैकलीन फर्नांडिस, अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख पर फिल्माया गया है। गाना पार्टी थीम पर आधारित है, इसमें डांस के साथ-साथ मस्ती का भी तड़का है।

यह गाना टी-सीरीज के यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

इस गाने को मधुबंती बागची और सुमंतो मुखर्जी ने मिलकर गाया है। वहीं बोल कुमार ने लिखे हैं। इसके अलावा, कोरियोग्राफ आदिल शेख ने किया है। गाने को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। यह गाना फिल्म का दूसरा म्यूजिक ट्रैक है, इससे पहले फिल्म का 'लाल परी' गाना रिलीज किया गया था। इस गाने को सिमर कौर और यो यो हनी सिंह ने गाया, जबकि कोरियोग्राफ रेमो डिसूजा ने किया। गाने में हनी सिंह और अक्षय कुमार की जोड़ी फिर से साथ देखने को मिली। इससे पहले ये दोनों कई हिट गानों में काम कर चुके हैं, जिसमें 'पार्टी ऑल नाइट', 'कुड़ी चमकीली', 'बॉस' जैसे गाने शामिल हैं। गाने में सभी कलाकार क्रूज पर नाचते-उछलते देखे जा सकते हैं। इसमें पूरा स्टारकास्ट नजर आ रहा है। संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और अक्षय कुमार भी एक फ्रेम में देखे जा सकते हैं।

फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, सौंदर्या शर्मा, चित्रांगदा सिंह, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, डीनो मोरिया, निकितेन धीर, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर लीड रोल में नजर आएंगे। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख शुरू से ही इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। बाकी कलाकार बाद में जुड़ते गए।

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की पहली कॉमेडी फिल्म साल 2010 में आई थी। दो साल बाद 'हाउसफुल 2' आई। इन दोनों फिल्मों को साजिद खान ने डायरेक्ट किया था। 2016 में 'हाउसफुल 3' रिलीज हुई, जिसे साजिद और फरहाद ने निर्देशित किया। 2019 में 'हाउसफुल 4' पर्दे पर रिलीज हुई। इसे फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया। अब 'हाउसफुल 5' का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं।

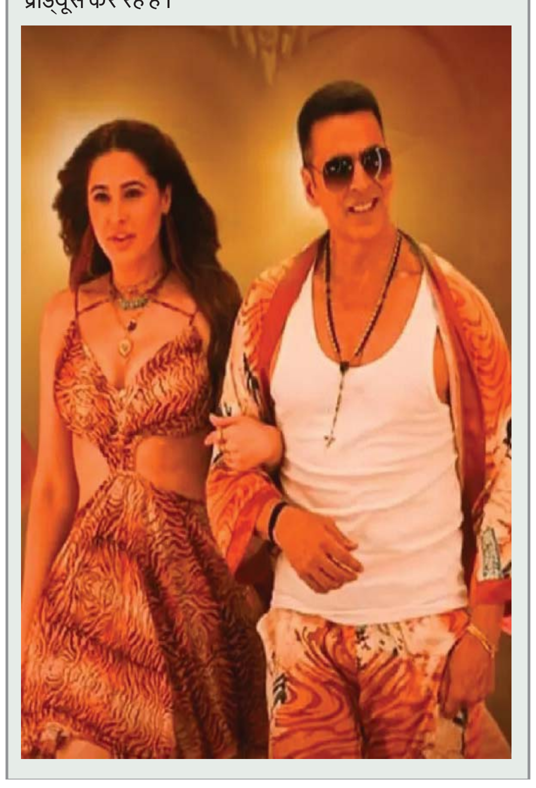

द रॉयल्स में निभाए किरदार को लेकर नोरा फतेही की हो रही तारीफ

बालीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही द्वारा ओटीटी सीरीज़ द रॉयल्स में निभाए गए किरदार को लेकर उनकी तारीफ हो रही है। ओटीटी सीरीज में नोरा ने आयशा ढोंडी का किरदार निभाया है, अपने प्रदर्शन के लिए मिल रही तारीफों का भरपूर आनंद ले रही हैं।

इस सराहना के बीच, नोरा ने अपने प्रशंसकों के साथ एक खास पर्दे के पीछे की झलक साझा की। इन बीटीएस तस्वीरों में नोरा गुलाबी रंग की भव्य साड़ी में नजर आ रही हैं, जो शाही गरिमा और शांत शक्ति का प्रतीक बनती हैं। उनके सॉफ्ट-ग्लैम मेकअप और बारीकी से चुनी गई ज्वेलरी ने फैशन प्रेमियों और प्रशंसकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इन तस्वीरों के साथ नोरा ने दर्शकों को उनके अभिनय और किरदार को इतना अपनापन देने के लिए धन्यवाद कहा। नोरा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'द बैडी, प्रिंसेस आयेशाज आइकॉनिक और खतरनाक इस मौके पर मैं उन सभी को दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं, जिन्होंने द रॉयल्स में आयशा के रूप में मेरे प्रदर्शन को इतना प्यार और सराहना दी-यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' हालांकि नोरा की स्टाइलिंग लाजवाब थी, असली ध्यान उनके ऑन-स्क्रीन अभिनय पर था। आयशा ढोंडी के रूप में नोरा ने बेहद नियंत्रित और प्रभावशाली भावनाओं के साथ अभिनय किया। उनके हाव-भाव, बॉडी लैंग्वेज और स्क्रीन प्रेज़ेंस ने उन्हें सीरीज़ की सबसे दमदार झलकियों में से एक बना दिया। फैन-फेवरिट म्यूज़िकल सीक्वेंस 'अदाएं तेरी' को महज 45 मिनट में शूट किया गया, जिसमें नोरा और ईशान खट्टर के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री को बखूबी दर्शाया गया, जिसे दर्शक प्योर स्क्रीन मैजिक मान रहे हैं। नोरा इस समय एक बड़ी ग्लोबल स्टार पावर के रूप में धूम मचा रही हैं। उनका हिट सिंगल स्नेक, जो जेसन डेरुलो के साथ है, 130 मिलियन व्यूज पार कर चुका है। अभिनय के मोर्चे पर, नोरा ने हाल ही में बी हैप्पी में अपनी भूमिका के लिए प्रशंसा प्राप्त की और अब वह कंचना 4 में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही हैं।

आशुतोष राणा बोले- 'पृथ्वीराज चौहान' में मेरी भूमिका मेरे लिए बहुत खास है

दिग्गज अभिनेता आशुतोष राणा ने ऐतिहासिक महाकाव्य 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' का हिस्सा बनने पर गर्व जताया। दरअसल, राणा पृथ्वीराज चौहान के भरोसेमंद दोस्त चंद बरदाई के किरदार को अपनी आवाज दे रहे हैं। वह इस महाकाव्य गाथा के जरिए दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे। शो का हिस्सा बनने पर अपने विचार साझा करते हुए, आशुतोष राणा ने कहा, 'मैं बचपन में पृथ्वीराज चौहान की कहानियां सुनता था, जो मेरे दिल में गहराई तक बस गईं। अब जब उन्हें इन्हीं

कहानियों का हिस्सा बनने का मौका मिला है, तो यह मेरे लिए एक भावनात्मक रूप से बहुत खास अनुभव है। एक अभिनेता के रूप में, मैंने हमेशा माना है कि आवाज में बहुत ताकत होती है। इस नैरेशन के जरिए, मैं कहानी में गहराई और गरिमा लाना चाहता हूं। जो भावनाएं मैं लेकर चल रहा हूं, वो ताकत, जुनून और सम्मान से जुड़ी हैं और ये इस शो की आत्मा से मेल खाती है।' 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' एक ऐतिहासिक धारावाहिक है, जो महान योद्धा राजा पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित है। यह पृथ्वीराज चौहान के जीवन के सफर को दिखाती है कि कैसे एक मासूम, युवा राजकुमार धीरे-धीरे एक महान और सम्मानित सम्राट बनता है। कहानी दिखाती है कि कैसे पृथ्वीराज चौहान ने खुद को एक शक्तिशाली योद्धा और सम्राट में बदला। शो में उन महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया गया है जो पृथ्वीराज को इतिहास में अमर बनाते हैं, जैसे युद्ध, राजनीतिक निर्णय और बलिदान। यह सिर्फ एक राजा की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस यात्रा की गाथा है जिसमें एक युवा बालक संघर्षों, वीरता और निर्णयों के जरिए एक ऐसा सम्राट बनता है, जिसकी विरासत आज भी भारतीय इतिहास में चमकती है। यह सीरीज प्रेरणा, शौर्य और नेतृत्व की जीवंत झलक है। इस शो में अनुजा साठे, रोनित रॉय, रूमी खान और पद्मिनी कोल्हापुरी अहम किरदार में हैं। दिग्गज एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरी 11 साल बाद टीवी पर शानदार वापसी कर रही हैं। वह राजमाता की शक्तिशाली भूमिका में नजर आएंगी। टीवी पर वापसी को लेकर पद्मिनी कोल्हापुरी ने पहले कहा था, 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए कि मैं शक्तिशाली भूमिका निभा रही हूं, बल्कि इसलिए भी कि यह लगभग 11 सालों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी का प्रतीक है। टीवी पर मेरी यात्रा सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुई, और अब इतने सालों के बाद, मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूं, जो चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है।' यह शो 4 जून को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

मुंबई छोड़कर बीकानेर में शिफ्ट हुई चारू असोपा

हाल ही में एक्ट्रेस चारू असोपा ने अपनी नाखुश शादी को खत्म कर, सिंगल मदर के तौर पर अपनी बेटी जियाना के साथ नई जिंदगी की शुरुआत की। वह मुंबई छोड़कर राजस्थान के बीकानेर में शिफ्ट हो गईं, जिससे सभी हैरान रह गए। वहीं, राजीव सेन ने अपनी नई तस्वीरों से इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। राजीव की तस्वीरों में वह एक खूबसूरत हसीना के साथ नजर आ रहे हैं, और उनकी कैमिस्ट्री को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं हैं। इन तस्वीरों और वीडियो के वायरल होते ही अफवाहें फैलने लगीं कि राजीव का नई लड़की के साथ अफेयर चल रहा है। हालांकि, इन तस्वीरों का राजीव की पर्सनल लाइफ से कोई संबंध नहीं है। दरअसल, ये तस्वीरें उनके किसी प्रोफेशनल प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं, जिसमें उन्होंने प्रोजेक्ट से संबंधित लोगों को टैग किया है। बीते दिनों राजीव ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्होंने अपनी एक्स-वाइफ चारू असोपा को अपने सबसे अच्छे दोस्त से बात करते हुए पकड़ा था। राजीव ने बताया कि वे दुबई में छुट्टियां मना रहे थे, जब उन्होंने चारू को अपने दोस्त से बात करते हुए देखा। इसके बाद चारू ने राजीव को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू कर दिया, और जब राजीव ने इस बारे में पूछा, तो चारू चुप हो गईं। इस पर चारू ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर राजीव ने उन्हें अपने दोस्त से बात करते हुए देखा होता, तो वह जान पाते कि वे किस बारे में बात कर रहे थे। चारू ने यह भी कहा कि राजीव को अपने दोस्त का नाम बताना चाहिए, और सिर्फ झूठे आरोप नहीं लगाने चाहिए। बता दें कि सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन और एक्ट्रेस चारू असोपा की निजी जिंदगी में हमेशा कुछ न कुछ हंगामा बना रहता है। राजीव और चारू का रिश्ता हमेशा उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। तलाक के बाद, दोनों अपनी बेटी जियाना के लिए फिर से साथ आए थे, और लोग यह सोचने लगे थे कि शायद वे फिर से एक साथ हो जाएंगे।

फिल्म जेलर 2 रजकांत और राम्या निभाएगी भूमिका

अपकमिंग फिल्म जेलर 2 इन दिनों खूब चर्चा बटोर रही है। जेलर 2 में जहां रजनी और राम्या कृष्णन अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं, वहीं सीक्वल में शिव राजकुमार और मोहनलाल सहित विभिन्न क्षेत्रीय उद्योगों के सुपरस्टार कैमियो करेंगे। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि डाकू महाराज फेम नंदमुरी बालकृष्ण कैमियो के रूप में सबसे नए जोड़े जा रहे हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बालकृष्ण एक पुलिस वाले की भूमिका निभाएंगे, कथित तौर पर उन्हें बहुत बड़ी रकम दी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बालकृष्ण जेलर 2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि फिल्म के निर्माता, सन पिक्चर्स ने उन्हें एक छोटे शेड्यूल के लिए मोटी रकम देने पर सहमति जताई है। एक सूत्र ने बताया कि नंदमुरी बालकृष्ण ने जेलर 2 के लिए 20 दिन का शेड्यूल तय किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बालकृष्ण ने 20 दिन के शेड्यूल के लिए 50 करोड़ रुपये मांगे और निर्माता बिना किसी हिचकिचाहट के इसके लिए राजी हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की यूनिट के एक करीबी सूत्र ने पुष्टि की है कि बालकृष्ण कैमियो के लिए आ रहे हैं। कथित तौर पर, उनकी भूमिका एक शक्तिशाली होगी। हालांकि, बालकृष्ण की भूमिका कैमियो से ज्यादा एक गेस्ट के तौर पर होगी, सूत्र ने ये भी दावा किया है कि फिल्म में प्रशंसकों को उनका किरदार पसंद आएगा। वहीं अगर रिपोर्ट्स की मानें तो बालकृष्ण कैमियो रोल के लिए सबसे ज्यादा पैसे लेने वाले अभिनेता बन गए हैं। गौरतलब है कि कई प्रसिद्ध अभिनेता हैं जिन्होंने फिल्मों में कैमियो के लिए एक पैसा भी नहीं लिया। चाहे पहेली में अमिताभ बच्चन हों, रॉकेट्री में शाहरुख खान, पठान में सलमान खान या किसी का भाई किसी की जान में रामचरम, इन अभिनेताओं ने बिना एक भी पैसा लिए कैमियो किया। हालांकि, सभी अभिनेता मुफ्त में कैमियो नहीं करते हैं। कथित तौर पर, अजय देवगन ने एसएस राजामौली की शानदार फिल्म आरआरआर में अपनी भूमिका के लिए 35 करोड़ रुपये लिए थे। इसके साथ ही, वो कैमियो भूमिका के लिए सबसे अधिक भुगतान पाने वाले अभिनेता बने हुए हैं। वहीं आलिया भट्ट ने भी 15 मिनट के लिए राजामौली की फिल्म से 9 करोड़ लिए थे। दूसरी ओर, हुमा कुरैशी ने संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी में अपनी भूमिका के लिए 2 करोड़ रुपये लिए थे। दिलचस्प बात यह है कि उर्वशी रौतेला ने मेगास्टार चिरंजीवी की वाल्टेयर वीरैया में अपने कैमियो के लिए 3 करोड़ रुपये की भारी भरकम फीस ली थी।